राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, रविवार, 14 दिसंबर 2025
वर्ष 07, अंक 75, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ऐहार में अव्यवस्था, घंटों बंद रहता है अस्पताल का गेट...03

खाकी बनाम खादी :-55 दिनों बाद टूटा सियासी सस्पेंस, भाजपा नेता प्रीतम सिंह किसान लखनऊ से गिरफ्तार ..12

दो चरणों में होगी जनगणना, मंत्री अश्विनी वैष्णव का बड़ा ऐलान, 11718 करोड़ होगा बजट

जनगणना 2027 दो चरणों में पूरी होगी. पहले चरण के तहत अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच घरों की सूची और गणना होगी इसके बाद फरवरी 2027 में आबादी की गिनती की जाएगी..

प्रयागराज। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि आज कैबिनेट में तीन बड़े फैसले लिए गए हैं. इनमें से एक जनगणना से संबंधित है. जनगणना के लिए संदर्भ 1 मार्च 2027 को 00:00 बजे निर्धारित की गई है. जनगणना का कार्य दो चरणों में किया जाएगाः पहला चरण अप्रैल से सितंबर 2026 तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में संपन्न होगा।

इसके साथ ही सरकार ने कोल सेतु योजना को भी मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि जनगणना 2027 देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसके लिए 11,718 करोड़ के बजट को मंजूरी दे दी है. इस आगामी जनगणना में एक महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि इसमें जाति आधारित गणना को भी शामिल किया जाएगा। जनगणना हर देश की नीतियों, योजनाओं और प्रशासनिक क्षमता की रीढ़ मानी जाती है. यह न सिर्फ जनसंख्या की गिनती करती है, बल्कि उम्र, धर्म, भाषा, शिक्षा, रोजगार स्थिति, आवास की स्थिति. घर में उपलब्ध सुविधाओं और दिव्यांगता से जुड़े अहम डेटा भी जुटाती है. यही आंकड़े संसद, विधानसभा और स्थानीय निकायों की सीमाओं (delimitation) और आरक्षण तय करने में कानूनी आधार बनते हैं. साथ ही यह डेमोग्राफी, अर्थशास्त्र, मानवशास्त्र, समाजशास्त्र और सांख्यिकी जैसे विषयों पर शोध करने वालों के लिए एक विशाल डेटा बैंक उपलब्ध कराती है। सरकार ने जनगणना 2027 के लिए संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 को 00:00 बजे तय की है। वहीं बर्फबारी वाले इलाकों के लिए यह तारीख 1 अक्टूबर 2026 तय की गई है. जनगणना दो चरणों में होगी-पहला चरण अप्रैल से सितंबर 2026 तक, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में पूरा किया जाएगा. बर्फबारी वाले क्षेत्रों में दूसरा चरण सितंबर 2026 में होगा।

कैसे होंगे जनगणना 2027 के दो चरण?

चरण 1: हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस (HLO) -यह चरण घरों की स्थिति, घर में उपलब्ध सुविधाओं और आवास से जुड़े विस्तृत आंकड़े तैयार करेगा.अवधिः अप्रैल-सितंबर 2026. राज्य/केंद्रशासित क्षेत्र 30 दिन की अवधि चुनेंगे।

चरण 2: पॉप्युलेशन एन्यूमरेशन (PE)-इस चरण में जनसांख्यिकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जानकारियां जुटाई जाएंगी.इसमें शामिल होंगेः उम्र, लिंग, शिक्षा,धर्म, मातृभाषा, भाषाएं,दिव्यांगता, सामाजिक स्थिति, जाति,पेशा, माइग्रेशन, प्रजनन संबंधी विवरण।

मुख्य अवधिः फरवरी 2027.संशोधन दौरः 1-5 मार्च 2027.बर्फबारी वाले क्षेत्रः सितंबर 2026.संशोधन दौरः 1-5 अक्टूबर 2026

सरकार ने जनगणना 2027 को देश की पहली डिजिटल जनगणना बनाने का लक्ष्य रखा है. डेटा अब मोबाइल ऐप के ज़रिए संग्रहित होगा, जो एंड्रॉयड और iOS दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगा. रियल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए Census Management & Monitoring System (CMMS) नाम का समर्पित पोर्टल बनाया गया है. इससे महत्वपूर्ण चरणों पर लगातार निगरानी संभव होगी. इतना ही नहीं इस बार जनता के लिए self-enumeration का विकल्प भी जोड़ा गया है. यानी लोग चाहें तो अपने घर की जानकारी खुद ऑनलाइन भर सकेंगे।

नई जनगणना में एक बड़ा बदलाव यह है कि डेटा को 'Census-as-a-Service (CaaS)' मॉडल के तहत मंत्रालयों और सरकारी विभागों को मशीन-रीडेबल और प्रैक्टिकल फॉर्म में उपलब्ध कराया जाएगा. इससे नीति बनाने, योजनाओं को टारगेट करने और प्रशासनिक तैयारी में अभूतपूर्व मदद मिलेगी।

यह दुनिया का सबसे बड़ा सांख्यिकीय अभ्यास होगा इसमें करीब 30 लाख फील्ड फंक्शनरी शामिल होंगी. एन्यूमरेटर, सुपरवाइजर, मास्टर ट्रेनर्स, चार्ज ऑफिसर और जिला/राज्य स्तर के अधिकारी. ये सभी अपने नियमित कामों के साथ यह अतिरिक्त कार्य करेंगे और सरकार ने इनके लिए मानदेय का प्रावधान भी किया है।

जम्मू-कश्मीर के स्नो-बाउंड इलाके, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे क्षेत्रों में Population Enumeration (PE) चरण सितंबर 2026 में होगा. इसके बाद इन क्षेत्रों में संशोधन दौर (Revisional Round) 1-5 अक्टूबर 2026 के बीच चलाया जाएगा।

जनगणना 2027 में सरकार ने खासतौर पर वाइडर पब्लिसिटी कैंपेन का प्रावधान रखा है. देशभर में जागरूकता, विश्वसनीयता और अंतिम व्यक्ति तक सहभागिता बढ़ाने के लिए विशेष मीडिया कैंपेन चलाया जाएगा. 'इसमें सटीक, प्रामाणिक और समयानुकूल जानकारी पर जोर रहेगा।

जनगणना 2027 में पहली बार शामिल होगी जाति आधारित गणना-

कैबिनेट कमेटी ऑन पॉलिटिकल अफेयर्स ने 30 अप्रैल 2025 की बैठक में निर्णय लिया कि आगामी जनगणना में जाति गणना (Caste Enumeration) भी शामिल की जाएगी. यह डेटा दूसरे चरण यानी Population Enumeration (PE) के दौरान इलेक्ट्रॉनिक रूप में एकत्र किया जाएगा।

कोर्ट ने मनुस्मृति का ज़िक्र कर बहराइच हिंसा के मुख्य दोषी को दी फाँसी, 9 को उम्रकैद

ब्यूरो प्रयागराज। यूपी में बहराइच हिंसा में रामगोपाल मिश्रा की हत्या के मामले में सत्र न्यायालय ने मनुस्मृति का ज़िक्र करते हुए फ़ैसला दिया है! मुख्य आरोपी को फाँसी और बाक़ी नौ को उम्र कैद की सजा दी गई है। फ़ैसले में उस मनुस्मृति के श्लोक और राजधर्म का ज़िक्र किया गया है जिसको भारत का संविधान पूरी तरह खारिज करता है! फ़ैसले में लिखा गया है कि मृतक राम गोपाल मिश्रा को टॉर्चर किया गया, उसके नाखून उखाड़ लिये गये, उसके पैर जलाये गये। जबकि बहराइच पुलिस खुद रामगोपाल मिश्रा को टॉर्चर किये जाने को अफवाह बता चुकी है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी रामगोपाल मिश्रा की मौत की वजह गोली लगना ही बताया गया था। फ़ैसले में सत्र न्यायालय ने क्या क्या लिखा है, यह जानने से पहले यह जान लें कि आख़िर बहराइच हिंसा का पूरा मामला क्या था। 13 अक्टूबर 2024 को महाराजगंज में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस में डीजे बजाने के दौरान विवाद हुआ। रामगोपाल मिश्रा स्थानीय दुकानदार अब्दुल हमीद की छत पर चढ़कर वहां लगे हरे झंडे उतारने लगे। इसी दौरान ऊपर से गोली चली और रामगोपाल की मौक़े पर ही मौत हो गई। इसके बाद पूरे इलाके में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। दर्जनों घर-दुकानें जलाई गईं। प्रशासन ने सभी आरोपियों पर रासुका यानी एनएसए लगाया। स्थिति को काबू करने में करीब एक सप्ताह लगा। सत्य हिंदी डॉट कॉम के अनुसार रामगोपाल मिश्रा की हत्या के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश (प्रथम) पवन कुमार शर्मा की अदालत ने फैसला सुनाया। अदालत ने मुख्य आरोपी मोहम्मद सरफराज अहमद उर्फ रिंकू को मृत्युदंड तथा अन्य नौ दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सभी दोषियों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने अपने 142 पन्ने के विस्तृत फैसले में न केवल भारतीय न्याय संहिता की धाराओं का उल्लेख किया, बल्कि प्राचीन भारतीय ग्रंथ 'मनुस्मृति' और 'राजधर्म' की अवधारणा का भी जिक्र किया। न्यायाधीश ने लिखा कि राज्य का प्रथम कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों की रक्षा करे और जो व्यक्ति निहत्थे नागरिक पर गोली चलाए तथा पुलिस पर भी फायरिंग करे, उसे सबसे कठोर दंड मिलना चाहिए, क्योंकि यह राजधर्म के विरुद्ध है। न्यायाधीश ने फ़ैसले में मनुस्मृति के दोहे 'दंड शास्ति प्रजाः सर्वा दंड एवाभिरक्षति, दंड सप्तेषु जागर्ति, दंड धर्म विदुर्वधा' का जिक्र किया है। फ़ैसले में इसका अर्थ भी समझाया गया है। इसमें लिखा गया है, 'मनुस्मृति के अनुसार प्रजा द्वारा राजधर्म का पालन किया जाये। इस दृष्टि से दंड विधान का होना नितांत आवश्यक माना गया था। दंड के भय से समाज के व्यक्ति अपने धर्म और कर्म से विचलित होने से बचते हैं। दंड ही प्रजाजनों की जान-माल की रक्षा करता है। इसलिए, अपराधी को दंडित करना शासक का परम धर्म माना गया था।' फ़ैसले में आगे लिखा गया है, 'उपरोक्त श्लोक के अनुसार विधि द्वारा स्थापित सिद्धांतों को तोड़ने वाले को उचित दंड से दंडित किया जाना न्यायहित व समाज हित में उचित होता है। यह न्यायालय का दायित्व है कि दंड अधिरोपित करते समय, न्याय के लिए आम जनता और समाज की आवाज़ एवं पीड़ा को महसूस करते हुए समाज के नियमों को तोड़ने वालों को कठोर से कठोर दंड से दंडित किया जाना चाहिए, जिससे न्याय के उद्देश्य की पूर्ति हो सके।'संविधान में मनुस्मृति के खिलाफ प्रमुख प्रावधान-अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता की बात करता है। लेकिन मनुस्मृति में अलग-अलग जातियों के लिए अलग-अलग दंड थे। मिसाल के तौर पर ब्राह्मण को कम सजा, शूद्र को कठोर सजा। अनुच्छेद 14 ने इसे पूरी तरह खत्म कर दिया। अनुच्छेद 15 धर्म, जाति, लिंग, जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव निषेध करता है। लेकिन मनुस्मृति में शूद्रों और महिलाओं के साथ भारी भेदभाव था। अनुच्छेद 15 ने इसे असंवैधानिक बना दिया। अनुच्छेद 17 में अस्पृश्यता का अंत किया गया है। लेकिन मनुस्मृति में अस्पृश्यता को वैध ठहराया गया था। डॉ. आंबेडकर ने संविधान में इसे सबसे कठोर तरीके से ख़त्म किया। अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। लेकिन मनुस्मृति में शूद्रों और महिलाओं को शिक्षा, संपत्ति और स्वतंत्रता से वंचित रखा गया था। संविधान ने सभी को समान अधिकार दिए। अनुच्छेद 25-28 में धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार है। लेकिन मनुस्मृति में धर्म को जाति व्यवस्था से जोड़ा गया था। संविधान ने धर्म को व्यक्तिगत स्वतंत्रता बना दिया। संविधान सभा में डॉ. भीमराव आंबेडकर ने 1949 में अपने अंतिम भाषण में कहा था, 'हम संविधान में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं चाहते जो मनुस्मृति जैसी हो। हम जाति व्यवस्था, वर्ण व्यवस्था और अस्पृश्यता को जड़ से खत्म करना चाहते हैं।' उसी साल उन्होंने कहा, 'यदि हम संविधान को सफल बनाना चाहते हैं तो हमें उन गांवों की उस मानसिकता को खत्म करना होगा जो मनुस्मृति पर चलती है।' डॉ. आंबेडकर ने तो 25 दिसंबर 1927 को मनुस्मृति की प्रतियां सार्वजनिक रूप से जलवाई थीं और बाद में कहा था कि 'मनुस्मृति को जलाना मेरे जीवन का सबसे बड़ा कार्य था'। यानी भारतीय संविधान में मनुस्मृति को किसी भी रूप में मान्यता नहीं दी गई है।

संक्षिप्त ख़बरें

कोहरे की चादर में कैद प्रयागराज, सुबह होते ही थम गई रफ्तार

धूप हुई बेअसर, गलन ने बढ़ाई ठंड।

प्रयागराज। शनिवार की सुबह जैसे ही शहर जागा, हर ओर धुंधली परछाइयों का सन्नाटा पसरा था। इस सीजन का अब तक का सबसे घना कोहरा शहर पर इस तरह छाया कि सड़कें पहचान में नहीं आ रही थीं। चौराहों की रफ्तार थम गई, वाहन रेंगते नजर आए और आम दिनों की चहल-पहल मानो कहीं गुम हो गई। दृश्यता बेहद कम होने के कारण लोग जरूरी काम से ही घरों से बाहर निकले, बाकी शहर कोहरे की आगोश में सुस्त पड़ा रहा। बीते दो दिनों से मौसम मानो रोज़ नया रूप धर रहा है। शाम ढलते ही हल्की धुंध शहर की गलियों में उतर आती है, जो रात गहराने के साथ घने कोहरे में तब्दील हो जाती है। पूरी रात यह कोहरा अपनी पकड़ बनाए रखता है और सुबह तक शहर को जकड़े रहता है। सूरज उगने के बाद भी देर तक आसमान दूधिया परत में छिपा रहता है।कोहरे का असर सिर्फ सड़कों तक सीमित नहीं रहा। दिन में धूप की तीव्रता भी कमजोर पड़ गई है। सूरज निकलता तो है, लेकिन उसकी गर्माहट ठंड से लड़ने में नाकाम साबित हो रही है। तापमान में गिरावट के साथ ठिठुरन और गलन ने लोगों की दिनचर्या बदल दी है। सुबह और शाम ठंड का प्रकोप सबसे ज्यादा महसूस किया जा रहा है।लगातार बदलते मौसम ने लोगों को गर्म कपड़ों में लपेट दिया है। गली-मोहल्लों में अलाव जल उठे हैं, जिनके आसपास बैठकर लोग ठंड से राहत तलाशते नजर आ रहे हैं। प्रयागराज की यह सुबह सिर्फ कोहरे की नहीं, बल्कि उस ठंड की कहानी है, जिसने शहर की रफ्तार को थाम लिया और लोगों को सर्द एहसासों में समेट लिया।

हर दिन प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 100 वोटर की होगी सुनवाई, बंगाल में EC का महत्वपूर्ण कदम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोलकाता। बंगाल में चुनाव आयोग ने मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में प्रतिदिन कम से कम 100 मतदाताओं की सुनवाई की जाएगी। पहले यह लक्ष्य प्रतिदिन 50 मतदाताओं का था, जिसे अब बढ़ाया गया है। इस सुनवाई की जिम्मेदारी सह निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) संभालेंगे। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 10 एईआरओ, यानी राज्य के 294 विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 2940 एईआरओ नियुक्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 1000-1500 अतिरिक्त एईआरओ भी नियुक्त किए जा रहे हैं।

मुख्य रूप से दो श्रेणियों के वोटर होंगे सुनवाई के लिए तलब

पहला, नान-मैपिंग मतदाताः लगभग 30 लाख मतदाता ऐसे हैं जिनका नाम या उनके किसी रिश्तेदार का नाम 2002 की पिछली मतदाता सूची (जब राज्य में आखिरी बार एसआइआर हुआ था) में दर्ज नहीं है। ये 'नान-मैपिंग' सूची में शामिल हैं और इन सभी को अनिवार्य रूप से सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा। दूसरा, संदिग्ध डेटा वाले मतदाताः लगभग 1 करोड़ 67 लाख 45 हजार 911 मतदाताओं के डेटा को आयोग ने संदिग्ध पाया है। उदाहरण के लिए, कुछ मामलों में मतदाता और उनके माता-पिता या दादा-दादी और मतदाता की उम्र जो अंतर है वह संदिग्ध है। इन संदिग्ध मतदाताओं के घर पर बूथ लेवल आफिसर (बीएलओ) जाकर दोबारा सत्यापन करेंगे। बीएलओ यदि उनके डेटा से संतुष्ट नहीं होते हैं, तो उन मतदाताओं को भी सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा। आयोग 16 दिसंबर को मसौदा सूची प्रकाशित करेगा। मतदाता इसमें किसी भी त्रुटि या आपत्ति को दर्ज करा सकते हैं, जिसके आधार पर भी सुनवाई होगी। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

बीएलओ और चुनाव अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर आयोग सख्त

चुनाव आयोग ने बंगाल में एसआइआर के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और अन्य इस कार्य और चुनाव से जुड़े अन्य अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। आयोग ने बीएलओ के खिलाफ हिंसा की घटनाओं पर सख्त रुख अपनाया है। बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को शुक्रवार को भेजे गए एक पत्र में आयोग ने तुरंत और कड़े कदम उठाने का निर्देश दिया है। आयोग ने सभी जिला चुनाव अधिकारियों (डीईओ) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि बीएलओ या किसी भी चुनाव अधिकारी के खिलाफ हिंसा की प्रत्येक घटना के लिए तुरंत एफआइआर दर्ज कराई जाए। ऐसा करने में विफलता को अत्यंत गंभीरता से लिया जाएगा, और ऐसे अधिकारियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जाएगी। आयोग ने यह भी निर्देश दिया है कि इन अधिकारियों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। इससे पहले 28 नवंबर, 2025 को आयोग ने बंगाल के पुलिस महानिदेशक को भी लिखा था, जिसमें कहा गया था कि विभिन्न स्रोतों से बीएलओ और चुनाव कार्य में जुड़े अधिकारियों के जीवन की सुरक्षा के लिए स्पष्ट खतरे की सूचना मिली है। आयोग ने निर्देश दिया था कि पुलिस अधिकारियों द्वारा सभी संभावित उपाय किए जाएं ताकि इन क्षेत्र में जाकर चुनाव कार्य करने वाले अधिकारियों को डर, धमकी और अनुचित प्रभाव का कोई स्पष्ट माहौल न हो।

धान खरीद प्रक्रिया में भेदभाव किए जाने के आरोप

● धान खरीद की सुस्त रफ्तार को लेकर किसानों में नाराजगी का माहौल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद में धान खरीद प्रक्रिया सवालों के घेरे में है। सहकारिता विभाग के क्रय केंद्रों पर धान खरीद की गति बेहद धीमी, जबकि मार्केटिंग विभाग के केंद्रों पर धान खरीद तेजी से जारी है।सूत्रों के मुताबिक, अधिकतर लाटे मार्केटिंग केंद्रों को अलॉट किए जा रहे हैं, जिससे सहकारिता विभाग के 99 केंद्र धीमी रफ्तार से धान खरीद कर पा रहे हैं। चावल न उतरने के कारण सहकारिता केंद्रों पर खरीद ठप जैसी स्थिति बनी हुई है।डिप्टी आरएमओ की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठे हैं। आरोप है कि भेदभावपूर्ण तरीके से अपने पसंदीदा क्रय केंद्रों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। इतना ही नहीं, क्रय नीति के खिलाफ मार्केटिंग विभाग में एक प्रभारी को दो-दो केंद्रों की जिम्मेदारी दी गई है।सूत्रों का दावा है कि मिलर्स पर भी दबाव बनाया जा रहा है कि वे पहले मार्केटिंग केंद्रों का ही चावल उतारें, जबकि कई मिलर्स को अभी तक एफ आर के. उपलब्ध नहीं हो पाया है। जिले में धान खरीद की धीमी रफ्तार को लेकर किसानों में नाराज़गी बढ़ती जा रही है।

'चुनावी मैदान' निष्पक्ष होता तो हम हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार नहीं हारते, BJP ने हर हथकंडे अपनाए: गौरव गोगोई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने शुक्रवार को दावा किया कि यदि ''चुनावी मैदान'' निष्पक्ष होता तो उनकी पार्टी को हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के विधानसभा चुनावों में हार का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में यह आरोप भी लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण, मतदाता सूची में हेरफेर और निर्वाचन आयोग के जरिये चुनाव जीते गए। कांग्रेस नेता ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''2024 में मोदी जी ने 400 पार का सपना देखा। उस चुनावी रण में मोदी जी को काफी क्षति हुई। 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे देखेंगे तो पता चलेगा कि हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में बीजेपी की हार तय थी।'' उनका कहना था, ''अगर चुनाव निष्पक्ष होता और निर्वाचन आयोग निष्पक्ष होता तो हम हरियाणा, महाराष्ट्र जीतते। इसके बाद जो माहौल बनता उसमें बिहार भी जीतते। फिर केंद्र सरकार एक भी दिन नहीं टिकती।'' गोगोई ने दावा किया कि इसके बाद बीजेपी के मन में खौफ हुआ और हथकंडे अपनाए गए उनका कहना था, ''चुनावी मैदान निष्पक्ष होता तो हम महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार के चुनाव जीतते।'।

जाडों मे जंगलो की सुरक्षा के लिये बढाई गई फारेस्ट कर्मियो की गस्त

जाडों मे जंगलो से लकडी की चोरियो मे होता है इजाफा।

गोला गोकर्णनाथ खीरी। जाडो मे जंगलो के निकटवर्ती गावो मे जंगल की जलौनी लकडी को लोग काटकर तापने व खाना बनाने के लिये ठंडक व कोहरा का फायदा उठाकर लोग काटकर लाते है। जिसके चलते गोला वन क्षेत्राधिकारी संजीव कुमार तिवारी ने वनकर्मियो की चार पांच टीमे गठित कर रात्रिकालीन व शायंकालीन के समय गस्त को बढा दिया है। वही वन क्षेत्राधिकारी गोला संजीव कुमार तिवारी ने बताया की हर हाल मे जंगलो की रक्षा करना हम लोगो का धर्म है। इस दौरान कोई भी लापरवाही बर्दास्त नही की जायागी। गस्त के दौरान कोई भी ब्यक्ति संदिग्ध अवस्था मे जंगलो के आस पास भी मिलता है तो उस पर कडी कारवाई की जायागी।

जंगली जानवरों की बलि चढ़ रहे लखीमपुर खीरी जिले का किसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। अगर हम लखीमपुर खीरी जिले में किसानों के हालात देखें तो उनके लिए हिंसक पशुओं किसानी करने में अवरोध उत्पन्न कर रहे हैं। हाल ही में जिस तरह से लखीमपुर खीरी जिले पर जंगली जानवर आक्रामक हुए हैं उससे किसानो की फसल को तो नुकसान हुआ ही है साथ ही ये उनके पशुधन के लिए खतरा बन गया है। गोला विधान सभा के महेशपुर इलाके के लीलापुर गाँव के 45 वर्षीय ज्ञानू अपने खेत में गन्ने की छिलाई कर रहे थे उनके पास पटाखें और और जलती आग और एक तेज़ धार वाली कुदली नुमे हथियार को साथ लेकर गन्ना छिल रहे थे। हमने उनसे पूछा कि आप इस तरह से क्यों गन्ना छिल रहें हैं तो उन्होंने बताया कि अपनी और अपने पशु की सुरक्षा के लिए आजकल हर ग्रामीण रखता है क्योंकि पता नही कब कोई जंगली जानवर, तेंदुआ, जंगली सूअर या अन्य कोई जानवर हमला कर दे।एक अन्य 22 वर्षीय नौजवान प्रदीप भी पास में ही गन्ना छिल रहे थे वो सभी तेज आवाज और काफी शोर मचा कर गन्ना छिल रहे थे उन्होंने बताया कि पहले हमारे पूर्वजों ने बंदर और भालुओं के डर से खेती छोड़ी और अब लग रहा है हमें अपना खेत भी छोड़ना पड़ेगा उन्होंने कहा- पिछले चार-पांच सालों में जंगली जानवरों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है जबकि सरकार ने इनके नियंत्रण के लिए कुछ भी नहीं किया है। किरतापुर गांव की 50 वर्षीय रामकली ने बताया कि उन्होंने कुछ दिन पहले ही आठ किलो आलू बोया था,जिसे बंदरों ने पूरा खोद दिया। जब हम उनसे बात कर ही रहे थे उसी वक्त वहां बंदरों के एक झुंड आ गया जो उनकी फसल को खराब करने लगा। रामकली ने कहा बन्दरों ने हमारा जीना हराम कर दिया है अब वो खेतों से हमारे घरो तक आ गए हैं। हम अपने घर में भी कुछ खाने को रखते हैं वो उसे भी लेकर भाग जाते हैं।इसी तरह ग्राम इमलिया के किसानों ने भी बताया कि उनकी खेती ममरी कस्बे से जंगली सुगर,भालू, बंदर, हाथी उनकी पूरी-पूरी फसलें बर्बाद कर दे रहे हैं। किसानो ने कहा सरकार इनके रोक के लिए तो कुछ नहीं कर रही है बल्कि शहरों से बंदरों को पकड़-पकड़ के गांव के पास जंगलों में छोड़ जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

लोटन ब्लाक के ग्राम पंचायत पढ़हरा खुर्द में निर्माणाधीन अन्नपूर्णा भवन का छज्जा ढहा, कई मजदूर चोटिल

सिद्धार्थनगर। जिले के लोटन विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत पढ़हरा खुर्द में बन मनरेगा योजना अन्तर्गत लगभग 9.50 लाख रुपये की लागत से बन रहे अन्नपूर्णा भवन का आगे का हिस्सा निर्माण के दौरान अचानक ढह गया। इस घटना में छत पर काम कर रहे कई मजदूर मलबे के साथ नीचे आ गिरे, जिससे वह चोटिल हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माणाधीन भवन का आगे का हिस्सा कमजोर निमार्ण होने के कारण गिर गया। यह स्थिति निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी और गंभीर लापरवाही की ओर इशारा करती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि भवन निर्माण में भारी अनियमितताएं बरती जा रही थीं। उनका कहना है कि घटिया ईट, खराब सामग्री और कम सीमेंट का उपयोग किया जा रहा था। इसके अलावा, काम बिना किसी तकनीकी व्यक्ति के देखरेख में हो रहा था और मजदूरों के पास सुरक्षा के समान भी नहीं थे ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मामले की तकनीकी जांच, सामग्री परीक्षण और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि 9.50 लाख रुपये की लागत का भवन निर्माण के दौरान ही गिर जाए, तो उसकी मजबूती पर कैसे भरोसा किया जा सकता है। यह घटना सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। इस संबन्ध में खण्ड विकास अधिकारी सर्वेश मोहन का कहना है कि मामला संज्ञान में है संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बिस्कोहर-इटवा मार्ग पर बाइक-ई-रिक्शा की टक्कर, युवक घायल

सिद्धार्थनगर। जिले के त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के बिस्कोहर-इटवा मार्ग पर देवीपुर गांव के मोड़ के पास शनिवार दोपहर करीब चार बजे बाइक और ई-रिक्शा की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से घायल को इटवा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है।जानकारी के अनुसार इटवा थाना क्षेत्र के ग्राम परसा निवासी तबरेज खान (27) पुत्र मोहम्मद जमील बाइक से इटवा की ओर से बिस्कोहर किसी काम से जा रहा था। अभी वह देवीपुर गांव के मोड़ के पास पहुंचा, उसी समय गांव की ओर घूम रहे ई-रिक्शा से उसकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक चालक ने हेलमेट नहीं पहन रखा था, जिससे उसके सिर में गहरी चोट आई है। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जिन्दा देशी बम के साथ अन्तर्जनपदीय अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर द्वारा अपराधिक क्रिया कलाप में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कन्धई प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र सिंह भदौरिया के नेतृत्व में उप निरीक्षक भुपेश नाथ सिंह मय हमराह उ0नि0 विनीत कुमार प्रजापति, उ0नि0 अमित सिंह, मु0आ0 बद्री नरायण सिंह, का0 पिन्टू चौहिन, का0 राजेश यादव, का0 अमित प्रताप सिंह द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना कन्धई क्षेत्रान्तर्गत तेरहमील मोड़ के पास से एक अन्तर्जनपदीय अभियुक्त उस्मान पुत्र जहीर उर्फ जहीरुद्दीन निवासी ग्राम पूरेदेवजानी थाना कंधई जनपद प्रतापगढ उम्र 42 वर्ष को 06 जिन्दा देशी बम नाजायज के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के पास से 06 जिन्दा नाजायज देशी बम की बरामदगी के संबंध में थाना कन्धई में धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया है।अभियुक्त पर जनपद प्रतापगढ़ व सुल्तानपुर में हत्या, हत्या का प्रयास,लूट, गैंगस्टर, गुंडा, विस्फोटक अधिनियम , आर्म्स एक्ट व गोवध निवारण अधिनियम जैसे कल 21 अभियोग पंजीकृत हैं।

पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

प्रतापगढ़ । थाना कोतवाली देहात के उप निरीक्षक वरूण कुमार सिंह मय हमराह द्वारा तलाश वारण्टी अभियुक्त के दौरान न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रतापगढ़ द्वारा जारी गिरफ्तारी वारण्ट के तामिला के क्रम में एक वारण्टी सूर्यमणि मिश्रा उर्फ संजू पुत्र रमाकान्त मिश्रा उम्र 48 वर्ष निवासी श्रीनाथपुर थाना कोतवाली देहात प्रतापगढ़ को राजगढ़ रोड़ के पास के पास से गिरफ्तार किया गया।

विद्युत विभाग के संविदा कर्मचारियों की सेवा बहाल करने की मांग,सौंपा ज्ञापन

●नगर संविदा कर्मी बहस नहीं हुई तो बहुत बड़ा आंदोलन होगा इस इसके जिम्मेदार विद्युत विभाग और जिला प्रशासन की होगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले में आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने विद्युत विभाग के संविदा कर्मचारियों की सेवा बहाल किये जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।4 सूत्रीय मांग पत्र में कहा गया है कि विद्युत विभाग के संविदा कर्मचारियों की सेवा बहाल करने के साथ ही उनका उत्पीड़न बंद किया जाय। ज्ञापन देने के बाद आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि बिजली विभाग में संविदा कर्मचारियों के साथ मनमानी हो रही है। उनका नियम विरूद्ध ढंग से काम से निकाला जा रहा है और विभाग अधिकारी इस पर चुप्पी साधे हुये हैं। सरकार इस समस्या का हल निकाले। कर्मचारियों का उद्घाटन बंद हो हर समय से भुगतान हो संविदा कर्मचारी की ड्यूटी पुराने तरीके से बहाल किया जाए अन्यथा बहुत बड़ा आंदोलन होगा संविदा कर्मचारी भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं ऐसे में उनके परिवार और उनकी स्थिति दयनीय हो चुकी है कर्मचारी की सेवा बहाल करते हुए उनका भुगतान दिलाया जाए अन्यथा हम लोग आंदोलन के लिए बात होंगे।आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष बौद्ध प्रान्त कुलदीप जायसवाल, सचिव पतिराम आजाद, जिला उपाध्यक्ष राम सजन सूर्यवंशी ने कहा कि विद्युत विभाग के संविदा कर्मचारी खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। उनका परिवार परेशान है। कहा कि संविदा कर्मियों को लेकर सरकार उनके सुरक्षा का भी पूरा प्रबन्ध करे । ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से विजय कुमार, शेषपाल चौधरी, प्रेमचन्द्र चौधरी, वीरेन्द्र कुमार यादव, उमेश शर्मा के साथ ही विद्युत विभाग से निकाले गये संविदा कर्मी राम सकल मौर्य, नकुल चौधरी, शत्रुघ्न चौधरी, अशोक कुमार, रमेश चन्द्र चौधरी, दिनेश कुमार, शिवनन्द पाठक, प्रमोद, मुकेश कुमार, छोटेलाल, जगदम्बा प्रसाद, महेश, हरिवचन आदि शामिल रहे।

बहादुरपुर विकासखंड में भ्रष्टाचार का अनोखा तरीका गर्मी महीने का फोटो ठंडक लगाकर महीने में चल रहे मनरेगा कार्य

●ग्राम पंचायत पकड़ी छब्बर में जमकर चल रहा मनरेगा फर्जीवाडमहिला मेट रंगीता देवी , ग्राम प्रधान राम फेर , सचिव व टी ए की मिलीभगत से चल रहा मनरेगा फर्जीवाडा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केविकासखंड बहादुरपुर के अंतर्गत भ्रष्टाचार मामले में बहुचर्चित ग्राम पंचायत पकड़ी छब्बर में महिला मेट रंगीता देवी के द्वारा किया जा रहा मनरेगा फर्जीवाड़ा का मामला प्रकाश में आया है जिसमें महिला मेट रंगीता देवी ग्राम प्रधान राम फेर ,सचिव व तकनीकी सहायक (जे ई) के सह पर गर्मी महीने में मनरेगा कार्य में प्रयोग किया गया फोटो ठंडक महीने में चल रहे मनरेगा कार्यों में आनलाइन मनरेगा साइट पर धड़ल्ले से अपलोड कर रही है जिसको लेकर मनरेगा क्क व क्च्छ बहादुरपुर पर बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है । आपको बता दे कि ग्राम पंचायत पकड़ी छब्बर में पूर्व प्रधान विकास कार्यों में किये गये भ्रष्टाचार मामले में जेल जा चुके हैं और पूर्व सचिव व तकनीकी सहायक (जे ई) पर भी कार्रवाई हो चुकी है लेकिन वर्तमान प्रधान पूर्व प्रधान के रास्ते पर धीरे-धीरे चल रहे हैं अर्थात् ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के नाम भ्रष्टाचार करने में जुटे हुए हैं और पूर्व प्रधान की तरह जेल जाने की तैयारी बना रहे हैं । ग्राम पंचायत पकड़ी छब्बर में दो मनरेगा कार्यों के नाम पर ऑनलाइन मस्टर रोल जारी कर गलत तरीके से ऑनलाइन मस्टर रोल पर फर्जी फोटो अपलोड करके सरकारी धन को लूटने की तैयारी में जुटे हैं जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा मामले का संज्ञान लेकर चल मनरेगा कार्यों की निष्पक्ष जांच कर ले तो ग्राम प्रधान राम फेर के द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार पर लगाम लग सकता है । आरसीसी सेंटर पर मिट्टी पटाई कार्य के नाम पर पर मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाने का कार्य जारी रही है जब मीडिया पड़ताल में पता चला कि आरसीसी सेंटर पर फर्श लग चुका है और फर्श के ऊपर कूड़ा रखने के लिए अलग-अलग खाने भी बन चुके हैं । ग्रामीणों ने मीडिया टीम को बताया कि वर्तमान समय में ग्राम पंचायत पकड़ी छब्बर में कोई मनरेगा कार्य नहीं चल रहा है यदि मनरेगा मजदूरों के नाम पर कार्य चल रहा है तो वह पूर्ण रूप से फर्जी है । उक्त प्रकरण में फोन के माध्यम से ग्राम प्रधान राम फेर से जानकारी ली गई तो ग्राम प्रधान ने कहा हम जहां मनरेगा कार्य करवा रहे हैं उसको न तो जान सकता है और न ही कोई उस कार्य तक पहुंच सकता है । इस संबंध में खंड विकास अधिकारी बहादुरपुर घीषम प्रसाद ने कहा कि मामला संज्ञान में नहीं है जांच करवा कर फर्जी मस्टर रोल जीरो किया जाएगा ।

बस्ती जनपद में सफाई कर्मियों की मनमानी और नेतागिरी चरम पर ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई नहीं हो रही है गंदगी से पटा है ग्राम पंचायत

●रूधौली के पंचायत सुरवार खुर्द में सफाई व्यवस्था हाशिये पर, गांव मे फैला गंदगी का अंबार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले मैं सफाई व्यवस्था ध्वस्त सफाई कर्मचारी की मनमानी और नेतागिरी से ग्रामीण क्षेत्रों में गंदगी का आलम बरकरार है जिम्मेदार अधिकारी शिकायतों को अनदेखा करके सफाई कर्मियों से रिश्वत लेते हैं जिसके कारण सफाई कर्मी ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई नहीं करते हैं बल्कि अपने निजी कार्य नेतागिरी फिर ब्लाकों पर अधिकारियों एवंबाबू के चमचागिरी करते कुछ सफाई कर्मी कार्यालय में कार्य करते हैं जिससे ग्रामीण क्षेत्र में सफाई कर्मियों की नियुक्ति तो होती है लेकिन वह ब्लाकों पर ही रहते हैं और वही जी हजूरी मिल लगे रहते हैं बस्ती जनपद के सभी विकास करो में बस्ती सदर साहूघाट बनकटी कूद रहा बहादुरपुर दूधिया कप्तानगंज हरैया या रुदौली विक्रमजोत परशुरामपुर में ज्यादा सफाई कर्मी ब्लाकों पर ही ड्यूटी कर रहे हैं जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में नियुक्त सफाई कर्मियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में सफाई नहीं करते और शिकायत करने पर अधिकारियों द्वारा शिकायत पत्र कूड़ेदान में डाल दिया जाता है ताजा मामलारुधौली विकासखंड के ग्राम पंचायत सुरवार खुर्द में राजस्व गांव बन्नी की सफाई व्यवस्था दम तोड़ चुकी है। गांव में हर तरफ कूड़ा जमा है, नालियों में जमी सिल्ट और सड़ांध के चलते सांस लेना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों की मानें ता पिछले कई महीनों से गांव में नियमित सफाई नहीं हो रही है, जिससे संक्रामक बीमारियों का डर सता रहा है।आरोप है कि सफाई कर्मी संतोष कुमार प्रधान महीनों से ड्यूटी पर नहीं आते। उन्हे प्रधान का संरक्षण प्राप्त है इसलिये तनख्वाह बराबर मिल रही है। गांव में रोज़मर्रा की सफाई की जगह महीने में सिर्फ एक-दो बार हो रही है वह भी दिहाड़ी मजदूरों से कराई जाती है जो महज औपचारिकता बनकर रह गयी है। केवल दो किलोमीटर की दूरी पर निवास करने के बावजूद सफाई कर्मी का गांव में न आना प्रशासनिक संवेदनहीनता को उजागर करता है। इस आशय की खबरें कई बार प्रकाशित हुई, जनप्रतिनिधियों तक शिकायतें पहुंचीं, लेकिन न ग्राम प्रधान ने सुध लिया और न प्रशासन ने कार्यवाही की। ग्राम प्रधान पर यह भी आरोप है कि वह सफाई कर्मी को जवाबदेह बनाने के बजाय उसे संरक्षण देते हैं, जिससे गांव की सफाई व्यवस्था फाइलों में तो सक्रिय दिखती है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। इस पूरे मामले पर जब सहायक विकास अधिकारी रमेश चंद्र यादव से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि 'मामले की जांच कराई जा रही है, दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। '

विश्व हिन्दू महासंघ ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, हैदराबादी बिरियानी, मुरादाबादी बिरियानी के नाम पर चल रहे अवैध प्रतिष्ठानों पर कार्यवाही की मांग

●हैदराबादी चिकन चंपारण चिकन चंपारण तो चिकन मुरादाबादी चिकन को तत्काल प्रभाव से बंद कराया जाए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओ ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि बिना लाइसेंस के विभिन्न स्थानों पर हैदराबादी बिरियानी, मुरादाबादी बिरियानी के नाम पर स्थानीय मुसलमानों के नाजायज सहयोग से बाहरी मुसलमानों द्वारा दुकाने संचालित की जा रही है इस पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाय। जिले में गौ सुरक्षा खतरे में है नेशनल हाईवे की किनारे अवैध रूप से चल रहे डाबो को तत्काल बंद कराया जाए जिससे गौ माता की रक्षा हो बस्ती जिले में कर्मचारियों की मेल भगत से बाहरी रोगिया मुसलमानों का बसींदा नेशनल हाईवे के किनारे बोर्ड लगाकर प्रतिबंधित जानवरों की बिक्री होती है जिसमें पुलिस प्रशासन रोक लगाने में ना काम साबित है तत्काल नेशनल हाईवे के किनारे मांसाहारी होटल को तत्काल बंद किया जाए रोहिगियो की जांच करके जिले से बाहर किया जाएज्ञापन देने के बाद महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि जनपद में विभिन्न स्थानों पर हैदराबादी बिरियानी, मुरादाबादी बिरियानी के नाम पर दुकाने संचालित की जा रही है तथा खुले में व आबादी के समीप जानवरों को काटा जाता है । यही नहीं अपमिश्रित फल का जूस व अन्य खाद्य पदार्थ बेचा जाता है, जिससे सार्वजनिक स्थल पर गन्दगी फैलती है और जन जीवन प्रभावित हो रहा है। इसका विरोध करने पर गत 9 दिसम्बर को संत पैड़ा वाले बाबा व हिन्दू संगठन के पदाधिकारियों के साथ छिनैती व जानलेवा हमला किया गया, जिससे कुछ लोग गम्भीर रूप से घायल होकर जिला अस्पताल में भर्ती हुए अभी भी दवा-इलाज चल रहा है। यह स्थितियां चिन्ताजनक हैं। जगह-जगह पर अवैध रूप से अपमिश्रित फल के जूस, बिरियानी व मांस की दुकानों के संचालन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के सुशासन की मंशा विफल हो रही है तथा हिन्दुओं की धार्मिक भावना आहत हो रही है, जिससे आम जन मानस में काफी आक्रोश व्याप्त है। मांग किया कि ऐसे अवैध दूकानों को तत्काल प्रभाव से बंद कराया जाय। विश्व हिन्दू महासंघ के कुलदीप मिश्रा, सौरभ त्रिपाठी, राकेश सिंह, बालकृष्ण सिंह, नागेन्द्र सिंह, विवेक श्रीवास्तव, अर्पण श्रीवास्तव, अंकित सिंह, जे.बी. सिंह, रंजीत यादव, योगेंद्र कुमार, रमेश शर्मा, चंद्रभान शर्मा, भगेलु कन्नौजिया, आरती यादव, अजय यादव, अमरदीप पाण्डेय, दीपक चौधरी, जय सिंह, उपेंद्र सिंह अमरेश सिंह के साथ ही अनेक पदाधिकारी, सदस्य ज्ञापन देने के दौरान शामिल रहे।

निजी जमीन पर कब्जे की शिकायत,लेखपाल पर झूठी रिपोर्ट लगाने का आरोप

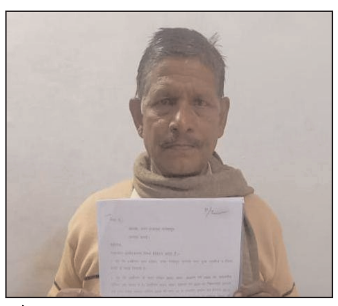

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के बड़ेवन गांव निवासी राधेश्याम आदि ने मुख्यमंत्री के जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुये ग्राम प्रधान पर उनके हिस्से की जमीन पर अवैध निर्माण कराकर कब्जा किये जाने का आरोप लगाया है। जमीन की पैमाइश धारा 24 के तहत लम्बित है। इससे पहले शिकायतकर्ता ने थाना दिवस, तहसील दिवस, नगर पंचायत अध्यक्ष, उप जिलाधिकारी, प्रमुख सचिव राजस्व आदि को रजिस्टर्ड शिकायती पत्र भेजकर मामले मे त्वरित कार्यवाही की मांग की थी। लेकिन किसी भी स्तर से कोई कार्यवाही नही हुई और न ही अवैध कब्जा रोका गया। सभासद शिवनरायन चौधरी द्वारा गाटा संख्या 3043, पर शौचालय व आंगनवाड़ी केन्द्र बनवा दिया गया। शिकायतकर्ता ने लेखपाल पर उपजिलाधिकारी द्वारा मांगी गई रिपोर्ट में लेखपाल ने झूठी आख्या लगा दिया। शिकायतकर्ता ने कहा सभासद से लेकर पुलिस तक की मिलीभगत से जमीन हड़पी जा रही है। आदेश के बादवजूद एसएचओ ने अवैध निर्माण रोकने की कोशिश नही की। राधेश्याम ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर मामले के निस्तारण की मांग किया है। लेकिन देखना यह है कि जिलाधिकारी महोदय मामले को संज्ञान में लेते हुए निर्माण को रोका जाए तथा उसे फरमाइश कर कर कार्रवाई की जाए जिससे पीड़ित राधेश्याम को न्याय दिलाया जाए। जिला अधिकारी महोदय के शासन पर राधेश्याम ने प्रार्थना पत्र पर लेखपाल द्वारा झूठी रिपोर्ट लगाने का आरोप भी लगाया मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई जनपद में दबंगों द्वारा गरीबों की जमीन अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है शिकायत करने के बावजूद भी नहीं करवाई होती है तहसील प्रशासन और पुलिस प्रशासन इस तरह मामले कोरफा दफा कार्यवाही नहीं करते।

गौरा विधायक ने शिविर के दौरान दिव्यांग बच्चो को वितरित किया उपकरण।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनकापुर गोण्डा :यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का संकल्प है कि कोई भी बच्चा अपनी शारीरिक अक्षमता के कारण शिक्षा, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने के अवसर से वंचित न रहे। जिन सहायक उपकरणों का वितरण किया जा रहा है, वे बच्चों के जीवन में नई ऊर्जा, नई दिशा और नया आत्मबल प्रदान करेंगे।इसी क्रम में शनिवार को विधायक गौरा विधायक प्रभात कुमार वर्मा अपने विधानसभा क्षेत्र गौरा के ब्लॉक संसाधन केंद्र बभनजोत में समग्र शिक्षा अभियान में समेकित शिक्षा योजनांतर्गत एलिम्को पंजीकरण कैंप में चिन्हित दिव्यांग बच्चो के लिए उपहार एवं उपकरण वितरण शिविर में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर विकास खंड छपिया एवं बभनजोत के दिव्यांग बच्चो को कैलीपर, श्रवण यंत्र, टी0एल0एम0 किट, बेल किट, सुगमय केन, बैसाखी, व्हील चेयर, ट्राई साइकिल, रोलेटर, व सी 0पी0 चेयर को आवश्यकता अनुरूप सहायक उपकरण वितरण किया ।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हूए विधायक जी ने कहा कि दिव्यांगता किसी की कमजोरी नहीं होती, बल्कि यह समाज की जिम्मेदारी होती है कि वह ऐसे बच्चों को सहारा दे, उन्हें आगे बढ़ने के अवसर दे। इतिहास गवाह है कि अनेक दिव्यांग व्यक्तियों ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से दुनिया में मिसाल कायम की है।आगे उन्होंने कहा किमैं अभिभावकों से भी कहना चाहूँगा कि आप अपने बच्चों का मनोबल सदैव ऊँचा रखें। सरकार आपके साथ है, शिक्षक आपके साथ हैं और समाज भी आपके साथ खड़ा है। आइए, हम सब मिलकर एक समावेशी, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प लें।इस अवसर पर राजेश सिंह , खंड शिक्षा अधिकारी बभनजोत शशांक कुमार सिंह, विष्णु सिंह , विमलेश सिंह , राम विलास वर्मा , राजेश कुमार, खालिद , तिलक राम डब्लू पांडेय , विक्रम प्रसाद वर्मा सहित अभिभावक एवं बच्चे मौजूद रहे।

तहसीलदार राहुल सिंह एवं थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ थाना दिवस

●फरियादियों की समस्याओं का हुआ गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से निस्तारण

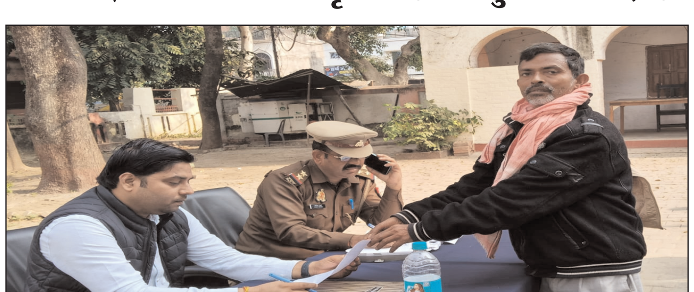

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार अमेठी।तहसीलदार राहुल सिंह एवं थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा के कुशल नेतृत्व में थाना परिसर में थाना दिवस/समाधान दिवस का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्य क्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन, विशेषकर गरीब एवं वंचित वर्ग की समस्याओं को सुनकर उनका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी निस्तारण करना रहा।समाधान दिवस के दौरान कुल 5 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से एक शिकायत का मौके पर ही निष्पक्ष एवं संतोषजनक निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के प्रभावी निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम का गठन किया गया, जिसे शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।तहसीलदार राहुल सिंह ने कहा कि समाधान दिवस सरकार की जनकल्याणकारी सोच का प्रतीक है, जिसके माध्यम से आमजन को बिना भटकाव के न्याय मिल रहा है। वहीं थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा ने भरोसा दिलाया कि कानून-व्यवस्था एवं जनसुरक्षा से जुड़े मामलों में पुलिस पूरी संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई करेगी। स्थानीय नागरिकों ने समाधान दिवस की सराहना करते हुए कहा कि यह मंच गरीबों और जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित हो रहा है, जहां उनकी समस्याएं सीधे प्रशासन तक पहुंचती हैं और उन्हें न्याय की अनुभूति होती है।समाधान दिवस के माध्यम से प्रशासन और पुलिस की यह संयुक्त पहल न केवल समस्याओं के समाधान का सशक्त माध्यम बन रही है, बल्कि जनमानस में विश्वास, पारदर्शिता और सुशासन की भावना को भी मजबूत कर रही है। वहीं थाना दिवस पर थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा द्वारा फरियादियों के उठने बैठने और जलपान का भी उत्तम प्रबंध कराया गया था, थाना दिवस समाधान दिवस पर आए हुए फरियादियों ने बताया कि थाना स्तर पर सक्षम अधिकारियों द्वारा समस्याओं के समाधान किए जाने से जिला मुख्यालय और तहसील मुख्यालय के चक्कर लगाने से निजात मिलती है जिसे जहां धन की बचत होती है वही समय की भी बचत होती है।

खजनी संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की कम मौजूदगी, तीन में दो मामलों का त्वरित निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। तहसील खजनी के अंतर्गत शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की संख्या अपेक्षाकृत काफी कम रही। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण का प्रयास किया गया। समाधान दिवस के दौरान कुल तीन आवेदन पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से दो मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि एक मामला भूमि विवाद से संबंधित होने के कारण संबंधित राजस्व निरीक्षक को सौंपते हुए मौके पर जाकर निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में थाना प्रभारी जयंत सिंह एवं राजस्व निरीक्षक की उपस्थिति रही। प्रशासनिक अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की। हालांकि, समाधान दिवस में किसी भी लेखपाल की उपस्थिति नहीं रही, जिसे लेकर चर्चा होती रही। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भूमि से जुड़े मामलों में राजस्व कर्मियों की सक्रिय मौजूदगी आवश्यक है ताकि शिकायतों का समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण किया जा सके। समाधान दिवस के दौरान अधिकारियों ने फरियादियों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। भूमि विवाद से जुड़े प्रकरण में राजस्व निरीक्षक को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे मौके पर पहुंचकर जांच करें और नियमानुसार कार्रवाई करते हुए शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करें। गौरतलब है कि संपूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं को एक ही मंच पर सुनकर उनका त्वरित समाधान करना है, जिससे लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। खजनी समाधान दिवस में भले ही फरियादियों की संख्या कम रही, लेकिन प्राप्त शिकायतों के निस्तारण से यह संदेश गया कि प्रशासन जनसमस्याओं को लेकर गंभीर है। प्रशासन ने लोगों से अपील की कि वे समाधान दिवस का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी शिकायतें निर्धारित मंच पर दर्ज कराएं, ताकि उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सके।

संक्षिप्त खबरें

अजरबैजान भेजने के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा, एक करोड़ से ज्यादा की ठगी, 100 से अधिक युवा लुटे

लालगंज (रायबरेली)। विदेश में नौकरी का सपना दिखाकर युवाओं को लूटने वाला एक बड़ा ठग गिरोह सामने आया है। कोतवाली क्षेत्र के डलमऊ रोड पर संचालित फर्जी कंपनी ने अजरबैजान में नौकरी दिलाने के नाम पर एक सौ से अधिक युवाओं से एक करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम ऐंठ ली।आरोप है कि कंपनी संचालकों ने इलेक्ट्रिशियन, शटरिंग और फूड पैकेजिंग जैसी नौकरियों का झांसा देकर युवाओं को अपने जाल में फंसाया। किसी से 90 हजार तो किसी से डेढ़ लाख रुपये तक वसूले गए। भरोसा जीतने के लिए आरोपियों ने पासपोर्ट, वीजा और हवाई टिकट तक थमा दिए, जो पूरी तरह फर्जी निकले।ठगों ने करीब 40 युवकों को दिल्ली एयरपोर्ट तक भेज दिया। एयरपोर्ट पर दस्तावेजों की जांच हुई तो हड़कंप मच गया। सभी कागजात जाली पाए गए और युवाओं को विदेश जाने से रोक दिया गया। तब जाकर युवकों को अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ।पीड़ितों का आरोप है कि ठगी का मुख्य आरोपी गोरखपुर का रहने वाला है, जबकि गिरोह के अन्य सदस्य रायबरेली और फतेहपुर के बताए जा रहे हैं। यह गिरोह लंबे समय से बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाकर ठगी कर रहा था।सबसे गंभीर बात यह है कि पीड़ित युवकों ने पहले ही कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कार्रवाई न होने से ठगों के हौसले बुलंद रहे। मजबूर होकर पीड़ितों को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगानी पड़ी।अब सवाल यह है कि इतनी बड़ी ठगी कैसे होती रही और पुलिस को भनक तक क्यों नहीं लगी? पीड़ितों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और ठगी की रकम वापस दिलाने की मांग की।

जल निगम द्वारा पानी आपूर्ति के लिए डाली गई मुख्य पाइप लाइन पांच जगहों से टूटी

महराजगंज रायबरेली- सलेथू रजबहा नहर पर नरई बाजार के पास लोकनिर्माण विभाग द्वारा बनाया जा रहा पुल निर्माणाधीन है। पुल बनाने के लिए जेसीबी मशीन द्वारा की गई खुदाई में जल निगम द्वारा पानी आपूर्ति के लिए डाली गई मुख्य पाइप लाइन पांच जगहों से टूट गई है। जिससे नरई, डीहा, महापतगंज, ईशागंज, पूरे तिवारी समेत लगभग आधा दर्जन गांवों के लोगों की जलापूर्ति बाधित है। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। नरई गांव निवासी बिन्नू सिंह, रामू सिंह, बबलू पासवान, आदि का कहना है कि पुल निर्माण के लिए की गई खुदाई में पाइप लाइन पांच जगहों से टूट गई है जिससे कई दिनों से लोगों को जलापूर्ति बाधित है।

स्पा सेंटर पर एयरटेल कर्मी पर बेसबॉल बैट से जानलेवा हमला, तीन पर केस दर्ज

रायबरेली। शहर के बरगद चौराहा के पास स्थित एक स्पा सेंटर में शुक्रवार देर शाम उस समय सनसनी फैल गई जब एयरटेल कंपनी के सेल एक्सीक्यूटिव को वाई-फाई शिकायत के बहाने बुलाकर बेरहमी से पीट दिया गया। आरोप है कि स्पा संचालक और उसके साथियों ने बेसबॉल बैट से हमला किया।पीड़ित सत्यम तिवारी सरेनी थाना क्षेत्र के छमनीखेड़ा के निवासी हैं और एयरटेल कंपनी में सेल एक्सीक्यूटिव के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि स्पा संचालक शैलेंद्र ने वाई-फाई खराब होने की शिकायत कर उन्हें बुलाया था। शाम करीब सवा आठ बजे जैसे ही वह स्पा सेंटर पहुंचे, संचालक ने गाली-गलौज शुरू कर दी और वाई-फाई खराब होने का आरोप लगाते हुए बेसबॉल बैट से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।पीड़ित के सिर पर हेलमेट होने के कारण जान बच गई, लेकिन वह गंभीर रूप से घायल होकर नीचे गिर पड़े। शोर सुनकर पास की लाइब्रेरी में पढ़ रहे युवकों ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव किया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल कर्मचारी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है।शहर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक शिव शंकर सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर स्पा संचालक सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ऐहार में अव्यवस्था, घंटों बंद रहता है अस्पताल का गेट

● गेट बंद, मरीज परेशानः ऐहार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल व्यवस्था

चार लोगों के स्टाफ में दो ही रहते मौजूद, अन्य छुट्टी पर या इमरजेंसी में...

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ऐहार में व्याप्त अव्यवस्थाओं के चलते मरीजों को रोजाना गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि अस्पताल का गेट निर्धारित समय पर नहीं खोला जाता, जिससे इलाज के लिए आने वाले मरीजों को घंटों बाहर इंतजार करना पड़ता है।मरीजों और उनके तीमारदारों का कहना है कि कई बार गंभीर हालत में पहुंचे मरीजों को भी गेट बंद मिलने के कारण तत्काल उपचार नहीं मिल पाता, जिससे उनकी स्थिति और बिगड़ जाती है। केंद्र में चार कर्मचारियों की तैनाती होने के बावजूद केवल आयुष चिकित्सक और एक वार्डबॉय ही ड्यूटी पर मौजूद मिले। ग्रामीणों का कहना है कि इनके भी समय पर न आने-जाने से अस्पताल की सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि अस्पताल को निर्धारित समय पर खोला जाए तथा लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि मरीजों को समय पर उपचार मिल सके।मामले को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी रायबरेली से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन न उठने के कारण उनसे बात नहीं हो सकी।

जेडक्स पैरेंट्रल प्राइवेट लिमिटेड ने नए आईवी फ्लूड उत्पादों का किया भव्य शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

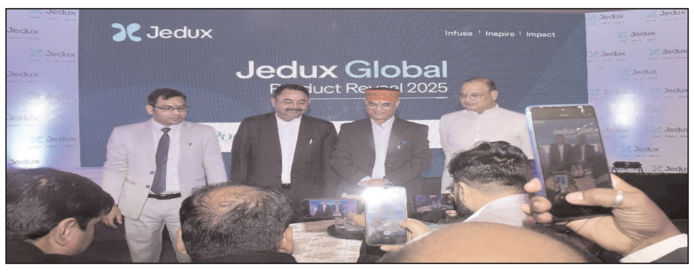

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बाराबंकी जनपद के छतेना गढ़ी क्षेत्र में स्थित जेडक्स पैरेंट्रल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा अपने नए उत्पाद ट्रूपोर्ट और सिंगल पोर्ट आईवी फ्लूड बोतल का भव्य शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम लखनऊ के गोमती नगर स्थित ग्रैंड छुक्क्क होटल में आयोजित हुआ। इस अवसर पर कंपनी के निदेशकगण जितेंद्र पाल सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, भानु प्रताप सिंह एवं पूर्णिमा सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कंपनी के मजबूत स्तंभ सीए धर्मेंद्र कुमार सिंह द्वारा नए उत्पादों का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस आयोजन में भारत के विभिन्न राज्यों एवं विश्व के विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने भाग लिया, जिससे कार्यक्रम को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। इसके साथ ही कंपनी की 33 सदस्यीय मार्केटिंग टीम भी कार्यक्रम में उपस्थित रही, जिसका नेतृत्व अनिल कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। गौरतलब है कि जेडक्स पैरेंट्रल प्राइवेट लिमिटेड भारत में सबसे अधिक आईवी फ्लूड बोतलों का निर्माण करने वाली पहली कंपनी बन गई है, जो स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। कंपनी प्रबंधन ने बताया कि नए उत्पाद उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हैं और मरीजों की सुरक्षा व सुविधा को ध्यान में रखते हुए विकसित किए गए हैं।

डीएम ने किया सीएचसी रेउसा का औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुरः जिलाधिकारी (डीएम) डॉ. राजागणपति आर. ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) रेउसा का औचक निरीक्षण कर वहाँ की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी, लेबर रूम, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) रजिस्टर, कोल्ड चेन कक्ष, टीकाकरण काउंटर, नवजात शिशु स्थिरीकरण इकाई (एनबीएसयू) वार्ड, कंगारू मदर केयर (केएमसी) वार्ड सहित विभिन्न कक्षों और अभिलेखों का गहन निरीक्षण किया।

साफ़-सफ़ाई और बेडशीट पर कड़ी फटकार

निरीक्षण के दौरान डीएम ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई न होने और बेडशीट गंदी पाए जाने पर कड़ी नाराज़गी व्यक्त की। उन्होंने यह भी पाया कि बेडशीट कलर कोडिंग के अनुसार नहीं बिछी हुई थीं। उन्होंने प्रभारी चिकित्साधिकारी (एमओआईसी) से चिकित्सक, फार्मासिस्ट, नर्स और सफाई कर्मचारियों की जानकारी ली।

एचआरपी रजिस्टर और ड्यूटी रजिस्टर में गंभीर कमियां

डीएम ने प्रभारी चिकित्साधिकारी पर हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) रजिस्टर में गंभीर कमी पाए जाने पर नाराज़गी व्यक्त की और जल्द से जल्द सुधार के निर्देश दिए। इसके साथ ही, उन्होंने कर्मचारियों के लिए ड्यूटी रजिस्टर बनाने का निर्देश भी दिया।

लापरवाही पर हुई कार्रवाई

अभिलेखों और कार्य में कमी पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित स्टाफ के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिएः फैमिली काउंसलर ज्ञान देवीः रजिस्टर में कमी मिलने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

स्टाफ नर्स आकाशिताः चेतावनी पत्र जारी करने का निर्देश दिया गया।

स्टाफ नर्स सीमाः रजिस्टर में कमी पाए जाने पर 15 दिन का वेतन रोकने का निर्देश दिया गया।

प्रभारी चिकित्साधिकारीः रजिस्टर एवं अन्य कमियां मिलने पर स्पष्टीकरण जारी करने का निर्देश दिया गया।

मरीजों से की बात

डीएम ने एनबीएसयू वार्ड के रजिस्टर का अवलोकन किया और रेफर किए गए मरीज से दूरभाष के माध्यम से वार्ता कर उनका हाल जाना। जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) वार्ड के निरीक्षण के दौरान, उन्होंने भर्ती मरीजों से बातचीत कर उन्हें दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता के बारे में भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ. सुरेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार लाने और मरीजों को बेहतर सुविधाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

5.58 करोड़ का पंचायत घोटालाः ऑडिट से भागते सचिव, रिकॉर्ड गायब और 33 पर गिरी गाज

● यदि एक ही वित्तीय वर्ष में पंचायत स्तर पर रिकॉर्ड गायब हैं, तो 2023-24 और 2024-25 में कराए गए कार्यों की स्थिति क्या है?

गोंडा। जनपद की ग्राम पंचायतों में विकास के नाम पर सरकारी धन की खुली लूट का एक और बड़ा मामला सामने आया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में कराए गए कार्यों के ऑडिट के दौरान 5 करोड़ 58 लाख रुपये के घोटाले की आशंका ने प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मचा दिया है। ऑडिट टीम के समक्ष अभिलेख प्रस्तुत न कर पाने पर 33 ग्राम पंचायत सचिवों को नोटिस जारी किया गया है, वहीं समय से जवाब न देने की स्थिति में रिकवरी और दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दे दी गई है।

ऑडिट पहुंचा, तो फाइलें हो गई गायब

सूत्रों के अनुसार जिन पंचायतों में बड़े पैमाने पर कार्य कराए जाने का दावा किया गया था, वहां ऑडिट टीम के पहुंचते ही न तो मस्टर रोल मिले, न वाउचर, न तकनीकी स्वीकृति और न ही भुगतान से जुड़े ठोस दस्तावेज। यही नहीं, कई पंचायतों में प्रधान और सचिव दोनों ही संतोषजनक जवाब देने से बचते नजर आए। प्रशासनिक अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि रिकॉर्ड उपलब्ध न कराना सीधे-सीधे वित्तीय अनियमितता की ओर इशारा करता है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कहीं 10 तो कहीं 15 लाख तक का हिसाब गायब

जांच में सामने आया है कि कुछ पंचायतों में 10 से 15 लाख रुपये तक का कोई लेखा-जोखा नहीं मिला। जिन कार्यों को कागजों में पूर्ण दिखाया गया, वे या तो धरातल पर हुए ही नहीं या फिर बेहद घटिया गुणवत्ता के पाए गए। यह स्थिति इस बात की ओर इशारा करती है कि पंचायत स्तर पर योजनाओं को एटीएम समझकर पैसा निकाला गया और आपसी बंदरबांट कर ली गई।

इन पंचायतों पर गड़बड़ी की सबसे अधिक आशंका

ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार जिन पंचायतों में रिकॉर्ड न देने और गड़बड़ी की आशंका जताई गई है, उनमें शामिल हैं– अधियारिया बुजुर्ग, बक्सरिया ग्रांट, बीरपुर, कादीपुर, करनवा, पिपरी, अकबरपुर, कुंदरखा, पंचराही, मनोराजोत, पुरैसखरी, कटुआ नाला, रायपुर फकीर, माधोपुर, धनुही, पूरे पहाड़ा, दुबहरपुर, पृथ्वीपालगढ़ ग्रांट, मध्यानगर, श्रीनगर, बरडिहा, सिंघापुर, सिमई, बहलोलपुर, तुर्कडीहा, मलारी, उकरा, तुलसीपुर कोड़री, कफिया, सोहिया, गड़ही, बखरवा, तुर्कडीहा, गणेशपुर ग्रांट और चंदा सहित अन्य पंचायतें शामिल हैं।

प्रशासन का सख्त रुख

डिप्टी जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) लालजी दुबे ने स्पष्ट किया है कि– 'संबंधित 33 सचिवों से एक सप्ताह के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। यदि संतोषजनक जवाब और अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए, तो सचिव और प्रधान दोनों को दोषी मानते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी। सरकारी धन की रिकवरी भी कराई जाएगी।'

सवालों के घेरे में पंचायत व्यवस्था

यह मामला केवल कुछ पंचायतों तक सीमित नहीं माना जा रहा। जानकारों का कहना है कि यह पूरे जिले की पंचायत व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ा करता है–

क्या बिना भौतिक सत्यापन के भुगतान किए गए?

क्या तकनीकी स्वीकृतियां सिर्फ कागजी औपचारिकता बनकर रह गईं?

क्या ब्लॉक और जिला स्तर पर निगरानी तंत्र पूरी तरह विफल रहा?

जनता पूछ रही है जवाब

गांवों में रहने वाली आम जनता अब खुलकर सवाल कर रही है– 'जब कागजों में सड़क, नाली, हैंडपंप और इंटरलॉकिंग बन गई, तो गांव आज भी बदहाल क्यों है?'

यह घोटाला केवल पैसों का नहीं, बल्कि जनता के भरोसे का भी है, जो सरकार और पंचायत प्रतिनिधियों पर किया गया था।

अब आगे के वर्षों पर भी उठे गंभीर सवाल

वर्ष 2022-23 में करोड़ों रुपये की अनियमितता सामने आने के बाद यह सवाल और गहरा हो गया है कि यदि एक ही वित्तीय वर्ष में पंचायत स्तर पर रिकॉर्ड गायब हैं, तो 2023-24 और 2024-25 में कराए गए कार्यों की स्थिति क्या है?

सूत्रों का कहना है कि जिन पंचायतों में 2022-23 के दौरान ऑडिट में गड़बड़ी पकड़ी गई, उन्हीं पंचायतों में बाद के वर्षों में भी उसी कार्यशैली से भुगतान किए गए हैं। ऐसे में यदि इन वर्षों की भी गहन जांच कराई गई, तो घोटाले का आंकड़ा और अधिक बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

प्रशासनिक जानकारों का मानना है कि सिर्फ एक वर्ष तक जांच सीमित रखना पर्याप्त नहीं होगा। यदि सरकार और जिला प्रशासन वास्तव में पारदर्शिता चाहता है, तो वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25– तीनों वित्तीय वर्षों के सभी पंचायत कार्यों की समग्र, निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए।

आगे क्या? अब निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। यदि यह मामला केवल नोटिस और औपचारिक जवाब तक सीमित रहा, तो यह भ्रष्टाचार को मौन स्वीकृति होगी। लेकिन यदि रिकवरी, निलंबन और एफआईआर तक कार्रवाई पहुंचती है, तो यह पंचायतों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर एक निर्णायक प्रहार साबित होगा।

फिलहाल इतना तय है— ग्राम पंचायतों में विकास के नाम पर लूट का यह मामला अब दबने वाला नहीं, बल्कि आने वाले दिनों में और बड़ा रूप ले सकता है।

रबी सीजन में उर्वरक वितरण पर सख्ती तीन दुकानदारों को नोटिस

ज्ञानपुर। रबी सीजन में गेहूं की टॉपड्रेसिंग को ध्यान में रखते हुए जिला कृषि अधिकारी कुमारी इरम ने जनपद भदोही में उर्वरक प्रतिष्ठानों एवं सहकारी समितियों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर तीन उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। निरीक्षण में नागमलपुर सहकारी समिति पर रेट बोर्ड पर उर्वरक का मूल्य अंकित न होने, एग्री जंक्शन किसान सेवा केंद्र पर रजिस्टर में ग्राहकों के मोबाइल नंबर दर्ज न किए जाने तथा पाण्डेय खाद भंडार, पाली पर ओवररेटिंग की शिकायत की जांच किए जाने की पुष्टि हुई। इन अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित दुकानदारों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। जिला कृषि अधिकारी कुमारी इरम ने स्पष्ट किया कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनपद में यूरिया का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और आने वाले सप्ताह में यूरिया उर्वरक की नई रैक भी लगने की संभावना है, जिससे किसानों को बिना किसी परेशानी के समय पर उर्वरक उपलब्ध कराया जा सकेगा। प्रशासन की इस सख्ती से जहां उर्वरक वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी, वहीं किसानों को राहत मिलने की उम्मीद भी बढ़ी है।

नोडल अधिकारी ने करनपुर में आयोजित ग्राम चौपाल में सुनीं लोगों की समस्याएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

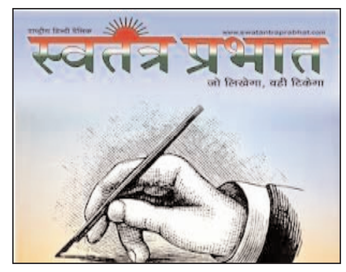

रायबरेली, नोडल अधिकारी जनपद/प्रमुख सचिव पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उ0प्र0 शासन सुभाष चन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में वि0खण्ड बछरावां की ग्राम पंचायत करनपुर में विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में नोडल अधिकारी ने लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागीय अधिकारियों से समस्या के समाधान के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने अब तक की गई कार्यवाहियों की भी समीक्षा की। उन्होंने वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन व दिव्यांग पेंशन की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित कराया जाये कि सभी पात्र लाभार्थियों को पेंशन का लाभ मिलें कोई भी पात्र लाभार्थी लाभ से वंचित न रहे। चौपाल में ग्रामीण विद्युतीकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, स्वच्छ पेयजल कार्यक्रम, राशन वितरण प्रणाली, पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, उ0प्र0 स्पॉन्सरशिप योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन योजना-ग्रामीण, राज्य/केन्द्रीय वित्त योजना, मनरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित आदि योजनाओं पर चर्चा की गयी। इस अवसर पर प्रमुख सचिव द्वारा 03 बच्चों को अन्नप्रासन व 03 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, उप जिलाधिकारी महराजगंज गौतम सिंह, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, परियोजना निदेशक, (जिला ग्राम्य विकास अभिकरण) सतीश प्रसाद मिश्रा, खण्ड विकास अधिकारी बछरावां एस0बी0सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्यशील सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी सहित सम्बन्धित अधिकारीगण व ग्राम प्रधान रहमत अली एवं क्षेत्रीय निवासी उपस्थित रहे।

सूबेदार एवं लाल साहब स्मारक फुटबॉल टूर्नामेंटः सद्भावना क्लब गोरखपुर और टाउन क्लब लालगंज सेमीफाइनल में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। सूबेदार एवं लाल साहब स्मारक राज्य स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट के चौथे दिन दो क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में सद्भावना क्लब गोरखपुर ने सुदर्शन क्लब लालगंज को 1-0 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।मैच का शुभारंभ अतिथि राजेश सिंह फौजी, एरिया सेल्स मैनेजर अनंत शेख तथा इंस्पेक्टर प्रमोद सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। खेल के 11वें मिनट में गोरखपुर के खिलाड़ी अनंत शेख ने बाएं छोर से जोरदार शॉट मारा। गेंद गोलकीपर के हाथ से छूटकर गोल लाइन के भीतर चली गई, जिसे निर्णायक ने वैध गोल करार दिया। इसके बाद दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं। गोरखपुर की ओर से जितेश, तहसीम और विजय का प्रदर्शन सराहनीय रहा।दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई और टाउन क्लब लालगंज के बीच खेला गया। मैच का शुभारंभ रियल एस्टेट कंपनी के निदेशक अनुज यादव ने किया। खेल के 11वें मिनट में टाउन क्लब के कृष्णा ने पहला गोल किया। तीन मिनट बाद सैफई के रोहित यादव ने बराबरी का गोल दागा। 32वें मिनट में असलम खान ने सैफई को 2-1 की बढ़त दिलाई।दूसरे हाफ में टाउन क्लब के ऋषि ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। 69वें मिनट में सैफई के अभिनव पटेल ने फिर टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन तीन मिनट बाद अर्जुन ने बराबरी कर दी। मैच समाप्ति से चार मिनट पहले कृष्णा ने शानदार निर्णायक गोल दागकर टाउन क्लब को 4-3 से रोमांचक जीत दिलाई।कार्यक्रम का संचालन बीरेंद्र शुक्ल ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष देवेंद्र बहादुर सिंह, राजेंद्र सिंह 'रज्जू भैया', उप सचिव अरुण कुमार सिंह 'मुन्ना', राजेंद्र सिंह राठौड़, उमेश श्रीवास्तव, पवन सिंह, भवानी श्रीवास्तव, सोमेश सिंह, अतिदेव पांडेय, रणधीर सिंह सहित बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

इनसेट : कल खेले जाएंगे सेमीफाइनल

सेमीफाइनल मुकाबलों में डीएफए कानपुर, स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ, टाउन क्लब लालगंज और सद्भावना क्लब गोरखपुर आमने-सामने होंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 181462 वादों का सुलह समझौते के आधार पर हुआ सफल निस्तारण, वादकारियों को मिला सस्ता सुलभ न्याय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के दिशा - निर्देशन में दिनांक 13 दिसम्बर, 2025 दिन शनिवार को जनपद न्यायाधीश श्री प्रदीप कुमार सिंह-द्वितीय, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बरेली, द्वारा ऱाष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ देवी सरस्वती एवं गणेश भगवान की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायिक अधिकारियों, विभिन्न बैंकों, बीमा कंपनियों, अधिवक्ताओं एवं पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया एवं लंबित वादों का निस्तारण कराया। अपर जनपद न्यायाधीश श्री रामानन्द, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, बरेली ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से कुल 181462 वादों का सफल निस्तारण कर 300730555 रुपये की धनराशि का आदेश पारित किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में सत्र न्यायालयों द्वारा 927 वादों का निस्तारण कर 6800 रुपये की जुर्माना राशि, दीवानी न्यायालयों द्वारा 25621 वादों का निस्तारण कर 15288616 रुपये की जुर्माना राशि, फौजदारी न्यायालयों द्वारा 4664 वादों का निस्तारण कर 1939050 रुपये की जुर्माना धनराशि का आदेश पारित किया गया। लोक अदालत में गिले शिकवे दूर कर पारिवारिक न्यायालयों द्वारा 223 जोड़ो के मध्य समझौता कराया गया। प्रधान न्यायाधीश, श्री मोहम्मद अशरफ अन्सारी द्वारा 64 वादों में आपसी समझौता कराया गया, अपर प्रधान न्यायाधीश श्री संजय कुमार सिंह द्वारा 50 वादों का, श्रीमती छाया नैन द्वारा 45 वादों का व श्री ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी द्वारा 64 वादों का निस्तारण किया गया।

मोटर दावा दुर्घटना अधिकरण द्वारा 216 वादों का निस्तारण कर 108114000 रुपये की समझौता धनराशि, वाणिज्यिक न्यायालय द्वारा 9 वादों का निस्तारण कर 7055470 रुपये की समझौता धनराशि का आदेश पारित किया गया।

प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत में 42891 वादों का, सम्भागीय परिवहन विभाग द्वारा 1563 मामलों का निस्तारण कर 816050 रुपये की समझौता राशि, पुलिस विभाग द्वारा 77159 मामलों का जिसमें 26607 ई चालानों का निस्तारण कर 26288690 रुपये की जुर्माना राशि, कैनाल न्यायालय द्वारा 7 मामलों का निस्तारण कर 700 रुपये की समझौता राशि, उपभोक्ता फोरम द्वारा 6 वादों का निस्तारण कर 3125962 रुपये की समझौता राशि, श्रम विभाग द्वारा 25 वादों का निस्तारण कर 30534434 रुपये की समझौता राशि, बी.डी.ए. द्वारा 8 वाद, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 1694 मामलों का, नगर निगम द्वारा 10866 मामलों का निस्तारण किया गया तथा भारत संचार निगम लिमिटेड द्वारा 49 मामलों का निस्तारण कर 104783 रुपये की समझौता धनराशि एवं जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा 14043 मामलों के निस्तारण का आदेश पारित किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न न्यायालयों एवं पुलिस अधीक्षक- यातायात, बरेली द्वारा कुल 52542 ई चालानों का निस्तारण किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बरेली के अपर जनपद न्यायाधीश श्री उमा शंकर कहार ने बताया कि लोक अदालत के आयोजन में जनपद न्यायालय परिसर में बैंक वादों के निस्तारण हेतु 20 पीठों का गठन किया गया जिनके समक्ष विभिन्न बैंक द्वारा बैंक ऋण से संबंधित 1511 वादों का निस्तारण किया गया एवं कुल ऋण धनराशि 107456000 रुपये वसूल की गई।

लोक अदालत में केन्द्रीय कारागार-प्रथम, बरेली में निरुद्ध बन्दियों द्वारा तैयार की गयीं हस्तशिल्प वस्तुओं एवं केन्द्रीय कारागार-द्वितीय/जिला कारागार, बरेली में निरुद्ध बन्दियों द्वारा तैयार किये गये औषधीय पौधों की प्रदर्शनी लगायी गयी एवं विक्रय किया गया। लोक अदालत परिसर में स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार की गयी वस्तुओं का भी विक्रय किया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री उमा शंकर कहार ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में आम जनता को परेशानियों से बचाने और जानकारी देने के लिए लोक अदालत परिसर में हेल्प डेस्क बनाया गया जिसमें पैरा लीगल वालंटियर उपस्थित रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में समस्त न्यायिक अधिकारियों, बैंक-बीमा कंपनी के अधिकारियों, अन्य न्यायिक कर्मचारियों, पराविधिक स्वयं सेवकों तथा मीडिया कर्मियों का भी योगदान रहा।

सीएचसी अधीक्षक ने फीता काटकर किया जन औषधि केंद्र का उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवां ब्लाक क्षेत्र के सीएचसी रतनपुर में शनिवार को जन औषधि केन्द्र का उद्घाटन सीएचसी अधिक्षक डॉक्टर सुरेन्द्र कुमार ने फीता काट कर किया।

जानकारी के मुताबिक नौतनवां ब्लाक क्षेत्र के रतनपुर सीएचसी में विगत कई महीनों से जन औषधि केन्द्र बंद पड़ा था। औषधि केंद्र बंद होने से आम जनमानस को महंगी दवाएं प्रयोग करना पड़ता था। जिसको देखते हुए रतनपुर सीएचसी में पुनः प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र संचालित किया गया। जन औषधि केंद्र संचालित होने से आम लोगों में खुशी का माहौल है। जन औषधि केन्द्र का शुभारंभ करते हुए सीएचसी अधीक्षक डॉ सुरेन्द्र कुमार ने कहा कि अब मरीजों को सस्ती दवाओं के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। अब मरीजों को सस्ती दवाएं आसानी से मिलेंगी। इस मौके पर डॉक्टर पारस नाथ, श्रीराम वर्मा,

फार्मासिस्ट निशार अहमद, अशोक कुमार, जन औषधि केन्द्र संचालक सुकदेव द्विवेदी, सीएचसी स्टाफ शिवप्रताप शुक्ल, प्रमोद कुमार, मुदिता त्रिपाठी, अजय कुमार, राकेश सहित आदि लोग मौजूद रहे।

हिन्दी की राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता का प्रश्न

आज केवल भाषा का प्रश्न नहीं रह गया है, बल्कि यह सांस्कृतिक स्वाभिमान, बौद्धिक स्वतंत्रता और राष्ट्रीय चेतना से गहराई से जुड़ा हुआ विषय बन चुका है। महात्मा गांधी का यह कथन कि राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी का प्रयोग देश की उन्नति के लिए अत्यंत आवश्यक है, आज भी उतना ही प्रासंगिक और मार्गदर्शक है, जितना स्वतंत्रता संग्राम के काल में था। संविधान ने हिंदी को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा अवश्य दिया, किंतु व्यवहारिक धरातल पर उसे जो सम्मान, स्वीकार्यता और व्यापक प्रयोग मिलना चाहिए था, वह आज भी अधूरा है। विडंबना यह है कि अपने ही देश में हिंदी बोलना कई बार कम शिक्षित होने का संकेत मान लिया जाता है, जबकि अंग्रेजी में संवाद करना सामाजिक प्रतिष्ठा और बौद्धिक श्रेष्ठता का प्रतीक समझा जाता है। यह मानसिकता केवल भाषा की उपेक्षा नहीं है, बल्कि उस सांस्कृतिक दासता की अभिव्यक्ति है, जिसकी ओर ब्रिटेन के विचारक वाल्टर कैनिंग ने संकेत करते हुए कहा था कि किसी स्वतंत्र राष्ट्र में विदेशी भाषा का संवाद और शिक्षा की प्रमुख भाषा बने रहना सांस्कृतिक गुलामी का परिचायक है। भारत में अंग्रेजी को राजकाज, प्रशासन, न्याय और उच्च शिक्षा में जो विशेष महत्व प्राप्त है, वह अंग्रेजी की उपयोगिता से अधिक उस मानसिक पराधीनता को उजागर करता है, जो औपनिवेशिक काल की विरासत के रूप में आज भी हमारे भीतर जीवित है।

हिंदी को अपने वास्तविक और स्वाभाविक सम्मान के लिए निरंतर संघर्ष करना पड़ रहा है, जबकि 14 सितंबर 1949 को इसे राजभाषा घोषित किए जाने के बाद अपेक्षा थी कि केंद्रीय मंत्रालयों और सरकारी कार्यालयों में इसका व्यापक और प्रभावी प्रयोग सुनिश्चित किया जाएगा, परंतु आज भी स्थिति यह है कि हिंदी के नाम पर कार्यालयों में केवल 'कृपया हिंदी भाषा का प्रयोग करें' जैसे बोर्ड लगाकर औपचारिकता निभा ली जाती है और वास्तविक कामकाज अंग्रेजी में ही संचालित होता है, जो निस्संदेह भारतीय भाषाओं के आत्मसम्मान का अपमान है। हिंदी का प्रश्न केवल राष्ट्रीय स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी इसकी स्वीकार्यता और प्रतिष्ठा का विषय उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोग भी आपस में अंग्रेजी में संवाद कर स्वयं को अधिक आधुनिक और गौरवान्वित अनुभव करते हैं, जबकि हिंदी उनकी सांस्कृतिक पहचान और भावनात्मक जड़ों से जुड़ी भाषा है। संविधान ने हिंदी को सैद्धांतिक रूप से राजभाषा का दर्जा दिया है, किंतु आवश्यकता इस बात की है कि यह यत्र-तत्र-सर्वत्र व्यवहारिक रूप से स्वीकार्य बने और समाज के हर वर्ग द्वारा अपनाई जाए। हिंदी राष्ट्र की सर्वाधिक आत्मसात की गई भाषा है, हालांकि संविधान ने बांग्ला, उर्दू, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, ओड़िया, मराठी सहित 22 भाषाओं को मान्यता दी है और सभी भाषाएं समान रूप से सम्मान की अधिकारी हैं, फिर भी संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का स्थान स्वाभाविक रूप से सर्वोपरि है। संविधान के अनुच्छेद 343 (खंड 1) में स्पष्ट किया गया है कि भारत संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी तथा राजकीय प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप होगा, इसके बावजूद व्यवहारिक स्तर पर हिंदी को वह स्थान नहीं मिल पाया, जो उसे मिलना चाहिए था।

आज देश में हिंदी बोलने और समझने वालों की संख्या लगभग 45 से 46 प्रतिशत है, जो इसे भारत की सबसे व्यापक भाषा बनाती है, किंतु भौगोलिक विविधता और भाषाई बहुलता के कारण भाषावाद की राजनीति ने हिंदी को कई स्तरों पर नुकसान पहुंचाया है। कुछ क्षेत्रीय राजनीतिक शक्तियां आज भी यह नहीं चाहतीं कि हिंदी को नैतिक और व्यावहारिक रूप से राजभाषा का समुचित सम्मान मिले, और इस विषय पर संसद तक में विरोध देखने को मिलता है, जबकि इतिहास गवाह है कि स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेताओं ने हिंदी को पूरे राष्ट्र की संपर्क भाषा के रूप में स्वीकार किया था और देश के विभिन्न भाषा-भाषी समुदाय आपस में विचार-विमर्श के लिए हिंदी का ही सहारा लेते थे। हिंदी की इसी सार्वभौमिकता और संवाद क्षमता के कारण उसे राजभाषा का दर्जा दिया गया, किंतु उसकी व्यापकता और गहराई को देखते हुए यह अपेक्षा आज भी जीवित है कि उसे राष्ट्रभाषा का नैतिक सम्मान प्राप्त हो। हिंदी बहुसंख्यक भारतीयों द्वारा बोली और समझी जाने वाली भाषा है और इसकी देवनागरी लिपि वैज्ञानिक, सरल और सहज है, जिसमें उच्चारण और लेखन का सीधा संबंध है। हिंदी की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह विदेशी भाषाओं के शब्दों को बिना किसी संकीर्णता के आत्मसात कर लेती है और इसी कारण वह जीवंत, प्रवाहमयी और समयानुकूल बनी रहती है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद का यह कथन अत्यंत महत्वपूर्ण है कि हिंदी ने कभी मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द या शब्दावली का बहिष्कार नहीं किया, बल्कि उसे आत्मसात कर अपनी अभिव्यक्ति को और समृद्ध बनाया। शोध अध्ययनों में भी यह तथ्य सामने आया है कि हिंदी विश्व की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में अग्रणी है और भारत की जनसंख्या संरचना के अनुसार यह लगभग 46 प्रतिशत लोगों की भाषा है। इसके बावजूद कुछ लोग अंग्रेजी को भारत की संपर्क भाषा कहने का दुस्साहस करते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि अंग्रेजी कभी भी देश के आम आदमी की भाषा नहीं रही और न ही हो सकती है।

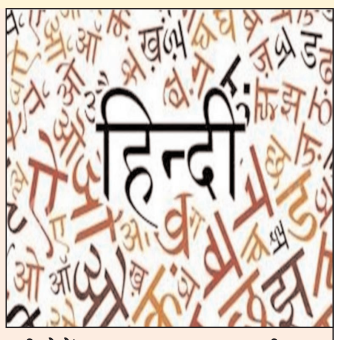

एनी बेसेंट का यह कथन आज भी उतना ही सत्य है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली भाषाओं में हिंदी सबसे प्रभावशाली बनकर उभरी है और जो व्यक्ति हिंदी जानता है, वह पूरे भारत में सहजता से यात्रा कर सकता है, संवाद कर सकता है और जानकारी प्राप्त कर सकता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भी भारत में अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए हिंदी को अपनाया है, जो इस बात का प्रमाण है कि हिंदी की व्यावसायिक शक्ति और बाजार में उसकी स्वीकार्यता अत्यंत व्यापक है। यह स्वीकार करना आवश्यक है कि अंग्रेजी एक अंतरराष्ट्रीय भाषा है और वैश्विक स्तर पर रोजगार तथा तकनीकी संवाद में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण है, किंतु इसका अर्थ यह कदापि नहीं कि हिंदी का अपमान या उपेक्षा उचित ठहराई जाए। हिंदी देश की संवेदनशील और भावनात्मक भाषा है, जो राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांधने और व्यापक वैचारिक विमर्श को संभव बनाने की क्षमता रखती है। आवश्यकता इस बात की है कि हिंदी को केवल औपचारिकता की भाषा न बनाकर व्यवहार, प्रशासन, शिक्षा, तकनीक और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आत्मविश्वास के साथ स्थापित किया जाए, तभी हिंदी को वह गौरव और सम्मान प्राप्त हो सकेगा, जिसकी वह वास्तविक अधिकारी है।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

धुरंधर एक संकेत है हिंदी सिनेमा के बदलाव का

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' सिर्फ एक सफल स्पाई-एक्शन फिल्म नहीं है, बल्कि यह समकालीन हिंदी सिनेमा की उस बदलती प्रवृत्ति का संकेत भी है, जहाँ शोरगुल भरी मार्केटिंग से अधिक भरोसा कंटेंट, प्रस्तुति और दर्शकों की समझ पर किया जा रहा है। बहुत कम प्रचार-प्रसार के बावजूद जिस तरह इस फिल्म ने दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचा और बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया, वह इस बात का प्रमाण है कि अब दर्शक केवल नाम या प्रचार के सहारे नहीं, बल्कि दमदार कहानी और सशक्त अभिनय के आधार पर अपना फैसला लेते हैं। फिल्म की कहानी एक भारतीय जासूस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पाकिस्तान के ल्यारी क्षेत्र में सक्रिय आतंकी नेटवर्क में घुसपैठ करता है।

यह विषय नया नहीं है, लेकिन 'धुरंधर' इसे जिस गंभीरता, परिपक्वता और संतुलन के साथ प्रस्तुत करती है, वही इसे भीड़ से अलग खड़ा करता है। आदित्य धर ने राष्ट्रवाद को न तो अति-भावुक नारेबाज़ी में बदला है और न ही उसे सतही एक्शन तक सीमित रखा है। फिल्म में जासूसी को एक खतरनाक, मानसिक रूप से थका देने वाली और नैतिक दुविधाओं से भरी प्रक्रिया के रूप में दिखाया गया है, जो इसे अधिक विश्वसनीय बनाता है। रणवीर सिंह का अभिनय इस फिल्म की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। लंबे समय से एक बड़ी व्यावसायिक सफलता की तलाश में रहे रणवीर को 'धुरंधर' ने वह मंच दिया है, जहाँ वे अपने अभिनय के साथ-साथ अपने स्टारडम को भी नए सिरे से स्थापित कर सके। उनका किरदार न तो पूरी तरह अजेय है और न ही भावनात्मक रूप से सपाट। उसमें डर है, क्रोध है, रणनीति है और सबसे अहम एक ऐसा आंतरिक संघर्ष है, जो दर्शक को उससे जोड़ता है। यह भूमिका रणवीर के करियर की उन चुनिंदा भूमिकाओं में शामिल होती है, जहाँ वे अभिनय और लोकप्रियता के बीच संतुलन साधते नज़र आते हैं। सहायक कलाकारों की मौजूदगी फिल्म को और गहराई देती है। संजय दत्त, आर. माधवन, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकारों का चयन केवल नामों के लिए नहीं, बल्कि उनके अभिनय कौशल के लिए किया गया प्रतीत होता है। ये किरदार कहानी को आगे बढ़ाने में सहायक हैं, न कि केवल नायक की चमक बढ़ाने के लिए। खास बात यह है कि फिल्म में कोई भी चरित्र पूरी तरह काला या सफेद नहीं है; हर किसी के अपने तर्क, अपने डर और अपने स्वार्थ हैं, जो कहानी को अधिक यथार्थवादी बनाते हैं। बॉक्स ऑफिस के आंकड़े अपने आप में 'धुरंधर' की सफलता की कहानी कहते हैं। पहले दिन लगभग 28 करोड़ की कमाई, पहले तीन दिनों में 100 करोड़ का आंकड़ा पार करना और पहले हफ्ते में भारत में 200 करोड़ से अधिक का नेट कलेक्शन ये सब उस दौर में हुआ है, जब दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाना आसान नहीं माना जाता। वर्ल्डवाइड 300 करोड़ से अधिक की कमाई ने यह साफ कर दिया कि फिल्म की अपील केवल घरेलू दर्शकों तक सीमित नहीं है। इसने कई बड़ी और बहुप्रचारित फिल्मों के पहले दिन, शुरुआती दिनों और यहां तक कि लाइफटाइम कलेक्शन के रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिए। यह सफलता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उस धारणा को चुनौती देती है कि बिना आक्रामक मार्केटिंग के कोई फिल्म बड़े पैमाने पर सफल नहीं हो सकती। 'धुरंधर' की सफलता बताती है कि अगर फिल्म का कंटेंट मजबूत हो, तो दर्शक खुद उसका प्रचार करते हैं। सोशल मीडिया पर चर्चाएं, माउथ पब्लिसिटी और समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया ने मिलकर इस फिल्म को एक आंदोलन जैसा बना दिया। यह हिंदी फिल्म उद्योग के लिए एक सीख है कि शायद अब बजट का बड़ा हिस्सा प्रचार पर खर्च करने की बजाय लेखन, निर्देशन और अभिनय पर लगाना अधिक सार्थक हो सकता है। रणवीर सिंह के करियर के संदर्भ में 'धुरंधर' एक निर्णायक मोड़ की तरह है। हाल के वर्षों में उनकी कुछ फिल्मों के औसत या कमजोर प्रदर्शन के बाद यह फिल्म उन्हें फिर से शीर्ष सितारों की पंक्ति में खड़ा करती है। यह साबित करती है कि स्टारडम केवल छवि या ऊर्जा से नहीं, बल्कि सही स्क्रिप्ट के चयन और खुद को कहानी के अनुरूप ढालने की क्षमता से टिकता है।

'धुरंधर' ने रणवीर को न सिर्फ व्यावसायिक सफलता दी है, बल्कि उनके अभिनय पर लगे कुछ सवालों का भी ठोस जवाब दिया है। फिल्म का व्यापक प्रभाव यह भी है कि इसने 2025 की फिल्मों की दौड़ में मानक ऊंचे कर दिए हैं। कम समय में इतने बड़े आंकड़े छूना और कई स्थापित फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ना इस बात का संकेत है कि दर्शक अब गुणवत्ता को प्राथमिकता दे रहे हैं। 'धुरंधर' केवल एक हिट फिल्म नहीं, बल्कि यह उस बदलाव का प्रतीक है, जहाँ हिंदी सिनेमा धीरे-धीरे दिखावे से निकलकर सार की ओर लौटता दिखाई दे रहा है। अंततः 'धुरंधर' की सफलता इस विश्वास को मजबूत करती है कि सिनेमा अभी भी समाज से संवाद करने का एक सशक्त माध्यम है। जब कहानी ईमानदार हो, निर्देशन स्पष्ट हो और अभिनय विश्वसनीय हो, तब बिना शोर के भी फिल्म इतिहास रच सकती है। 'धुरंधर' इसी विश्वास का जीवंत उदाहरण है एक ऐसी फिल्म जो न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर जीती है, बल्कि हिंदी सिनेमा की दिशा पर भी एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करती है।

महेन्द्र तिवारी

जामताड़ा अब इतिहासः साइबर ठगी का नया अड्डा आपके आसपास

[साइबर अपराध का विकेंद्रीकरणः शहरों से गांव तक]
[डिजिटल इंडिया और साइबर अपराधः ग्रामीण क्षेत्र में फैलता संकट]

साइबर अपराध अब किसी शहर या जिले तक सीमित नहीं रहा। कभी झारखंड का जामताड़ा साइबर ठगी का पर्याय बन चुका था। वहां से निकलने वाली फिशिंग कॉल्स, फर्जी निवेश योजनाओं और बैंक डिटेल्स चुराने के मामलों की खबरें पूरे देश में चर्चा का विषय बनती थीं। लेकिन आज यह खतरा केवल बड़े शहरों या साइबर हब तक सीमित नहीं रहा। ग्रामीण भारत में भी इसका दायरा तेजी से बढ़ गया है। हाल ही में मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले के छोटे से घटवा गांव से दो युवकों की गिरफ्तारी ने यह सच फिर साबित कर दिया कि साइबर ठगी अब शहरों और बड़े कस्बों तक सीमित नहीं है। दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए ये युवक कथित रूप से बड़े साइबर फ्रॉड नेटवर्क का हिस्सा थे। यह घटना न केवल स्थानीय स्तर पर चिंता का विषय है, बल्कि पूरे देश में साइबर अपराध के विकेंद्रीकरण का भी संकेत देती है। जामताड़ा, जो कभी साइबर फ्रॉड का हब माना जाता था, अब पांचवें स्थान पर खिसक चुका है। पहले यहां युवा लोगों को लुभाकर बैंक डिटेल्स मांगते, फर्जी निवेश योजनाओं या लॉटरी जीत का झांसा देकर ठगते थे। लेकिन अब यह प्रवृत्ति बदल गई है। उत्तरी भारत के छोटे कस्बे और जिले, जैसे हरियाणा का मेवात, राजस्थान के भारतपुर और मथुरा, बिहार के गोपालगंज, झारखंड के देवघर और धनबाद, अब साइबर ठगी के नए हब बन गए हैं। यहां तक कि आईटी और कॉरपोरेट हब गुरुग्राम में भी यह अपराध तेजी से फैल रहा है।

ये नए हब जामताड़ा मॉडल की तरह काम करते हैं। युवा समूह बनाकर, फर्जी ऐप्स, व्हाट्सएप और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को लुभाते हैं। कई बार वे गरीबी और बेरोजगारी का फायदा उठाकर युवाओं को ठगी के नेटवर्क में शामिल कर लेते हैं। देवघर जिले में फर्जी कॉल सेंटर्स की संख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है और यह जामताड़ा को पीछे छोड़ चुका है। अब ग्रामीण क्षेत्र भी इस जाल में फंस रहे हैं, जहां कई लोग अपने स्मार्टफोन और इंटरनेट का उपयोग करके आसानी से अपराध में शामिल हो जाते हैं।

ग्रामीण भारत में साइबर ठगी का चेहरा अब पूरी तरह बदल चुका है। मप्र के बड़वानी जिले के घटवा गांव की हालिया घटना ग्रामीण भारत में साइबर ठगी के बदलते चेहरे का ताजा उदाहरण है। यह गांव ठीकरी तहसील में स्थित है, जो सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में आता है। यहां के दो युवकों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया, जो कथित रूप से साइबर फ्रॉड नेटवर्क में शामिल थे। इनके अपराध केवल स्थानीय नहीं थे; इनके झांसे में आए पीड़ितों का प्रभाव दिल्ली और अन्य बड़े शहरों तक फैला था। मध्यप्रदेश में 2021 से 2025 तक साइबर ठगी के मामलों का आंकड़ा 1,000 करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है, जबकि रिकवरी रेट केवल 0.2% है। बड़वानी जिले में हाल ही में 82,000 रुपये की ठगी का मामला सामने आया था, जिसमें ठग ने खुद को क्राइम ब्रांच अधिकारी बताकर पीड़ित को डराया। साइबर ठगी अब शहरों से बाहर निकलकर गांवों में भी फैल चुकी है। ग्रामीण युवा स्मार्टफोन और इंटरनेट के जरिए इसमें आसानी से शामिल हो रहे हैं, लेकिन कानूनी जागरूकता की कमी उन्हें गंभीर जोखिम में डाल रही है। दिल्ली पुलिस की कार्रवाई में यह भी सामने आया कि कई

नेटवर्क विदेशों तक फैले हुए हैं, जैसे म्यांमार, जहां युवाओं को फ्रॉड नेटवर्क में ट्रैफिक किया जा रहा है। डिजिटल इंडिया की सफलता ने इंटरनेट को हर कोने तक पहुंचा दिया, लेकिन साइबर सुरक्षा शिक्षा पीछे रह गई। ई-कॉमर्स, डिजिटल वॉलेट्स और क्रिप्टो जैसी नई तकनीक ने ठगों को नए अवसर दिए। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में साइबर क्राइम में 31.2% की वृद्धि हुई। बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में 17,000 से अधिक मामले दर्ज हुए, लेकिन छोटे कस्बे जैसे भरतपुर और नूह अब शीर्ष स्थान पर हैं। साइबर ठगी के प्रभाव अब केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहे। लाखों लोग अपनी मेहनत की कमाई खो रहे हैं, उनके सपने, भविष्य और आर्थिक सुरक्षा खतरे में हैं। नए स्कैम्स, जैसे 'डिजिटल अरेस्ट', अब लोगों को घर पर 'अरेस्ट' दिखाकर डराने की तकनीक इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे मानसिक तनाव और सामाजिक कलंक बढ़ रहा है। यह केवल व्यक्तिगत पीड़ा नहीं है, बल्कि समाज और देश की आर्थिक और सामाजिक संरचना पर भी गंभीर असर डाल रहा है। समाधान की दिशा में पुलिस सक्रिय हो रही है। दिल्ली पुलिस ने हाल ही में 800 से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया और कई फर्जी कॉल सेंटर्स को बंद किया। लेकिन यह केवल शुरुआत है। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में जागरूकता की बेहद आवश्यकता है। सरकार को साइबर सुरक्षा शिक्षा और प्रशिक्षण को व्यापक स्तर पर लागू करना होगा, कड़े कानून बनाने होंगे, और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना होगा ताकि अपराधियों की जड़ें कमजोर हों। सकारात्मक पहल के रूप में, इंश्योरेंस कंपनियां अब साइबर फ्रॉड कवर देने लगी हैं, जो पीड़ितों के लिए राहत और सुरक्षा का जरिया बन सकता है। मप्र के बड़वानी जिले के घटवा गांव की घटना एक गंभीर चेतावनी है, साइबर ठगी अब जामताड़ा की मोनोपॉली नहीं रही। यह पूरे देश में फैल चुकी है, और अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह एक महामारी का रूप ले सकती है। इस जाल से बाहर निकलने का केवल एक ही रास्ता है – व्यापक जागरूकता, साइबर शिक्षा और वैकल्पिक रोजगार के अवसर प्रदान करना। डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहना अब हर नागरिक की जिम्मेदारी बन गई है। जामताड़ा अब इतिहास बन चुका है, और साइबर ठगी का नया ठिकाना अब आपका अपना गांव है। यदि हम अभी नहीं चेते, तो बहुत देर हो जाएगी, और कीमत हमारी सुरक्षा और भविष्य को चुकानी पड़ेगी।

प्रो. आरके जैन

राजस्थान में बम धमकियों का साया और सिस्टम की बेबसी

राजस्थान में पिछले एक वर्ष से बम से उड़ाने की धमकियों का जो सिलसिला चला आ रहा है, उसने न केवल पुलिस और खुफिया एजेंसियों की नींद उड़ाई है बल्कि आम नागरिकों के मन में भी भय और असुरक्षा की गहरी भावना भर दी है। हाईकोर्ट, स्कूल, होटल, अस्पताल, स्टेडियम और अन्य सार्वजनिक स्थलों को बार-बार उड़ाने की धमकियां मिलना अब एक सामान्य खबर बनती जा रही हैं। जयपुर जैसे शांत शहर का देश के उन बड़े महानगरों में शुमार होना, जहां सबसे ज्यादा धमकी भरे ईमेल और संदेश आए हैं, यह संकेत देता है कि समस्या केवल कानून-व्यवस्था की नहीं बल्कि तकनीक और सुरक्षा के बीच बढ़ती खाई की है।राजस्थान में अब तक 61 से अधिक धमकियां दर्ज की जा चुकी हैं। जयपुर एसएमएस स्टेडियम को सात बार और अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम को चार बार उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। सबसे ज्यादा ईमेल निजी स्कूलों को भेजे गए, जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में दहशत फैल गई। हर बार पुलिस, बम निरोधक दस्ता और प्रशासन अलर्ट पर आया, पूरे परिसर की तलाशी ली गई, यातायात रोका गया और आम जनजीवन प्रभावित हुआ, लेकिन हर बार नतीजा शून्य ही रहा। न बम मिला, न कोई ठोस सुराग।यहां सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि आखिर इन धमकियों का औचित्य क्या है। क्या यह किसी शरारती तत्व का मजाक है, जो सिस्टम को छकाने में आनंद ले रहा है, या फिर यह किसी बड़े आतंकी षड्यंत्र की तैयारी का हिस्सा है, जिसमें बार-बार चेतावनी देकर सुरक्षा तंत्र की प्रतिक्रिया को परखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि हर धमकी को हल्के में नहीं लिया जा सकता, क्योंकि आतंकवाद का इतिहास यही बताता है कि कई बार झूठी सूचनाओं की आड़ में असली हमले को अंजाम दिया गया है। राजस्थान पुलिस और इंटेलिजेंस की मुश्किलें यहां से शुरू होती हैं। अधिकतर धमकियां ईमेल के जरिए भेजी जा रही हैं, जिनका स्रोत पता करना तकनीकी रूप से बेहद जटिल है। आईपी एड्रेस और लोकेशन को छुपाने वाले आधुनिक टूल्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क यानी वीपीएन के माध्यम से भेजे गए ईमेल और मैसेज किसी भी वास्तविक भौगोलिक पहचान को सामने नहीं आने देते। न मोबाइल नंबर की जरूरत, न सिम कार्ड, न स्थायी इंटरनेट कनेक्शन। केवल एक लैपटॉप या मोबाइल और एक मजबूत वीपीएन पर्याप्त है। वीपीएन तकनीक मूल रूप से ऑनलाइन निजता और सुरक्षा के लिए विकसित की गई थी, ताकि उपयोगकर्ता अपने डेटा को हैकिंग और निगरानी से बचा सके। लेकिन आज यही तकनीक अपराधियों के लिए सबसे सुरक्षित ढाल बन चुकी है। जितना महंगा वीपीएन, उतनी ज्यादा सुरक्षा और उतनी ही कम संभावना कि कोई सुराग हाथ लगे। कई वीपीएन कंपनियों के सर्वर यूरोप और मध्य-पूर्व के देशों में स्थित हैं, जहां डेटा संरक्षण के कानून बेहद सख्त हैं। यूएई और यूरोप में वीपीएन का उपयोग बहुत आम है और वहां की कंपनियां यूजर डेटा साझा करने में तब तक सहयोग नहीं करतीं, जब तक संबंधित देश की अदालत से औपचारिक आदेश न मिले। यही वजह है कि भारतीय जांच एजेंसियों के हाथ बंधे नजर आते हैं। किसी विदेशी वीपीएन सर्वर से डेटा मंगवाने के लिए लंबी कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इसमें समय लगता है और तब तक अपराधी अपनी पहचान बदल चुका होता है या नया फर्जी ईमेल अकाउंट बना लेता है। कई ऐसे सर्वर और ईमेल सेवाएं उपलब्ध हैं, जिनसे भेजा गया संदेश कुछ ही समय में स्वतः डिलीट हो जाता है और डिजिटल फुटप्रिंट लगभग समाप्त हो जाता है। दिल्ली एनसीआर में अब तक 300 से ज्यादा धमकियां, मुंबई में 64, हैदराबाद में 85, बेंगलुरु में 123 और जयपुर में 61 धमकियों का आंकड़ा बताता है कि यह समस्या केवल राजस्थान तक सीमित नहीं है। यह एक राष्ट्रीय चुनौती बन चुकी है। बावजूद इसके, पुलिस और खुफिया एजेंसियां हर बार केवल बम की जांच तक सीमित रह जाती हैं। उन्हें हर धमकी को गंभीर मानते हुए सुरक्षा बढ़ानी पड़ती है, लेकिन अपराधी तक पहुंचने के लिए ठोस तकनीकी और कानूनी साधनों का अभाव साफ दिखाई देता है। इस स्थिति में आम जनता के मन में यह धारणा बनना स्वाभाविक है कि पुलिस बेबस है। हालांकि सच्चाई यह है कि पुलिस और इंटेलिजेंस के सामने तकनीक की रफ्तार और अंतरराष्ट्रीय कानूनों की सीमाएं एक बड़ी दीवार बनकर खड़ी हैं। साइबर अपराध अब किसी एक राज्य या देश की सीमा में बंधा नहीं रहा। एक व्यक्ति किसी दूसरे देश के सर्वर से तीसरे देश को धमकी दे सकता है और चौथे देश की एजेंसियां उसे ढूंढने में लगी रह जाती हैं। राजस्थान हाईकोर्ट की सुरक्षा बढ़ाने का निर्णय इसी गंभीरता को दर्शाता है। हाईकोर्ट न केवल न्याय का प्रतीक है बल्कि लोकतंत्र की एक मजबूत संस्था भी है। उस पर बार-बार धमकी आना पूरे सिस्टम को चुनौती देने जैसा है। अतिरिक्त सुरक्षा बल, आधुनिक निगरानी उपकरण और कड़े प्रवेश नियम तत्काल जरूरत हैं, लेकिन दीर्घकालीन समाधान केवल भौतिक सुरक्षा से नहीं निकलेगा। इस पूरे घटनाक्रम ने यह भी उजागर कर दिया है कि भारत को अपनी साइबर फॉरेंसिक क्षमता को और मजबूत करना होगा। केवल विदेशी सर्वरों पर निर्भर रहने की बजाय देश में ऐसे तकनीकी ढांचे विकसित करने होंगे, जो रियल-टाइम ट्रैकिंग, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और तेज कानूनी प्रक्रियाओं को संभव बना सकें। साथ ही, वीपीएन और फर्जी ईमेल सेवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर सख्त नियमों और समझौतों की जरूरत है। यह भी जरूरी है कि हर धमकी को केवल अफवाह या मजाक मानकर नजरअंदाज न किया जाए, लेकिन साथ ही जनता में अनावश्यक दहशत फैलने से भी बचाया जाए। जिम्मेदार सूचना, पारदर्शिता और भरोसे का वातावरण बनाना प्रशासन की बड़ी जिम्मेदारी है। स्कूलों, अस्पतालों और सार्वजनिक स्थलों पर बार-बार खाली कराने से जनजीवन प्रभावित होता है और यही शायद उपद्रवियों का असली मकसद भी हो सकता है, सिस्टम को थकाना और लोगों के मन में डर बैठाना। आखिरकार यह सवाल अनुत्तरित ही रह जाता है कि क्या यह किसी शरारती दिमाग का खेल है या किसी गहरी साजिश की तैयारी। जब तक एक भी अपराधी पकड़ा नहीं जाता, तब तक यह आशंका बनी रहेगी। राजस्थान पुलिस और खुफिया एजेंसियां मजबूर जरूर दिखती हैं, लेकिन यह मजबूरी तकनीक और कानून की सीमाओं से उपजी है, न कि इच्छाशक्ति की कमी से। जरूरत है इन सीमाओं की, ताकि धमकी देने वाले यह न समझें कि वे हमेशा कानून की पहुंच से बाहर रहेंगे।

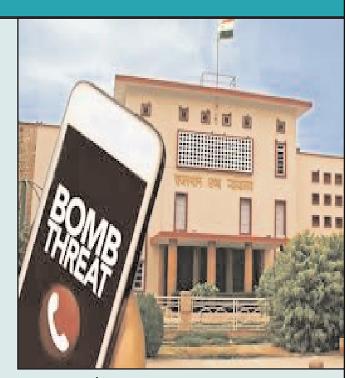

कांतिलाल मांडोत

भारत गौरव अवार्ड-2025 से सम्मानित हुए वरिष्ठ पत्रकार के.पी. मलिक

देश के प्रतिष्ठित संस्थान काली रमन फाउंडेशन द्वारा इंडियन इस्लामिक कल्चरल सेंटर में आयोजित 11वें रहबर-ए-आज़म सर छोटू राम मेमोरियल 'भारत गौरव अवार्ड-2025' समारोह में इस वर्ष विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रमुख हस्तियों को सम्मानित किया गया। शिक्षा, राजनीति, स्वास्थ्य, खेल और समाजसेवा के साथ-साथ पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तित्व भी इस सम्मान के पात्र बने। इन्हीं में शामिल रहे वरिष्ठ पत्रकार और दैनिक भास्कर के राजनीतिक संपादक के.पी. मलिक, जिन्हें उनकी बेबाक़ और निर्भीक पत्रकारिता के लिए 'भारत गौरव सम्मान-25' से नवाज़ा गया। समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए के.पी. मलिक ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज और देश के प्रति कर्तव्य निर्वहन की नई प्रेरणा है। उन्होंने आयोजक संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकारिता का मूल उद्देश्य समाज की सच्ची आवाज़ बनना और पीड़ितों की बात सत्ता के केंद्र तक पहुँचाना है, जिसे वह हमेशा निभाते रहेंगे।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शामली जिले के आदमपुर गाँव में जन्मे कुंवर पाल मलिक, जिन्हें पत्रकारिता जगत में के.पी. मलिक के नाम से जाना जाता है, ने अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद दिल्ली को कर्मभूमि बनाया। गांव के संस्कारों और किसान परिवार की सादगी से निकला यह युवा धीरे-धीरे देश के प्रमुख मीडिया संस्थानों का जाना-माना नाम बन गया। मलिक के लेखों और रिपोर्ट्स में किसानों, गरीबों, मजदूरों और वंचितों की समस्याएँ लगातार प्रमुख स्थान पाती रही हैं, जिसके चलते उन्हें जनपक्षधर पत्रकार माना जाता है। अपने बेबाक़ लेखन और निर्भीक रिपोर्टिंग के कारण के.पी. मलिक न केवल दिल्ली की पत्रकारिता दुनिया में बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर एक सशक्त और सम्मानित आवाज़ बन चुके हैं। संसद की रिपोर्टिंग में उनका लंबा अनुभव है और वर्ष 2001 में हुए संसद हमले की कवरेज के दौरान वह चश्मदीद गवाह भी रहे। मीडिया के अधिकारों और पत्रकारों की सुरक्षा के मुद्दों पर भी वह हमेशा अग्रसर रहते हैं। कैरियर के शुरुआती दिनों में उन्होंने दूरदर्शन, बीबीसी टीवी, जी न्यूज, सहारा समय और हिंदुस्तान टाइम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में काम किया। बाद में दैनिक भास्कर से जुड़कर उन्होंने राजनीतिक संपादक के रूप में अपनी पहचान को और अधिक मजबूत किया। पिछले वर्ष उन्हें 'अटल रत्न लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' और 'मुंशी प्रेमचंद सम्मान' से भी नवाज़ा गया था। पत्रकारिता के साथ-साथ मलिक समाजसेवा में भी सक्रिय रहते हैं। अपने व्यस्त समय के बावजूद वह अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं और अक्सर गाँव जाकर खेती-किसानी और ग्रामीण समस्याओं को समझते हैं। उनके लेखों में यह जुड़ाव साफ झलकता है।

दिल्ली में रहते हुए भी उनकी पहचान एक जमीन से जुड़े, सरल और सच्चे पत्रकार की है, जिनकी प्रतिबद्धता युवा पत्रकारों के लिए प्रेरणा बन चुकी है। 'भारत गौरव अवार्ड-2025' से सम्मानित होना के.पी. मलिक के लंबे और समर्पित पत्रकारिता सफर की स्वाभाविक उपलब्धि मानी जा रही है, जिसने देशभर में उनकी प्रतिष्ठा को और अधिक मज़बूत किया है।

अशोक कुमार निर्भय

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उष्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय पहलवान गिरधारी के जन्मदिन पर गोरखपुर कुमार का हुआ आयोजन

बलवंत चतुरबन्दुआरी बने जिला कुमार गोपाल खुटभार उप कुमार बने भोलू तीसरा स्थान प्राप्त किये

खजनी गोरखपुर स्वः तेरस पहलवान व्यामशाला खुटभार खजनी मे स्थित अखाडे पर पहलवान गिरधारी के जन्मदिन पर गोरखपुर कुमार का आयोजन किया गया जिसमे 25 जोड कुश्तियां का आयोजन किया गया। गिरधारी पहलवान ने पहलवानों का हाथ मिलवाकर कुश्ती का शुभारंभ कराया पहलवान ने कहा लगन व परिश्रम से मेहनत अगर की जाये तो परिवर्तन अवश्य होगा चाहे वो पहलवानी का क्षेत्र हो चाहे पढाई का हो यह माटी की कला है यह विलुप्त होती जा रही है अतः इसको हम सबको जिवित रखना चाहिए ताकि गांव क्षेत्र से भी पहलवान आगे जाये और क्षेत्र जवार का नाम रोशन करे। मुख्य अतिथि रहे पिन्टू शुक्ला, जे डी महेश तिवारी,नितेश शुक्ला, हरेन्द्र यादव, संदीप ,सुदामा यादव, प्रदिप, विनोद, वेद पहलवान, रमाकांत,गौरव, लक्ष्मण,वैजनाथ, अमन, राजकमल पहलवान ने पहलावानो का हाथ मिलवाकर पहलवानों का मनोबल बढाया अरुण पाल ने राज यादव रिंकू ने पहलवान विनय पासवान सचिन ने सत्येंद्र को संदीप ने निखिल को रमन ने पन्नेलाल को अंशु ने राजकुमार को आकाश ने नितेश को अजय ने सूरज को गोलू ने श्रेयांश को देवेश ने ध्रुव को सौरभ ने अजय को हराया अखाड़े के गुरू राष्ट्रीय पहलवान सुदामा यादव ने आये हुए सभी अतिथियों को माला व साफा बाधकर स्वागत किया रेफरी की भुमिका में श्याम पाल रहे ।

पिता की स्मृतियों को संजोए रखना ही वास्तविक श्राद्ध : कनकलता

देवरिया, 13 दिसंबर। समाजवादी पृष्ठभूमि के स्वतंत्रता सेनानी रामपति सिंह यादव का जीवन बिना किसी सांसद या विधायक पद के देश व जनसेवा को समर्पित रहा। यह बातें श्रद्धांजलि सभा एवं कंबल वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व राज्य मंत्री एवं भदंत ज्ञानेश्वर बुद्ध विहार के विहाराधिपति भंते महेंद्र ने कही। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान रहते हुए रामपति ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पशु चिकित्सालय, क्षेत्र समिति कार्यालय व सहकारी गोदाम जैसी जनोपयोगी संस्थाओं की स्थापना कर डुमरी को विकसित गांव बनाया। उन्होंने रामपति सिंह यादव एवं उनकी पत्नी कौलेश्वरी यादव को नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं पूर्व राज्यसभा सांसद कनकलता सिंह ने कहा कि माता-पिता की स्मृतियों को सहेजना और उनकी याद में गरीबों की सेवा करना ही वास्तविक श्राद्ध है। गरीबों की सेवा से बड़ा कोई पुण्य नहीं। विशिष्ट अतिथि परवेज आलम ने कहा कि माता-पिता से बढ़कर कोई नहीं होता। उनके निधन के बाद उनकी स्मृति में ऐसे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। स्वतंत्रता सेनानी रामपति सिंह यादव की स्मृति में तथा उनकी पत्नी कौलेश्वरी यादव के स्मृति दिवस पर वर्ष 2000 से निरंतर आयोजित इस कार्यक्रम में आयोजक चंद्रभूषण सिंह यादव द्वारा 100 जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए तथा समाज के चार दर्जन विशिष्ट जनों को शाल व पीडीए गमछा देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दीना चौधरी, पंकज वर्मा, तेजप्रकाश जायसवाल, नन्हे खां, शंभू शरण कुशवाहा, पवन कुशवाहा, रामप्यारे यादव, डॉ. सुदामा यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन चंद्रभूषण सिंह यादव ने किया।

पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में निविदाकर्मी पर धन उगाही का गंभीर आरोप, जांच के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में कार्यरत एक निविदाकर्मी पर धन उगाही के गंभीर आरोप सामने आए हैं। इस मामले को लेकर निगम प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश जारी किए हैं। प्रकरण गोरखपुर जनपद के 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है, जहां निविदा पर कार्यरत कर्मचारियों के बीच विवाद और अवैध वसूली की शिकायत सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम शाहपुर बड़ा, पोस्ट उरूवा बाजार, तहसील गोरखपुर निवासी श्री श्रवण कुमार जायसवाल, जो कि उक्त उपकेन्द्र पर निविदाकर्मी के रूप में कार्यरत थे, उन्हें कार्य से हटा दिया गया। इसके बाद उन्होंने साथ में कार्यरत निविदाकर्मी श्री शिवकुमार हरिजन पर धन उगाही करने का आरोप लगाते हुए उच्चाधिकारियों को लिखित शिकायत भेजी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि श्री शिवकुमार हरिजन द्वारा कर्मचारियों से अवैध रूप से धन की मांग की जा रही थी और विरोध करने पर नौकरी से हटवाने की धमकी दी जाती थी। इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अधीक्षण अभियन्ता (प्रशासन), पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, वाराणसी द्वारा पत्रांक 526 दिनांक 04 नवंबर 2025 को संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया। इसी क्रम में कार्मिक अधिकारी संदीप वर्मा द्वारा अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल-द्वितीय, गोरखपुर को निर्देश जारी करते हुए मामले की विस्तृत जांच एवं परीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराने को कहा गया है। जांच रिपोर्ट ई-मेल के माध्यम से निगम मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस पत्र की प्रतिलिपि मुख्य अभियन्ता (वितरण) वाराणसी तथा मुख्य अभियन्ता (वितरण) गोरखपुर क्षेत्र प्रथम को भी सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की गई है। इस घटना के बाद विद्युत विभाग के निविदाकर्मियों में हड़कंप मचा हुआ है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि आरोप सही हैं तो इस तरह की अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जानी चाहिए, ताकि कार्यस्थल पर भयमुक्त वातावरण बना रहे। अब सभी की नजरें निगम प्रशासन की जांच रिपोर्ट और आगे होने वाली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

समाधान दिवस पर गोला थाने का औचक निरीक्षण, एडीजी मुथा अशोक जैन ने सुनी फरियादियों की पीड़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला बाजार गोरखपुर 7 जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण और प्रशासनिक व्यवस्था की जमीनी हकीकत परखने के उद्देश्य से शनिवार को गोला थाने पर आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में उस समय खासा हलचल रही, जब अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन मुथा अशोक जैन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करन नय्यर दोपहर ठीक साढ़े बारह बजे भारी पुलिस बल के साथ थाने पहुंचे। उनके आगमन से पहले ही एसपी आरए दक्षिणी दिनेश कुमार पुरी और सीओ गोला दरवेश कुमार मौजूद रहे। जिला मुख्यालय से आए सशस्त्र पुलिस बल द्वारा एडीजी को गार्ड ऑफ ऑनर और सलामी दी गई। सलामी लेने के बाद एडीजी जैन सीधे निरीक्षण पर निकल पड़े। उन्होंने शस्त्रागार का विधिवत निरीक्षण किया और थाने के दीवान से आवश्यक पूछताछ की। थाना परिसर, साफ-सफाई व्यवस्था और महिला सशक्तिकरण कार्यालय का निरीक्षण करते हुए वे संतोषजनक स्थिति में नजर आए। इसके साथ ही आवासीय परिसर की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। इसके बाद समाधान दिवस में उपस्थित फरियादियों से सीधे संवाद किया गया। इस दौरान गोपालापुर निवासी भाजपा बूथ अध्यक्ष गुड्डू राय ने एडीजी को शिकायती पत्र सौंपते हुए गोला थाना क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन, अवैध शराब बिक्री, सुअर के मांस की अवैध गतिविधियां तथा हरे व प्रतिबंधित पेड़ों की कटान जैसे गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने जेसीबी मशीनों से सरकारी भूमि पर हो रहे खनन और तरैना पुल के पास जंगल क्षेत्र में अवैध गतिविधियों का जिक्र करते हुए स्थानीय पुलिस-प्रशासन की मिलीभगत का आरोप भी लगाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीजी जैन ने प्रकरण एसपी आरए दक्षिणी को सौंपते हुए स्वयं निगरानी कर त्वरित समाधान के निर्देश दिए। समाधान दिवस में राजस्व विभाग से जुड़े कई भूमि विवाद भी सामने आए। नायब तहसीलदार रमाकांत चौहान सहित राजस्व टीम ने पुलिस सहयोग में देरी की समस्या उठाई, जिस पर एडीजी ने पुलिस-राजस्व समन्वय को और मजबूत करने का भरोसा दिया। एडीजी जैन ने कहा कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद पुलिस बल की कमी दूर होगी और राजस्व विभाग की सहायता के लिए एक डेडीकेटेड टीम हमेशा उपलब्ध रहेगी। एक गांव में एक साथ कई मामलों के समाधान की रणनीति पर भी चर्चा हुई। समाधान दिवस के समापन पर पत्रकारों से बातचीत में एडीजी ने अवैध खनन जैसी शिकायतों की पुष्टि करते हुए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया। उन्होंने थाना परिसर में पड़े कंडम वाहनों को हटाने, आवासीय सुविधा बढ़ाने और रामजानकी मार्ग पर बढ़े ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक कोऑर्डिनेशन कमेटी के तहत विशेष व्यवस्था लागू करने की बात कही। करीब तीन बजे एडीजी का काफिला अन्य स्थान के लिए रवाना हुआ, जाते समय पुनः सलामी दी गई।

पुलिस का चला सघन अभियान, सुरक्षा-संवाद से लेकर अपराध पर कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद में शनिवार को सुरक्षा, जनसंवाद और अपराध नियंत्रण को लेकर व्यापक स्तर पर अभियान चलाया गया। इसी क्रम में प्रातः 5 बजे से 8 बजे तक मार्निंग वॉकर चेकिंग अभियान संचालित किया गया, जिसमें सभी थाना प्रभारियों व थानाध्यक्षों ने आमजन से सीधा संवाद स्थापित कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया। अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की सघन चेकिंग की गई तथा यातायात व कानून उल्लंघन के मामलों में कार्रवाई की गई। मार्निंग वॉकर अभियान का उद्देश्य सामुदायिक सहभागिता के तहत पुलिस-जन संवाद को मजबूत करना, छोटे-मोटे विवादों का त्वरित समाधान करना और मित्र पुलिसिंग की भावना को बढ़ावा देना रहा। चेकिंग के दौरान चोरी की गाड़ियों की तलाश, तीन सवारी, मॉडिफाइड साइलेंसर, नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन, अवैध असलहा व मादक पदार्थों पर विशेष निगरानी रखी गई। अभियान के तहत जनपद के 23 स्थानों पर 368 व्यक्तियों एवं 202 वाहनों की चेकिंग की गई। आमजन ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। इसी दिन पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना गौरीबाजार पर आयोजित समाधान दिवस में पहुंचकर फरियादियों की समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनी गईं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद व अन्य जनसमस्याओं का निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस के उपरांत थाना परिसर, अभिलेख, मालखाना, हवालात सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर साफ-सफाई व अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव पर बल दिया गया। अपराध नियंत्रण की दिशा में थाना श्रीरामपुर पुलिस ने चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर चोरी की TVS अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 90 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) द्वारा थाना मदनपुर पर विवेचकों की ओआर बैठक कर लंबित विवेचनाओं की समीक्षा की गई और समयबद्ध, पारदर्शी निस्तारण के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस आयोजित कर डेस्क सिस्टम के तहत जनसुनवाई की गई। कुल 146 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 29 का मौके पर निस्तारण किया गया, शेष के लिए संयुक्त टीमें गठित की गईं। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति फेज-5.0 व शक्ति दीदी अभियान के तहत स्कूलों, सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। छात्राओं एवं महिलाओं को डायल-112, 1090, 181, 1098, 1930 सहित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर सशक्तिकरण का संदेश दिया गया। कुल मिलाकर देवरिया पुलिस द्वारा चलाए गए इन अभियानों से जनपद में सुरक्षा, विश्वास और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में प्रभावी पहल देखने को मिली।

कांग्रेस पार्टी द्वारा शोक सभा आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' के नेतृत्व में शनिवार को पार्टी कार्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष, पूर्व केंद्रीय गृह एवं रक्षा मंत्री तथा पूर्व राज्यपाल शिवराज पाटिल जी के शुक्रवार सुबह निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। वक्ताओं ने शिवराज पाटिल जी के सार्वजनिक जीवन, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक व्यक्त करने वालों में पूर्व जिलाध्यक्ष सुयश मणि त्रिपाठी, राधवेंद्र सिंह 'राकेश', धर्मेंद्र सिंह, रामजी गिरी, जयदीप त्रिपाठी, मुकुंद भास्कर मणि, वरुण राय, आनंददेव गिरी 'चुन्नू', विनोद जायसवाल, भरत मणि, संजीव कुमार मिश्रा, चंदन वर्मा, शिव शंकर सिंह, आलोक त्रिपाठी 'राजन', सुनील कुमार तिवारी, मनोज मणि, रामप्रवेश सिंह, धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय, राजकुमार जायसवाल, आनंद श्रीवास्तव 'सोनू', सुनील यादव, विनोद दुबे, नागेंद्र शुक्ला, विजय शंकर मिश्रा, सत्यप्रकाश मणि, डॉ. एस. के. पाठक, डॉ. राजीव राय, पन्नालाल पाठक, कमलेश मिश्रा, संदीप पाण्डेय, राजकुमार यादव, अशोक कुशवाहा, राशिद अंसारी, बृजभान सिंह, गिरिजेश सिंह, उमेश यादव, रमाशंकर यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बहला-फुसलाकर युवती को भगाने और जेवर-नकदी हड़पने का सनसनीखेज आरोप,

●गोला पुलिस ने दो नामजद आरोपियों पर दर्ज किया मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के ग्राम कैथवली से युवती के अपहरण और आर्थिक शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। गांव के ही एक व्यक्ति और उसके रिश्तेदार पर युवती को बहला-फुसलाकर भगाने तथा उसके साथ मौजूद नकदी और जेवरात हड़पने का आरोप लगा है। पीड़िता के भाई की तहरीर पर गोला पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त विवरण के अनुसार पीड़िता के पिता रोज़गार के सिलसिले में बाहर रहते हैं। वे नियमित रूप से अपनी बेटी के बैंक खाते में पैसे भेजते थे, ताकि घर की जरूरतें पूरी हो सकें। इसी कारण युवती के खाते में पर्याप्त धनराशि जमा थी, साथ ही उसके पास पारिवारिक जेवरात भी थे। परिजनों का आरोप है कि गांव के ही एक व्यक्ति की नियत युवती पर खराब हो गई और उसने लालच में आकर धन व जेवर हड़पने की साजिश रच डाली। आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने अपने रिश्तेदार (साले) के साथ मिलकर बीते 10 दिसंबर को युवती को बहला-फुसलाकर घर से भगा दिया। युवती अपने साथ नकदी और जेवरात भी ले गई, जिसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं लग पाया है। अचानक हुई इस घटना से परिजन गहरे सदमे में हैं और अनहोनी की आशंका जता रहे हैं। पीड़िता के भाई ने पुलिस को दी गई तहरीर में आशंका व्यक्त की है कि दोनों आरोपी युवती के जेवर और पैसे हड़प कर उसे कहीं बेचने या किसी अन्य स्थान पर छिपाने की फिराक में हो सकते हैं। घटना के बाद से गांव का मुख्य आरोपी भी अपने घर से फरार बताया जा रहा है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। गोला पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों नामजद आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 87 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। पुलिस का कहना है कि युवती की सकुशल बरामदगी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि मोबाइल लोकेशन, रिश्तेदारों के संपर्क और अन्य तथ्यों की गहन जांच की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर युवती को सुरक्षित बरामद करने का प्रयास किया जाएगा। घटना के बाद गांव में चर्चा और चिंता का माहौल है, जबकि परिजन पुलिस से शीघ्र कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

रिश्तों की मर्यादा तार-तारः भतीजे के प्यार में चाची बेकाबू, भतीजे के प्यार में पागल चाची का थाने में हंगामा

●असम राइफल्स में तैनात जवान की छुट्टी बनी विवाद की जड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवां गोरखपुरः सहजनवां थाना क्षेत्र में शनिवार को रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया, जब भतीजे के प्यार में पागल चाची ने थाने में जमकर हंगामा किया। अचानक हुए इस हाई वोल्टेज ड्रामे से थाना परिसर में अफरा-तफरी मच गई और फरियादी से लेकर पुलिसकर्मी तक हैरान रह गए। मिली जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला, जो तीन बच्चों की मां है, का अपने ही सगे भतीजे से बीते करीब चार वर्षों से प्रेम संबंध चल रहा है। भतीजा असम राइफल्स में तैनात है और ड्यूटी के चलते अधिकतर बाहर रहता है। प्रेम प्रसंग गहराने के बाद महिला करीब तीन साल पहले अपने पति और बेटे को छोड़कर दो बेटियों के साथ सहजनवां में किराए के मकान में रहने लगी थी। बताया जा रहा है कि लंबे समय तक यह राज छिपा रहा, लेकिन जैसे ही असम राइफल्स का जवान छुट्टी पर गांव आया, रिश्ते की पोल खुल गई। परिवार में चर्चा शुरू हुई और मामला थाने तक पहुंच गया। शनिवार को महिला का पति अपने बेटे के साथ शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंचा। इसकी भनक महिला को लगी तो वह भी सीधे थाने आ धमकी। थाने पहुंचते ही महिला का गुस्सा सातवें आसमान पर था। आरोप है कि उसने पति और बेटे को देखते ही उन पर हमला करने की कोशिश की और उन्हें मारने के लिए दौड़ पड़ी। महिला के इस व्यवहार से थाना परिसर में हड़कंप मच गया। हालात बेकाबू होते देख महिला पुलिसकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप किया और किसी तरह महिला को काबू में कर शांत कराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला अपने पति को देखना तक नहीं चाहती थी और बार-बार झिझकते हुए उस पर झपट पड़ रही थी। थाना दिवस में मौजूद अन्य फरियादी इस पूरे घटनाक्रम को मूकदर्शक बनकर देखते रहे। कुछ देर के लिए माहौल पूरी तरह तनावपूर्ण हो गया। हालांकि, तमाम हंगामे के बावजूद किसी भी पक्ष की ओर से लिखित तहरीर नहीं दी गई। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत करा दिया। इस पूरे प्रकरण पर थाना प्रभारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि किसी भी पक्ष ने तहरीर नहीं दी है, इसलिए फिलहाल कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। फिलहाल, यह मामला इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है और रिश्तों की मर्यादा को लेकर कई सवाल खड़े कर रहा है।

सिकरिगंज क्षेत्र किंनुभार में अलाव की आग बनी काल, 65 वर्षीय वृद्धा की दर्दनाक मौत से गांव में पसरा मातम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर जनपद के सिकरीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम किन्नू भार में ठंड से बचाव के लिए जलाई गई अलाव की आग एक वृद्धा के लिए काल बन गई। इस हृदयविदारक हादसे में 65 वर्षीय देवमती पत्नी स्वर्गीय नागेन्द्र दूबे की जलकर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवमती रोज की तरह अलाव ताप रही थीं। इसी दौरान अचानक असंतुलित होकर वह आग की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से झुलस गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग बुझाई, लेकिन तब तक वह बुरी तरह झुलस चुकी थीं। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। देवमती की कोई संतान नहीं थी। उनका मायका डढहतथे गांव में ओझा परिवार में बताया जाता है। उनकी सगी बहन का विवाह किन्नू भार गांव में हुआ था। बहन के दोनों पुत्र तारकेश्वर दूबे और अनिल दूबे ने मानवीय पहल करते हुए तत्काल उन्हें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने उन्हें बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन हालत बेहद नाजुक होने के कारण आज सुबह करीब 6 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। उल्लेखनीय है कि देवमती के पति नागेन्द्र दूबे का निधन लगभग दस वर्ष पूर्व हो चुका था। परिजनों के अनुसार देवमती ने अपनी चल-अचल संपत्ति पहले ही बहन के पुत्रों के नाम कर दी थी। मृत्यु की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया। हल्का लेखपाल और तहसीलदार मौके पर पहुंचकर आवश्यक जानकारी एकत्र करते नजर आए। वहीं, सिकरीगंज थाना प्रभारी ने बताया कि इस संबंध में अभी तक थाने में कोई लिखित या मौखिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है। इस दुखद घटना ने एक बार फिर ठंड के मौसम में अलाव तापते समय बरती जाने वाली सावधानी की अहमियत को उजागर कर दिया है। गांव में हर आंख नम है और लोग दिवंगत वृद्धा को नम आंखों से याद कर रहे हैं।

लाभार्थियों को बुलाने में सहयोग कर रहा पीएसपी

●टीका उत्सव में भी भागीदारी निभा रहे पीएसपी सदस्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया, फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत गठित पीएसपी सदस्य अब जिले में बुधवार और शनिवार को आयोजित होने वाले टीका उत्सव में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पीएसपी सदस्य टीकाकरण से वंचित बच्चों के घर-घर जाकर उन्हें बुलावा पर्ची देकर टीकाकरण के लिए प्रेरित कर रहे हैं। साथ ही बच्चों को 12 घातक बीमारियों से बचाने वाले टीकों और फाइलेरिया से बचाव के प्रति भी जागरूक कर रहे हैं। सत्र के दौरान गर्भवती महिलाओं को सही पोषण एवं संतुलित आहार के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के पथरदेवा, भटनी और भलुअनी ब्लॉक के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर पीएसपी का गठन किया गया है। इस प्लेटफॉर्म में सीएचओ, एएनएम, ग्राम प्रधान, संगिनी, आशा, वालंटियर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, फाइलेरिया मरीज एवं कोटेदार को सदस्य बनाया गया है। पीएसपी सदस्यों के सहयोग से वेलनेस कैलेंडर के अनुसार समुदाय में जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। वीएचएसएनडी (ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस) सत्रों को टीका उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है, जहां टीकाकरण से मना करने वाले परिवारों एवं छूटे बच्चों को समझाकर टीकाकरण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सत्र का शुभारंभ ग्राम प्रधान द्वारा फीता काटकर किया जा रहा है। पीएसपी सदस्यों द्वारा लोगों को यह भी बताया जा रहा है कि फाइलेरिया एक गंभीर एवं लाइलाज बीमारी है, जो क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलती है। इसके लक्षण 5 से 15 वर्ष बाद दिखाई देते हैं, जिसमें हाथ-पैर या अंडकोष में सूजन तथा महिलाओं में स्तन के आकार में परिवर्तन शामिल है। प्रारंभिक अवस्था में इसकी पहचान कर दवा का सेवन करने से इस बीमारी से बचाव संभव है। साल में एक बार लगातार पांच वर्षों तक दवा सेवन से फाइलेरिया से बचाव किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने अगस्त से लौटते युवक को पकड़ा तमंचा बरामद भेजा जेल

बरेली/थाना हाफिजगंज की पुलिस ने आज सुबह कष्ट से लौटते समय घटना की जगह सेथल उर्स से लौटते समय उप निरीक्षक सत्येंद्र कुमार वैभव गुप्ता फोर्स सहित लौट रहे थे रास्ते में असलम पुत्र आप निवासी चिराग नगर थाना हाफिजगंज को पुलिस ने शक होने पर पकड़ लिया तो उसके पास से 315 बोर तमंचा एक कारतूस जिंदा बरामद हुआ पुलिस द्वारा युवक से अवैध शस्त्र रखना का लाइसेंस मांगा तो है शक पका गया पुलिस उसे थाने ले आई और अवैध शस्त्र रखने के आरोप में जेल भेज दिया।

यूटा ने विद्यालय के समय में परिवर्तन के लिए जिलाधिकारी से की मांग

सिद्धार्थनगर। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन यूटा सिद्धार्थनगर द्वारा सुबह के समय अत्यधिक शीतलहर और घने कोहरे को देखते हुए विद्यालय के समय में परिवर्तन के लिए जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर को ज्ञापन देकर मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि सुबह के समय घने कोहरे और शीतलहर के कारण छात्रों को विद्यालय आने में कठिनाई हो रही है और छोटे बच्चों के स्वास्थ पर भी असर पड़ रहा है। सुबह के समय घना कोहरा पड़ने से शिक्षकों को भी विद्यालय आने में दुर्घटना की संभावना बनी रहती है इसलिए परिषदीय विद्यालयों का समय प्रातः नौ बजे से तीन बजे तक की जगह प्रातः दस बजे से तीन बजे तक परिवर्तित कर दिया जाय।ज्ञापन देते समय यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन यूटा के बस्ती मंडल अध्यक्ष हरिमोहन सिंह श्रीनेत, जिलाध्यक्ष अभय कुमार पांडेय, जिला महामंत्री प्रकाशनाथ त्रिपाठी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विद्युत विभाग के 13 संविदा कर्मचारी बर्खास्त, मुख्य अभियंता की रिपोर्ट पर बरेली में कार्रवाई

रेली। विद्युत विभाग में कार्यरत 13 संविदा कर्मियों को विभिन्न कारणों से बर्खास्त कर दिया गया है। इनमें से आठ कर्मचारी बिना किसी पूर्व सूचना के लंबे समय से अनुपस्थित चल रहे थे। दो कर्मचारी 55 वर्ष की आयु पूरी कर चुके थे, जबकि एक कर्मचारी त्याग पत्र दे चुका था।

बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित चल रहे थे

एसएसओ लालसेन, राहुल, आकाश लंबे समय से बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित चल रहे थे। जबकि एसएसओ तेजेंद्र ने त्याग पत्र दे दिया था। इनके अलावा एएसओ दिनेश चंद्र शर्मा की आयु 55 वर्ष से अधिक हो गई थी। इसकी वजह इन पांचों लोगों की सेवा समाप्त कर दी गई है। कुशल कर्मचारी फतेहउद्दीन, नाजिम अहमद, अजय, पवन कश्यप बिना किसी सूचना के अर्से से गायब हैं। इनके अलावा निखिल शर्मा, केशव नागर, देवेंद्र भी लंबे समय से अनुपस्थित चल रहे थे। जयपाल सिंह की आयु 55 वर्ष से अधिक हो चुकी थी। मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश की रिपोर्ट पर कार्मिक अधिकारी सुशील कुमार ने सभी की सेवा समाप्त करते हुए बिना अनुमति के गायब कर्मियों को ब्लैकलिस्ट करने के लिए कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया है।

नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा कुशलतापूर्वक सम्पन्न

चित्रकूट: जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छह में प्रवेश के लिए शनिवार को जिले के 10 केन्द्रों में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें कुल पंजीकृत 3415 में से 2,613 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया जबकि 802 गैरहाजिर रहे। पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय मानिकपुर के प्राचार्य राजेश बाबू ने बताया कि वर्ष 2026-27 सत्र के लिए पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा छह की प्रवेश परीक्षा शनिवार को हुई। जिसमें कर्वी के चित्रकूट इण्टर कॉलेज में 471, मानिकपुर क्षेत्र के आदर्श इण्टर कॉलेज में 220, जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय मानिकपुर में 103, त्यागी इण्टर कॉलेज ऐंचवारा में 250, मऊ क्षेत्र के पं. पुरुषोत्तम द्विवेदी इण्टर कॉलेज में 349, पीएम श्री राजकीय इण्टर कॉलेज बरगढ़ में 123, पहाड़ी क्षेत्र में पालेश्वरनाथ इण्टर कॉलेज पहाड़ी में 364, श्री गंगा प्रसाद जनसेवा इण्टर कॉलेज में 210, तुलसी इण्टर कॉलेज राजापुर में 366 और श्री गोस्वामी इण्टर कॉलेज छीबों में 157 बच्चों ने परीक्षा में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि शनिवार को हुई प्रवेश परीक्षा में कुल पंजीकृत छात्र 1923 में 1538 उपस्थित और 385 अनुपस्थित रहें। इसी प्रकार छात्राओं में 1,492 पंजीकृत के सापेक्ष 1074 ने परीक्षा में हिस्सा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के निर्देश पर पर्यवेक्षणीय अधिकारी निरंतर परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण करते रहे। सचल दल ने जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी बीरेन्द्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में कई परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण किया।

एक दशक से सी एच सी बेहजम में जमे अधीक्षक डॉक्टर अनिल वर्मा की भूमिका पर उठ रहे सबाल

● सी. एच. सी बेहजम में भ्रस्टाचार के आरोप

डिलिवरी के नाम पर अवैध वसूली के साथ साथ आशाओं को भुगतान में हेराफेरी कर कटौती किए जाने के आरोप

प्रसूताओ को मिलने वाले निशुल्क भोजन और नास्ता के नाम पर फर्जीवाड़ा कर सरकारी धन की लूट का मामला बना चर्चा का विषय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। मामला स्वास्थ्य महकमे की सी. एच. सी. बेहजम का है जहाँ पर योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति की धज्जियाँ उड़ाते हुए भ्रस्टाचार किए जाने का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेहजम में दलालों का साम्राज्य व्याप्त होने के आरोप लगाए जा रहे हैं जिनके द्वारा अल्प मानदेय भोगी आशाओं के साथ दोहरा मापदंड अपनाए जाने के साथ साथ उनके भुगतान में कटौती किए जाने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।विभागीय सूत्रों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि प्रसव कराने आने बाली प्रसूताओ से 500 से 700 रुपये की वसूली की जाती है। इतना ही नहीं शासन के स्पष्ट आदेशों के बाद भी प्रसूता को प्रसव के चंद घंटों बाद डिस्चार्ज कर दिया जाता है और काग़ज़ों पर उनको मिलने बाले भोजन और नास्ता पूरे समय का चढ़ाकर सरकारी धन का आपस में बंदर बांट कर लिया जाता है। इस खेल का खुलासा तो गत दिनों पूर्व सी.डी. ओ. के आकस्मिक निरीक्षण में हुआ था जिसके चलते जिम्मेदार लोगों को कड़ी फटकार भी लगी थी सख्त निर्देश भी दिए गए थे कि किसी भी प्रसूता को 24 घंटे तक अस्पताल में भर्ती रखा जाये। नाम गुप्त रखने की शर्त पर कई आशाओं ने बताया कि उनको मिलने बाले भुगतान में हेराफेरी कर कटौती की जाती है जो कटौती करवाने से मना करती हैं उन्हें निकाल देने की धमकी दी जाती है।आशाओं के बताये अनुसार पहले भुगतान में हेराफेरी की जाती है फिर उनके बिल बाउचर में छेड़छाड़ की जाती है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राउंड फ्लोर पर अस्पताल है और पहली मंजिल पर आशाओं का रिकॉर्ड रूम है जहाँ बिल बाउचर रखे जाते हैं।गत दिनों पूर्व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आशा के भुगतान रूम के रिकॉर्ड का ताला टूटा होने की खबर प्रकाशित हुई थी जिसमें बिल वाउचर अस्त व्यस्त पाए गए थे ।रिकॉर्ड रूम दूसरी मंजिल पर है और दूसरी मंजिल पर जाने के लिए जीने से होकर जाना होता जिस पर भी ताला पड़ा रहता है जीने का ताला पड़ा रहा और दूसरी मंजिल का ताला टूटा मिला ।कोई भी चीज की चोरी नहीं की गई, केवल विल और वाउचर अस्तव्यस्त पाए गए ,जिससे साफ जाहिर होता है कि यह एक साजिश के तहत की गई है ।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कुछ आशाओं से बात की गई तो उन्होंने बताया की सरकार के द्वारा हमसे काम अधिक लिया जाता है पर काम के हिसाब से हमें पैसा नहीं मिल पा रहा है नाम का खुलासा न करने पर बताया की एचबी एनसी एचबी वाइसी से लेकर परिवार नियोजन तक के काम में पैसा लेकर ही बीसी पीएम के द्वारा पैसा डाला जाता है पहले पैसा डाल दिया जाता है बाद में आशाओं से पैसा लिया जाता है जो आशा पैसा देने से इंकार करती हैं उनके खाते में पैसा नहीं डाला जाता है और उन्हें बराबर धमकी दी जाती है कि हम तुम्हें निकाल कर बाहर कर देंगे जब इसकी शिकायत कई आशाओं ने अधीक्षक अनिल वर्मा से की तो उन्होंने बताया किसी भी आशा के खाते से पैसा नहीं काटा जाएगा और हर महीने आशाओं के खाते में उन्हें पूरा पैसा ही दिया जाएगा । रिकॉर्ड रूम का ताला टूटने पर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाने का जो काम किया जा रहा है उसकी जानकारी फार्मासिस्ट रोशन लाल से की गई तो उन्होंने बताया उनके रूम की चाबी उनके पास क्यों रहेगी? आशा रिकॉर्ड रूम का ताला टूटने के बारे में अधीक्षक ने बताया इसकी जांच की जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा उसके ऊपर कारवाई की जाएगी।मामला जांच का विषय बना है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ0 प्रवीण भाई तोगड़िया का जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया ने मनाया जन्मोत्सव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद व राष्ट्रीय बजरंग दल के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू हृदय सम्राट माननीय डॉक्टर प्रवीण भाई तोगड़िया का बड़े धूमधाम से जन्मदिन मनाया गया या जन्मदिन का कार्यक्रम जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया के नेतृत्व में उनके निज निवास मोहल्ला पंजाबी कॉलोनी कस्बा गोला खीरी में मनाया गया। इसी दौरान एक बड़ा सा केक काटा गया और उनके 59वें जन्मदिन की पूरे देशवासियों व सनातन धर्मियों को बधाई दी गई। इसी दौरान राकेश कनौजिया ने सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को अपने संबोधन में कहा कि डॉक्टर साहब का पूरे देश में एक लाख श्री हनुमान चालीसा चलाएं जाने का संकल्प लिया और हमारा लक्ष्य है इनके दिशा निर्देश पर लखीमपुर खीरी में 501 हनुमान चालीसा चलाया जाएगा। सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता 5-5 लोगों की समिति बनाकर और मठ मंदिर धार्मिक स्थल में अपने-अपने क्षेत्र में इसका संचालन करेंगे। इसी दौरान प्रमोद गुप्ता नगर अध्यक्ष ने अपने संबोधन में सभी को जात पात से मुक्त होकर एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने समुदाय स्वास्थ्य केंद्र गोला में भारी संख्या में पहुंचकर सभी मरीजों को फल वितरण किया और सभी मरीजों को जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया के साथ जिला महामंत्री प्रदीप जायसवाल, जिला मीडिया प्रभारी पंकज शुक्ला, ब्लॉक मीडिया प्रभारी संजय सिंह चौहान, विधानसभा उपाध्यक्ष चंचल कश्यप, जिला संयुक्त मंत्री कुशविंदर सिंह चौहान, जिला कार्यवाहक अध्यक्ष अंशु वर्मा AHP, मनोज वर्मा जिला मंत्री AHP, नगर अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, आकाश कुमार मंडल उपाध्यक्ष बिजुआ, हैप्पी गुप्ता मंडल मंत्री बिजुआ, गोल्ड मिश्रा मंडल अध्यक्ष बिजुआ, छोटू भाई संयुक्त मंत्री, विष्णु ब्लाक महामंत्री बिजुआ, नीरज पटेल, सीतू कश्यप, विकास कनौजिया जितेंद्र कुमार सहित भारी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

ओसवाल चीनीमिल से गन्ना भुगतान के लिए किसान दे रहे धरना छठे दिन भी कोई सुनवाई नहीं

● क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि प्रशासन की उदासीनता का है परिणाम अपने ही पैसे के लिए धरना पर बैठे हैं किसान जिम्मेदार मौन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ नवाबगंज के ओसवाल चीनी मिल को गन्ना देने के दो वर्ष बीत जाने के बाद भी किसानों को उनके गन्ने का भुगतान नहीं मिला कभी झूठा बादा किया गया एक महीने में भुगतान करवा दिया जाएगा तो कभी चीनी मिल नीलाम कर दिया जायेगा तब पैसा मिल जाए गा कभी कहा मिल बिक रही है इस तरह किसानों को केवल किया गया गुमराह इस कड़ाके की सर्दी में भी अपने गन्ना भुगतान को लेकर तहसील कार्यालय पर अनिश्चितकालीन हड़ताल धरना पर बैठे हुए हैं। इनकी सुनने के लिए स्थानीय प्रशासन एवं जन प्रतिनिधि नहीं आ रहे है सामाजिक संस्था पहनी नजर की अध्यक्ष सुनीता गंगवार के नेतृत्व में गन्ना किसानों का भुगतान करवाने के लिए तहसील प्रांगण में 8 दिसंबर 2025 से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठी है उनके साथ किसान ओसवाल चीनी मिल को गन्ना देने के बाद अपना पैसा मांगने के लिए अवधरना देने को मजबूर है ज्ञात रहे ओसवाल चीनी मिल ने किसानों का गन्ना लेने के बाद 2 वर्ष बीत जाने के बादभी भुगतान नहीं किया। जब के किसानों का 70 करोड़ रूपया चीनी मिल पर बकाया है फिर भी किसानों के भुगतान करने के लिए कोई भी मैदान में नहीं उतरा धरना दे रहे किसानों ने गन्ना समिति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने को नवाबगंज कोतवाली में तहरीर दी जिस पर प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार श्रीवास्तव ने समिति के विरुद्ध साक्ष्य देने को कहा जांच करवारकर कार्यवाही की जाएगी इस धरना में किसानों के साथ बैठी सुनीता गंगवार ने किसानों का साथ देने के लिए कंधा से कंधा मिलाकर चलने का आश्वासन दिया । इस घटना में क्षेत्र पंचायत सदस्य ग्राम प्रधान के साथ ही अर्जुन सिंह वाहिद अहमद अंसारी ब्रह्मानंद गंगवार राम रतन गंगवार बृजेश उग्र राय लाल फौजी सरदार सेवा सिंह आदि ने भी करने में पहुंचकर समर्थन किया इस धारणा को गति देने के लिए सपा ने भी धरना में पहुंचकर समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष अनिल गंगवार पूर्व ब्लाक प्रमुख पुरुषोत्तम गंगवार शीतल नगर पंचायत अध्यक्ष कंबर एजाज सानू और बिलासपुर मुख्य नरोत्तम दास मुन्ना ओमेंद्र गंगवार जिला पंचायत सदस्य नेहा गंगवार छेड़ लाल दिवाकर ग्राम प्रधान प्रहलाद गंगवार नरेंद्र गंगवार बबलू गंगवार आदि धरना दे रहे किसानों का हौसला अफजाई करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया।

सवर्ण आयोग के गठन की मांग को लेकर दिया गया धरना

चित्रकूट: जातिगत आरक्षण समाप्त करने की मांग को लेकर शनिवार को सवर्ण आर्मी ने जिला मुख्यालय में धरना दिया। इस दौरान तीन सूत्रीय ज्ञापन मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया। जिला मुख्यालय में आयोजित धरने में सवर्ण आर्मी के प्रदेश महासचिव विजय कुमार शुक्ला ने कहा कि देश की आजादी से अब तक आरक्षण की व्यवस्था जाति के आधार पर ही चल रही है। वर्तमान समय में सामान्य वर्ग में भी गरीबी व बदहाली की स्थिति है। ऐसे में पूरे सामान्य वर्ग को आरक्षण के चलते सरकारी व्यवस्थाओं से वंचित न रखा जाए। जिलाध्यक्ष विनय मिश्रा ने कहा कि आरक्षण जैसी व्यवस्था से सामान्य वर्ग के बहुत सारे बच्चे वंचित रह जाते है। आरक्षण व्यवस्था समाप्त होने पर प्रतिभाशाली बच्चों को स्थान मिलेगा। जिससे राष्ट्र सुदृढ़ रहेगा। धरने में मौजूद पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला ने कहा कि एससी/एसटी एक्ट को हथियार के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। जिसमें तमाम लोग निर्दोष फंसा दिए जाते है। ऐसे में इस कानून में सुधार किया जाए या फिर इसको समाप्त किया जाए। इस दौरान मुख्यमंत्री को सम्बोधित तीन सूत्रीय ज्ञापन प्रेषित किया गया। जिसमें सवर्ण आयोग का गठन करने, जातिगत आरक्षण समाप्त करते हुए आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने व एससी/एसटी एक्ट समाप्त करने की मांग की गई। इस मौके पर कुलदीप मिश्रा, ललित तिवारी, सुधीर प्रसाद मिश्रा, धर्मेन्द्र मिश्रा, दीपक मिश्रा, राहुल मिश्रा, मुन्नू मिश्रा आदि मौजूद रहे।

धड़ल्ले से बिक रहा मौत का चाइनीज मांझा ,बच्चों की सुरक्षा ताक पर

हमीरपुर :- सरकारी प्रतिबंध के बावजूद कस्बे सहित क्षेत्र में चाइनीज मांझे की बिक्री धड़ल्ले से जारी है। पतंगबाजी का मौसम शुरू होते ही दुकानों पर बच्चों को खतरनाक मांझा बेचा जा रहा है। मोहल्ला उपरौस, देवी चौराहा सहित कई इलाकों में दुकानदार नियमों को ताक पर रखकर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में चाइनीज मांझे से कटकर लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो रही है। लोगों का आरोप है कि पुलिस सब कुछ जानते हुए भी अनजान बनी हुई है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों ने मांग की है कि प्रतिबंधित मांझे की बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए।

कुटीर उद्योग बना कच्ची शराब कारोबार पर नहीं लग पा रही लगाम

● मामला पुलिस चौकी कुकुरा क्षेत्र का है जहाँ पर बेख़ौफ़ बेची जा रही कच्ची शराब

यक्ष प्रश्नःआखिर किसकी शह पर फल फूल रहा अवैध काला कारोबार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांकेगंज खीरी। थाना मैलानी की पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत कई गांवों में कच्ची शराब कारोबार अपने पूरे शबाब पर होने का मामला प्रकाश में आया है। सूत्र बताते हैं कि कस्बा कुकुरा निवासी एक कच्ची शराब कारोबारी खुला कच्ची शराब की बिक्री करते देखा जा रहा है।इसके बावजूद पुलिस प्रशासन और आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा इस कारोबार पर कोई रोक नहीं लगाई जा रही है।जिसके चलते आसानी से उपलब्ध हो रही कच्ची शराब के नशे में युवा पीढ़ी नशे की गर्त में समाता जा रहा है ।सूत्र बताते हैं कि यह कच्ची शराब कारोबारी अपनी बाइक पर बोरियों में भरकर गांवों में शराब के पाउच की सप्लाई करते देखा जा रहा है।पुलिस चौकी कुकुरा के तेज तर्रार चौकी प्रभारी इस कारोबार पर रोक लगा पाने में नाकाम रहे हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि इस काले कारोबार की जानकारी थाना प्रभारी से लेकर ऊपर तक है फिर भी इस पर रोक ठ लगना संदेह पैदा करता है।लोगों का आरोप है कि यहां दाल में काला नहीं बल्कि पूरी दाल ही काली है । लोग कयास लगा रहे हैं कि ऐसी क्या बात है जो इस अवैध कारोबार पर प्रतिबंध लगा पाने में पुलिस प्रशासन नाकाम दिखाई पड रहा है। मामला अखबारी सुर्खियां बनने के बाद भी जिम्मेदार लोगों के कान पर जू नहीं रेंग रहा है।नाम न छापने की शर्त पर कुकुरा निवासी कई लोगों ने बताया कि सेटिंग गेटिंग से कारोबार संचालित होने के चलते इस पर रोक लग पाना सम्भव नज़र नहीं आ रहा है। अब देखना यह है कि मैलानी पुलिस इस कारोबार पर प्रतिबंध लगा पाती है या फिर यू ही काली कमाई का खेल जारी रहेगा।और जिले के तेज तर्रार तथा इमानदार पुलिस अधीक्षक की छवि को धूमिल किया जाता रहेगा।

मिदनिया तिराहा-एसएसबी रोड को मिलेगी नई पहचान, DM की पहल पर शुरू हुआ हाई-स्टैंडर्ड सीसी रोड का काम

● डीएम ने अफसरों की टीम संग मिदनिया तिराहा-एसएसबी सड़क मार्ग का किया स्थलीय निरीक्षण, दिए सख्त निर्देश

वर्षों की जनता की माँग को डीएम ने दी ज़मीन पर शक्ल

3 मीटर से 5.30 मीटर चौड़ी होगी सड़क, दोनों ओर इंटरलॉक व पक्की नालियाँ

अतिक्रमण हटेगा, बाधक बिजली पोल होंगे शिफ्ट, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी, 13 दिसंबर। जिला मुख्यालय की सबसे व्यस्त और सालों से जनता की माँग बनी सड़क डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की पहल पर नए रूप में ढलने लगी है। मिदनिया तिराहे से एसएसबी बटालियन होते हुए शहर सीमा तक चलने वाले इस अहम मार्ग पर 3 मीटर की पुरानी सड़क को बढ़ाकर 5.30 मीटर चौड़ी सीसी रोड बनाया जा रहा है। सड़क की दोनो ओर इंटरलॉक और नाली निर्माण भी प्रस्तावित है। यही नहीं, यह नई सड़क सीधे बाईपास से जुड़कर यातायात को नई रफ्तार देगी। शनिवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल स्वयं एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह और अफसरों की टीम के साथ मौके पर पहुँचीं और पूरे मार्ग का पैदल निरीक्षण किया। डीएम ने निर्माण गुणवत्ता, लेवलिंग, ढलाई, रोड कटिंग और कार्य की गति की गहन समीक्षा की और स्पष्ट शब्दों में कहा कि गुणवत्ता में किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं होगा। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सड़क निर्माण में बाधा बन रहे बिजली पोलों की शीघ्र शिफ्टिंग, सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने, स्लैब की मजबूती और समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने गौरतलब है कि डीएम की पहल पर मिदनिया तिराहे से एसएसबी के आगे तक गढ़ी मार्ग के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और नाली निर्माण का कार्य अवस्थापना विकास निधि व विकास शुल्क निधि से 1.94 करोड़ रुपये की लागत से कराया जा रहा है। इनकी रही मौजूदगीः निरीक्षण में लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड) के अधिशासी अभियंता तरुणेन्द्र त्रिपाठी, विद्युत एक्सईएन शैलेंद्र कुमार, नायब तहसीलदार अश्विनी कुमार, प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह समेत पूरी राजस्व टीम मौजूद रही।

मेमोरियल हाल रोड की गुणवत्ता पर डीएम का छापा, घटिया निर्माण पर भुगतान रोका

● औचक निरीक्षण में उखड़ती बजड़ी देख भड़कीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, शिथिल पर्यवेक्षण पर ईओ का रोका वेतन

अवर अभियंता को फटकार, गुणवत्ता सुधारे बिना भुगतान पर सख्त रोक

सड़क पर चूने से चिन्हांकन, आज ही सैंपल लेने के निर्देश

सातवें और 14वें दिन दोबारा सैंपल जांच के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी, 13 दिसंबर। नगर पालिका परिषद लखीमपुर क्षेत्र में निर्माणाधीन मेमोरियल हाल सड़क मार्ग पर शनिवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल का औचक निरीक्षण मानो ठेकेदारों और अभियंताओं के लिए अलार्म बेल बन गया। सड़क की हालत देखते ही डीएम का पारा चढ़ गया। जगह-जगह उखड़ती बजड़ी और कमजोर सतह ने घटिया निर्माण की कहानी खुद बयां कर दी। डीएम ने मौके पर ही अवर अभियंता नगर पालिका को जमकर फटकार लगाई और साफ शब्दों में चेताया कि जब तक गुणवत्ता संतोषजनक नहीं, तब तक भुगतान नहीं होगा। इतना ही नहीं, डीएम ने तुरंत चूना मंगवाया और सड़क पर जहां-जहां बजड़ी उखड़ रही थी, वहां चूने से गोले बनवाकर चिन्हांकन कराया। लोक निर्माण विभाग को आज ही सैंपल लेने के निर्देश दिए गए, साथ ही सातवें और 14वें दिन दोबारा सैंपल जांच कराने के सख्त आदेश दिए। वही शिथिल पर्यवेक्षक पर ईओ का वेतन बाधित करने की निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने बाइट्स एंड बियॉन्ड के सामने नाली पर हुए अतिक्रमण को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नाली पूरी तरह साफ-सुथरी रहे और पानी का प्रवाह कहीं भी बाधित न हो। खासतौर पर अंबेडकर तिराहे के मोड़ पर बार-बार होने वाले जलभराव को लेकर डीएम ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यहां से पानी की समुचित निकासी सुनिश्चित की जाए और भविष्य में किसी भी हालत में जलभराव न होने पाए। डीएम के निर्देश मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया। एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता तरुणेन्द्र त्रिपाठी और उनकी टीम ने चिन्हित चूने वाले स्थानों से तत्काल सैंपल संग्रहित किया।

कोहरे में भी उड़ानें सुरक्षित! बरेली एयरपोर्ट पर इंडिगो और AAI स्टाफ को मिली स्पेशल ट्रेनिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। कोहरे के बीच सुरक्षित संचालन के लिए इंडिगो एयरलाइंस और एयरपोर्ट अथारिटी के स्टाफ को ट्रेनिंग दी गई। इस दौरान बताया गया कि अत्यधिक कोहरे के बीच विमानों को उड़ाने में क्या दिक्कतें आती हैं। इस चुनौतियों के बीच किस तरह से यात्रियों को सेफ्टी के साथ समय पर उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा सके, इसे लेकर प्रशिक्षित किया गया। एयरपोर्ट अथारिटी के अधिकारियों का कहना है कि कोहरा पड़ना शुरू हो गया है, इसके बावजूद उड़ाने लगभग समय से ही संचालित हो रही हैं। कोहरे के कारण कई बार फ्लाइट के आने-जाने का समय काफी प्रभावित होता है। कई बार दृश्यता इतनी कम रहती है कि चालक को विमान उतारने और उड़ाने में काफी जटित स्थिति से गुजरना पड़ता है। इतना ही नहीं, इन्हीं कारणों की वजह से उड़ानों को रद्द करना तक पड़ जाता है। इस बार ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयारी की जा रही है। शुक्रवार को विमानपत्तन निदेशक के नेतृत्व में सर्दी के मौसम में कोहरे की स्थिति से निपटने के लिए बरेली हवाई अड्डे पर एक अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान हवाई अड्डे पर कार्यरत भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के विद्युत, सिविल, प्रचालन, इंडिगो एयरलाइंस के कर्मचारी और हवाई अड्डा सुरक्षा यूनिट के कर्मचारी शामिल हुए। सभी एजेंसियों के कर्मचारियों ने अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों के अनुरूप कोहरे में विलंब से आने वाले हवाई जहाज के कारण हवाई अड्डे पर उत्पन्न व्यवधान असुविधा से निपटने के लिए क्या-क्या कार्य किए जाने हैं, इसका अभ्यास किया गया। इसके बाद विमानपत्तन निदेशक ने सभी एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक की और सुधारात्मक उपायों को अपनाने पर जोर दिया गया ।

संक्षिप्त खबरें

कृषि निवेश मेला व गोष्ठी में किसानों को दी उपयोगी जानकारी

सीखड़, मीरजापुर। विकास खंड स्तरीय कृषि निवेश मेला व गोष्ठी का आयोजन शनिवार को ब्लॉक मुख्यालय पर किया गया।सहभागिता कर रहे क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा रासायनिक उर्वरक के प्रयोग से मिट्टी की बिगड़ती सेहत, मिट्टी की जाँच कराके परिणाम के सापेक्ष जैविक उर्वरक व संतुलित अनुपात में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग व बीज शोधन के गुर सिखाए गए। इसके पूर्व मुख्य अतिथि क्षेत्र पंचायत प्रमुख सत्येंद्र बहादुर सिंह द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।उन्होंने अपने सम्बोधन के दौरान उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक विधि से उन्नत खेती करने के लिए बधाई दी तथा मृदा स्वास्थ कार्ड का वितरण भी किया। एडीओ क़ृषि द्वारा किसानों को फार्मर रजिस्ट्री, पीएम किसान सम्मान निधि के बारे में विस्तार से बताया गया।वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ श्री राम सिंह व डॉ एस एन सिंह ने मृदा संरक्षण, बीज शोधन व उर्वरकों के उपयोग के बारे में गहरी जानकारी दी। विशेषज्ञ साक्षी सिंह द्वारा किसानों को फसलो में लगने वाले रोगों व उनसे बचाव के उपायों पर चर्चा की।प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले किसानों को नैनो यूरिया व नैनो डीएपी देकर सम्मानित किया गया उत्साह वर्धन किया गया। मेले में इफ्को फ़र्टिलाइज़र, प्रधानमंत्री मंत्री फसल बीमा, पीएम सूर्य घर योजना, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस,के साथ ही विभिन्न कंपनियों द्वारा अपने अपने स्टाल के माध्यम से किसानों के लिए हितकारी योजनाओं के लाभ के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान भाजपा मण्डल अध्यक्ष विजय भारद्वाज,नरेन्द्र मिश्र, दिनेश सिंह,योगेंद्र कुमार सिंह,सत्यप्रकाश सिंह, वीरेंद्र सिंह, श्रवण कुमार सिंह सहित सैकड़ों किसान उपस्थित थे।

नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने गुदरी में सामुदायिक भवन और कृष्ण नगर में सीसी सड़क का किया लोकार्पण

मीरजापुर। नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने नगर के दो वार्डो में कोतवाली वार्ड के ऐतिहासिक गुदरी कुआं के पीछे सामुदायिक भवन एवं चंद्रदीपा वार्ड में कृष्ण नगर नटवा में पंद्रहवें कार्यवित्त योजना से नाली मरम्मत,कवर एवं सीसी सड़क निर्माण का विधिवत पूजन अर्चन कर लोकार्पण किया।इस मौके पर उन्होंने कहा कि दो सौ पैसठ साल पुराने इस ऐतिहासिक गुदरी का तमाशा जो कोतवाली के पीछे गुदरी में होता था,आज वहीं पर एक पक्का सामुदायिक भवन का निर्माण का कार्य नगरपालिका परिषद मीरजापुर द्वारा किया गया है।यह स्थान बहुत ही प्राचीन एवं मीरजापुर की ऐतिहासिक पहचान हैं,इस सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण बनाए रखना हम सब की जिम्मेदारी है।इससे पहले इसे साहू अखाड़ा के नाम से जाना जाता था,आज इसे प्रेम क्लब सोसायटी के द्वारा इसको संचालित किया जा रहा था,प्रत्येक वर्ष होली के अवसर पर स्थानीय नागरिकों के द्वारा यहां पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।सामुदायिक भवन बनने से मोहल्लेवासियों को शुभ कार्य,होली के अवसर पर किए जाने वाले तीन दिवसीय तमाशे का आयोजन और होली मिलन कार्यक्रम सहित अन्य का आयोजन करने के लिए इसका उपयोग कर सकेंगे।इस मौके पर सभासद वर्षा वर्मा, विनोद यादव,किशन कसेरा, श्याम सिंह,गौरव उमर,आशुतोष त्रिपाठी ,एड संजीव कुमार श्रीवास्तव,दिनेश यादव ,सफाई इंस्पेक्टर अहमजद हुसैन ,सत्यनारायण केशरी, कवि कसेरा,महेश वर्मा, कृष्ण कुमार सिंह,अभिषेक केशरवानी,सीताराम कसेरा , शिव कुमार ,बालगोविंद कसेरा ,प्रवि कसेरा ,संतोष ,राजेश ,अर्पित ,नमन, बालाजी कसेरा ,सोनू यादव ,सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बुलेट बाइक से अनियंत्रित होकर नहर में गिरी चालक की हुई मौत सवार गंभीर रूप से घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया, मिर्जापुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के बीरपुर मार्ग अहुगी कला गांव स्थित अदवा नहर में शुक्रवार की देर रात्रि में बुलेट बाइक से अनियंत्रित होकर नहर में गिरने से चालक की घटना स्थल पर मौत हो गई सवार गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने घटना की सूचना एम्बुलेंस सेवा वाहन 108 पर दिया मौके पर पहुँचे एम्बुलेंस कर्मियों ने दोनों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आए जंहा पर चिकित्सक ने बुलेट चालक को मृत घोषित कर आवश्यक कार्रवाई के लिए मेमो पुलिस को भेज दिया है। मृतक की शशि बाला ने तहरीर देकर कहा है कि दावत से वापस आते समय लावारिस मवेशी बचाने में नहर में गिरने से पुत्र की मौत हो गयी है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वही गंभीर रूप से घायल को ट्रामा सेंटर मिर्ज़ापुर के लिए रेफर कर दिया है । बुलेट बाइक चालक के परिजनों में अचानक इस घटना से कोहराम मच गया है । थाना क्षेत्र के हथेड़ा गांव निवासी अभिराज पाण्डेय का 24 वर्षीय पुत्र ऋतिक पाण्डेय उर्फ़ शुभम पाण्डेय अपने साथी गांव 25 वर्षीय वीरेंद्र के साथ अपने बुलेट से बीरपुर की तरफ से अपने घर की तरफ लौट रहे थे की जैसे ही बीरपुर अहुगी कला गांव के अदवा नहर के पास पहुँचे की बुलेट अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई जिससे बुलेट चालक ऋतिक पाण्डेय उर्फ़ शुभम पाण्डेय की घटना स्थल पर मौत हो गई जबकि बुलेट सवार वीरेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने घटना की सूचना एम्बुलेंस सेवा वाहन 108 पर दिया मौके पर पहुँचे एम्बुलेंस सेवा वाहन के ईएमटी संतोष भारतीय व पायलट प्रवीण पाल ने दोनों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आए जंहा पर चिकित्सक विमल कुमार ने शुभम पाण्डेय को मृत घोषित कर दिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस को मेमो भेज दिया है वही वीरेंद्र की हालत गंभीर देखकर ट्रामा सेंटर मिर्ज़ापुर के लिए रेफर कर दिया है सूचना मिलने पर मौके पर पहुँचे थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने घटना की जांच पड़ताल किया है मृत बुलेट चालक के परिजनों में कोहराम मच गया है मृत युवक अविवाहित व दो भाइयों में छोटा था । इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया की बुलेट अनियंत्रित होकर नहर में गिरने से बुलेट चालक की मौत हो गई है जबकि दूसरा सवार युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सर्वे हेतु प्रोफेसर पूनम कुमारी ने जनपद भ्रमण के दौरान विकास खण्ड सिटी, कोन एवं कौशल विकास केन्द्र ग्लोबल इंस्टीट्यूट का किया निरीक्षण

● स्वंय सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं से वार्ता कर समूह से जुड़ने से पहले व जुड़ने के बाद उनके जीवन हुए परिवर्तन के बारे उनसे संवाद कर ली जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। शनिवार को महिलाओं को कौशल विकास, रोजगार और डिजिटल साक्षरता जैसे अवसरो के माध्यम से सशक्त बनाए जाने हेतु जनपद मीरजापुर में सर्वे हेतु प्रोफेसर पूनम कुमारी ने आज अपने जनपद भ्रमण के दौरान विकास खण्ड सिटी, कोन कौशल विकास केन्द्र ग्लोबल इंस्टीट्यूट का निरीक्षण किया। विकास खण्ड सिटी में प्रोफेसर पूनम कुमारी ने स्वंय सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं से वार्ता कर समूह से जुड़ने से पहले व जुड़ने के बाद क्या परिवर्तन आया है उनसे संवाद कर जानकारी ली गई। लाभार्थी देवी चौहान ने बताया कि एक वे दिव्यांग होते हुए भी समूह से जुड़कर स्वंय को आत्मनिर्भर बनाया। उन्होंने बताया कि वे सामुदायिक शौचालय में केयर टेकर का कार्य करती है और उन्हें मानदेय के रूप में रूपया 6000/- प्रति माह की दर मानदेय भी मिलता है। अघवार निवासी अनीता देवी ने बताया कि समूह के माध्यम ऋण लेकर चूरा व आइसक्रीम की मशीन लेकर अपना स्वंय रोजगार कर रही है। उन्होंने बताया कि मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 श्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्ग दर्शन में जन कल्याणकारी योजनाओं में अपेक्षित सहयोग के कारण हम सभी स्वंय आत्मनिर्भर बन अपना जीवन यापन कर रहे है। टांड निवासी रंजना मौर्या ने बताया कि वे 2019 से समूह से जुड़ी हुई है उनके समूह का नाम राम प्रेरणा स्वंय सहायता समूह है। उन्होंने बताया कि समूह में आने पहले बाहर आने जाने में काफी दिक्कत होती थी किन्तु जबसे जुड़ी है उनकी दिक्कते कम हो गई है। नीलम चैरसिया ने बताया कि ने बैंक सखी का कार्य करती है। विकास खण्ड कोन में संकुल स्तरीय संघ लेखाकार साधना ने बताया कि पहले हम अपने घर मे रहा करते थे हमारी कोई पहचान नही थी आज समूह से जुड़ने के बाद हमारी एक अलग पहचान है और हमारे जीवन मे आर्थिक व सामाजिक सुधार हुआ है। रेखा जायसवाल ने बताया कि 12 से 13 वर्ष पहले आम महिला थी किन्तु आंगनबाड़ी से जुड़ने के बाद उनके जीवन बहुत सारे परिवर्तन आए है और इसके साथ ही आस पास के महिलाओं को शासन के चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देकर उन्हें भी जागरूक कर आत्मनिर्भर बना रहा हूॅ जैसे कि उन्हे बच्चों को समय से टीका लगवाने व उसके महत्व के बारे में बताया। सिटी विकास में खण्ड विकास अधिकारी मुनीश कुमार एवं विकास खण्ड कोन में ब्लाक मिशन मैनेजर विनोद प्रजापति उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 56 हजार से अधिक मामलों का निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार शनिवार को जनपद न्यायालय परिसर गरपतहों, ज्ञानपुर में राष्ट्रीय लोक अदालत का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश अखिलेश दूबे द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश ने कहा कि लोक अदालत आमजन को त्वरित, सस्ता और सहज न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम है, जिसमें किसी की हार या जीत नहीं होती, बल्कि आपसी सहमति से मामलों का अंतिम समाधान किया जाता है। उन्होंने न्यायिक व बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कर आमजन को लोक अदालत का लाभ दिलाया जाए। राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण हेतु कुल 76,709 मामले संदर्भित किए गए, जिनमें से 56,356 मामलों का सफल निस्तारण किया गया। आपराधिक मामलों में 8,85,800 रुपये अर्थदंड वसूला गया। सक्सेशन मामलों में 68,88,898.41 रुपये के उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किए गए। बैंक प्री-लिटिगेशन मामलों में 4,13,94,529 रुपये की वसूली हुई, जबकि बिजली बिल बकाया मामलों में 89,50,000 रुपये की समझौता धनराशि तय की गई। प्रशासनिक व राजस्व से जुड़े 50,287 मामलों का निस्तारण करते हुए 12,56,932 रुपये अर्थदंड वसूला गया। लोक अदालत की विभिन्न पीठों द्वारा दीवानी, आपराधिक, वैवाहिक, मोटर दुर्घटना दावा, पॉक्सो एवं बैंक ऋण से संबंधित मामलों का व्यापक स्तर पर निस्तारण किया गया। इस दौरान प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, अपर जिला जजगण, सिविल जजगण, न्यायिक मजिस्ट्रेट, अधिवक्ता, बैंक अधिकारी, न्यायालय कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में वादकारी उपस्थित रहे। लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु जनपद न्यायाधीश द्वारा अपर जिला जज पुष्पा सिंह को नोडल अधिकारी नामित किया गया। साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं कर्मचारियों ने भी सराहनीय भूमिका निभाई।

पूर्व सत्रों की विदेशी मदिरा के अवशेष स्टॉक का डीएम के निर्देश पर किया गया विनष्टीकरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। आबकारी नीति 2025-26 के प्रावधानों के तहत जिलाधिकारी शैलेष कुमार के आदेश पर गठित समिति की निगरानी में पूर्व सत्रों में निर्मित विदेशी मदिरा के अवशेष स्टॉक का विनष्टीकरण कराया गया। यह कार्रवाई 12 दिसंबर 2025 को गोपीगंज स्थित संदीप पैलेस, वार्ड संख्या-15 के पीछे विदेशी मदिरा थोक अनुज्ञापन परिसर में सम्पन्न हुई। वर्ष 2024-25 की बिक्री के बाद शेष तथा दिनांक 01 अप्रैल 2023 से पूर्व निर्मित विदेशी मदिरा के विभिन्न ब्रांड और धरिता की कुल 190 पेटी मदिरा का नियमानुसार निस्तारण किया गया। पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ समिति के समक्ष सम्पन्न कराई गई। विनष्टीकरण की कार्यवाही के दौरान उप आबकारी आयुक्त (मीरजापुर प्रभार) श्रीराम पाण्डेय, जिला आबकारी अधिकारी अरुण कुमार शुक्ल एवं उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर मानसिंह उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई आबकारी नीति के अनुरूप की गई है, जिससे नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके और किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना समाप्त की जा सके।

सरकार की सभी योजनाएं धरातल पर है खंड विकास अधिकारी हलिया

● जनता की सेवा ही ग्राम पंचायत का धर्म है ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अरुण कुमार मिश्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया मिर्जापुर। हलिया विकासखंड के ग्राम पंचायत गलरा में राजनीतिक दौर स्थानिय ग्रामीणों ने बया करते हुए बताया कि ग्राम पंचायत गलरा में पिछले 5 वर्ष से लेकर 10 वर्ष के बीच में सरकार की सभी योजनाएं धरातल पर देखने को मिल रही है हर पात्र लाभार्थियों को सरकार का लाभ मिल रहा है ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान नवयुवक अरुण कुमार मिश्रा के बारे में बताया गया कि शुरुआत में जब पात्र व्यक्ति को कहीं से कोई लाभ नहीं दिख रहा था तब उन्होंने पात्र व्यक्तियों को लाभ दिलाने का काम किए थे वहीं से जनता ने ग्राम प्रधान अरुण कुमार मिश्रा को ग्राम प्रधान की कुर्सी पर बैठाते हुए 10 वर्ष का मौका दिया जिसमें ग्राम प्रधान अरुण कुमार मिश्रा ने यह साबित करके दिखाया कि सरकार की सभी योजनाएं धरातल पर दिख रही हैं ग्राम पंचायत में कोई ऐसे पात्र लाभार्थी नहीं है जिनको आवास वृद्धा पेंशन विधवा पेंशन विकलांग पेंशन राशन कार्ड नहीं है जिनका ना मिलता हो साथ ही साथ ग्राम प्रधान ने सर्प से डसे हुए तमाम व्यक्तियों को पांच ?5 लाख का भी लाभ दिलवाएं हैं इस तरीके की तमाम सरकार की योजनाएं ग्राम प्रधान के द्वारा धरातल पर दिखाई गई हैं ग्राम पंचायत गलरा को 2017 में ओडीएफ मुक्त ग्राम प्रधान के द्वारा किया गया था उसके बाद हलिया विकासखंड मे प्रथम गौशाला बनवाकर आवारा पशुओं को सुरक्षित गौशाला में रखा गया जिससे ग्राम पंचायत के लोगों की खेती सुरक्षित हुई और किसान नींद की चैन सोने लगे नहीं तो पूरी रात लाठी लेकर खेत पर टहलते थे उसके बाद ग्राम पंचायत में एक सुंदर और स्वच्छ पंचायत भवन ग्राम प्रधान के द्वारा बनवाया गया उसके बाद दूसरे पंचवर्षी में ग्राम प्रधान ममता मिश्रा ने अपने कार्यकाल में अंत्येष्टि स्थल सुंदर और स्वच्छ बनवाया सामुदायिक शौचालय का मरमती कार्य सुंदरीकरण तालाब पर अमृत सरोवर हैंड पंप के पास सोक्ता गड्ढा आरसी सेंटर सामुदायिक शौचालय आंगनबाड़ी केंद्र इस तरीके की तमाम योजना धरातल पर ले जाकर ग्रामीणों को दिखाया गया कि तमाम सरकार की योजनाएं सामाने दिख रही हैं कोई ऐसा योजना नहीं है जो की ग्राम प्रधान के द्वारा छिपाया गया हो सारी योजनाएं फोटो वीडियो में अपलोड हैं योजनाओं की जानकारी देते हुए खंड विकास अधिकारी हलिया विजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि ग्राम पंचायत गलरा में सरकार की सारी योजनाएं धरातल पर देखने को मिल रही है ग्राम प्रधान का कार्य प्रशंसनीय है।

राज्यसभा में राज्यसभा सदस्य अरुण सिंह ने मीरजापुर के सड़कों को ठीक करने की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर । शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मीरजापुर के राज्यसभा सांसद अरुण सिंह ने राज्यसभा में किया मीरजापुर के हलिया स्थित मतवार गांव के रोड व मीरजापुर के अन्य सड़कों को ठीक कराने की मांग किया । उन्होंने राज्यसभा सदन में पीडब्ल्यूडी एवं वन विभाग के बीच रुकी हुई गड्ढे वाली सड़कों को ठीक कराने हेतु मांग उठाई कि इन सड़कों की हालत बहुत ही खराब है और आने जाने वाले जनमानस को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है । खासतौर से बीमार पीड़ित लोगों को जब इलाज कराने के लिए मंडली चिकित्सालय की ओर जाना पड़ता है तो लोगों की हालत बहुत खराब हो जाती है । इसी मांग को लेकर राज्यसभा में जल्द से जल्द ठीक करने की मांग की । साथ में सदन के प्रेस नोट

राज्यसभा में मा0 राज्यसभा सदस्य अरुण सिंह ने मीरजापुर के सड़कों को ठीक करने की उठाई मांग ।

शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मीरजापुर के राज्यसभा सांसद अरुण सिंह ने राज्यसभा में किया मीरजापुर के हलिया स्थित मतवार गांव के रोड व मीरजापुर के अन्य सड़कों को ठीक कराने की मांग किया । उन्होंने राज्यसभा सदन में पीडब्ल्यूडी एवं वन विभाग के बीच रुकी हुई गड्ढे वाली सड़कों को ठीक कराने हेतु मांग उठाई कि इन सड़कों की हालत बहुत ही खराब है और आने जाने वाले जनमानस को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है । खासतौर से बीमार पीड़ित लोगों को जब इलाज कराने के लिए मंडली चिकित्सालय की ओर जाना पड़ता है तो लोगों की हालत बहुत खराब हो जाती है । इसी मांग को लेकर राज्यसभा में जल्द से जल्द ठीक करने की मांग की । साथ में सदन के माध्यम से मा0 अरुण सिंह जी ने मा0 केन्द्रीय वन मंत्री से त्वरित निस्तारण हेतु आग्रह किया । जिससे जनता को सुलभ मार्ग उपलब्ध हो सके । उक्त मांग हेतु भारतीय जनता पार्टी मीरजापुर के जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह एवं पदाधिकारी व कार्यकर्तागणों ने राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सदस्य अरुण सिंह जी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया । उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश दूबे ने दिया । से अरुण सिंह जी ने केन्द्रीय वन मंत्री से त्वरित निस्तारण हेतु आग्रह किया । जिससे जनता को सुलभ मार्ग उपलब्ध हो सके । उक्त मांग हेतु भारतीय जनता पार्टी मीरजापुर के जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह एवं पदाधिकारी व कार्यकर्तागणों ने राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सदस्य अरुण सिंह जी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया । उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश दूबे ने दिया ।

एएनटीएफ व पुलिस की संयुक्त टीम ने एमडीएमए तस्कर को दबोचा, एक करोड़ की नशीली दवा बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ऑपरेशनल यूनिट लखनऊ, यूनिट कानपुर एवं थाना सुरियावां पुलिस की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त एक सक्रिय तस्कर को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 1.010 किलोग्राम प्रतिबंधित मतिभ्रमकारी उत्तेजक दवा एमडीएमए, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है, बरामद की है। इसके साथ ही पुलिस ने मौके से दो लेबोरेट्री रिएजेंट कांच की बोतलें, दो इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन और एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी जब्त किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान विजय कुमार दूबे पुत्र स्व. गिरिजा शंकर दूबे, निवासी ग्राम महजूदा, थाना सुरियावां, जनपद भदोही के रूप में हुई है। बताया गया कि एएनटीएफ मुख्यालय लखनऊ को लंबे समय से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की सूचनाएं मिल रही थीं। इसी क्रम में पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन, एएनटीएफ यूनिट लखनऊ को अभिसूचना संकलन व कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। पुलिस अधीक्षक भदोही अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में संयुक्त टीम ने 13 दिसंबर 2025 को ग्राम महजूदा से अभियुक्त को गिरफ्तार किया। इस संबंध में थाना सुरियावां पर मुकदमा संख्या 411/2025, धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस सम्बंध में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक से बात की गई तो उन्होंने बताया कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ भदोही पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति है। एएनटीएफ और स्थानीय पुलिस के समन्वय से बड़ी मात्रा में एमडीएमए की बरामदगी एक महत्वपूर्ण सफलता है। ऐसे तस्करों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी और जनपद को नशामुक्त बनाने के लिए अभियान आगे भी पूरी सख्ती से जारी रहेगा।'

विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन 20 को, सनातन एकता का होगा प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद भदोही के द्वादश ज्योतिर्लिंग संगम क्षेत्र स्थित श्री राम जानकी मंदिर ट्रस्ट एवं संकल्प हिंदू समाज भदोही के संयुक्त तत्वावधान में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन 20 दिसंबर 2025, शनिवार को प्रातः 10 बजे से सायंकाल तक किया जाएगा। इस दिव्य एवं भव्य कार्यक्रम की जानकारी परम श्रद्धेय माता राजलक्ष्मी मंदा द्वारा दी गई। माता राजलक्ष्मी मंदा ने जनपद सहित आसपास के सभी सनातन धर्मावलंबियों से सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आवाहन किया है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य सनातन धर्म को एक सूत्र में जोड़ना, सांस्कृतिक चेतना को जागृत करना तथा हिंदू समाज की एकता को सशक्त करना है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर 180 फीट ऊँची भगवान भोलेनाथ की शिवलिंग मूर्ति की स्थापना की जाएगी, जिससे यह स्थल धार्मिक, आध्यात्मिक और पर्यटक दृष्टि से विशेष पहचान प्राप्त करेगा। काशी और प्रयागराज के मध्य स्थित तपोवन स्थली, सीता समाहित स्थल भदोही के कटेबना सुंदरबन क्षेत्र को दिव्य धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने का भी संकल्प लिया गया है। द्वादश ज्योतिर्लिंग संगम क्षेत्र श्री राम जानकी मंदिर ट्रस्ट एवं संकल्प हिंदू समाज भदोही की ओर से समस्त सनातन धर्म प्रेमियों, राष्ट्रभक्तों और श्रद्धालुओं का इस विराट हिंदू सम्मेलन में सादर आमंत्रण किया गया है, ताकि सभी मिलकर इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बना सकें।

संक्षिप्त खबरें

संसद की गरिमा और राष्ट्र की रक्षा करने वाले अमर वीरों को श्रद्धांजलि

नैनी प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने नंदन तलाब सुमित्रा देवी ग्रामीण सेवा संस्थान के प्रांगण में शनिवार को 'लोकतंत्र के मंदिर' भारत के संसद भवन पर आज ही के दिन वर्ष 2001 में हुआ कायराना आतंकी हमला राष्ट्र की स्वायत्तता, स्वाभिमान और लोकशक्ति पर नृशंस आघात था।इस हृदय विदारक घटना में अपने प्राणों की आहुति देकर संसद की गरिमा और राष्ट्र की रक्षा करने वाले अमर वीरों को विनम्र श्रद्धांजलि।उनका त्याग, साहस एवं कर्तव्यनिष्ठा राष्ट्र की सुरक्षा और गरिमा के प्रति अदम्य समर्पण का प्रतीक है।राष्ट्र सदैव उनका कृतज्ञ रहेगा। 24वर्ष पहले, आज ही के दिन 2001 को भारतीय लोकतंत्र के पावन मंदिर संसद भवन की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले देश के वीर जवानों को विनम्र श्रद्धांजली दी अवसर पर पार्षद मयंक यादव, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव, काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा सरदार पतविंदर सिंह,प्रदीप तिवारी,सौरभ यादव,अभिषेक श्रीवास्तव,अनुज तिवारी,शिव शर्मा, प्राची चौरसिया,पवन गुप्ता,अमन तिवारी,विवेक पांडे,मन्नू पांडे,मन्नत मिश्रा,राज सुमित,हरमनजी सिंह, दलजीत कौर सहित कई स्वयंसेवक उपस्थित हुए।

थाना शंकरगढ़ में संपूर्ण समाधान दिवस, एडीएम विजय शर्मा व तहसीलदार सोलंकी ने सुनीं जनसमस्याएं

शंकरगढ़, प्रयागराज। यमुनानगर क्षेत्र के थाना शंकरगढ़ परिसर में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें आम जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुना गया। समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी विजय शर्मा एवं बारा तहसीलदार सोलंकी की मौजूदगी में प्रशासन, पुलिस व राजस्व विभाग के अधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतों पर गंभीरता से विचार किया। इस अवसर पर क्राइम इंस्पेक्टर शैलेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक सुष्मिता मौर्य तथा राजस्व निरीक्षक शिवराजपुर अभय राज यादव भी उपस्थित रहे। भूमि विवाद, राजस्व प्रकरण, पुलिस संबंधी शिकायतें सहित विभिन्न मामलों को सुनते हुए अधिकारियों ने कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया। एडीएम विजय शर्मा और तहसीलदार सोलंकी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्राप्त सभी शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए, ताकि जनता को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। समाधान दिवस में बड़ी संख्या में फरियादी शामिल हुए, जिनकी समस्याओं को गंभीरता से दर्ज कर संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए।

न्यायालय की अवहेलना करने वाला वारंटी गिरफ्तार

लालापुर,प्रयागराज। यमुनानगर जोन के थाना लालापुर प्रभारी अनुभव सिंह के स्पष्ट निर्देश पर लालापुर पुलिस टीम ने एक बड़ी और प्रभावी कार्रवाई करते हुए न्यायालय के आदेश के बावजूद लगातार हाजिर न होने वाले वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की यह कार्रवाई न्यायालय के आदेशों की सख्ती से अनुपालना और कानून के राज को स्थापित करने की दिशा में अहम मानी जा रही है। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए अभियुक्त चुन्डा उर्फ चुन्दर उर्फ सुखनारायण पुत्र डहरू चमार निवासी नौढ़िया तरहार थाना लालापुर जनपद प्रयागराज को उसके निवास स्थान से गिरफ्तार किया। बताया गया है कि आरोपी लंबे समय से न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर रहा था, जिसके कारण उसके विरुद्ध गिरफ्तारी आदेश जारी किए गए थे। थाना प्रभारी अनुभव सिंह द्वारा निर्देशित किया गया था कि क्षेत्र में फरार, वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों के विरुद्ध सघन अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाए, इसी क्रम में लालापुर पुलिस टीम ने त्वरित व सफल कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की प्रक्रिया अपनाई गई।

सरा उच्च प्राथमिक विद्यालय में समय से पहले बंद होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित

● शिक्षक और छात्रों की गैरमौजूदगी ने खोली सरकारी शिक्षा की पोल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जसरा, प्रयागराज। यमुनानगर क्षेत्र के बारा तहसील अंतर्गत विकासखंड जसरा स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय अतरसुइया में बुधवार को एक बार फिर सरकारी शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियां उजागर हुई। स्थानीय ग्रामीणों ने देखा कि दोपहर 2 बजे तक विद्यालय का मुख्य गेट बंद था और परिसर में न तो शिक्षक और न ही छात्र मौजूद थे। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह स्थिति कोई नई नहीं है। बीते कई सप्ताह से शिक्षक नियमित समय से पहले ही विद्यालय बंद कर देते हैं। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि बच्चों को दोपहर 1 से 2 बजे के बीच में छुट्टी दे दी जाती है और शिक्षक समय से पहले ताला लगाकर विद्यालय छोड़ देते हैं।ग्रामीणों का कहना है कि इस लापरवाही के कारण बच्चों की पढ़ाई पहले से ही कमजोर स्थिति में है, और समय से पहले छुट्टी होने से उनकी शिक्षा पर नकारात्मक असर और बढ़ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि शिक्षा पर करोड़ों रुपए खर्च करने के बावजूद ऐसी स्थिति क्यों बनी रहती है। शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि उच्च प्राथमिक विद्यालय सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक अनिवार्य रूप से संचालित हों। शिक्षा विभाग ने कई बार ऐसे निर्देश जारी किए हैं कि शिक्षक अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें और समय से पहले विद्यालय बंद न करें। इसके बावजूद स्थानीय शिक्षक इन नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि मनरेगा, मिड-डे मील, डिजिटल शिक्षा और अन्य योजनाओं का उद्देश्य बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाना है। लेकिन शिक्षक की लापरवाही इन योजनाओं के लाभ को कमजोर कर रही है।अभिभावकों ने भी शिकायत की कि बच्चों को पढ़ाई में मदद के लिए स्कूल पहुंचने पर कोई शिक्षक मौजूद नहीं होता। उनका कहना है कि शिक्षा की गुणवत्ता लगातार गिर रही है और बच्चे सही मार्गदर्शन और समय पर पढ़ाई से वंचित रह रहे हैं। शासन स्तर से स्पष्ट निर्देश हैं कि विद्यालय समय से पहले बंद करने, उपस्थिति में लापरवाही और शिक्षा की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर जिम्मेदार शिक्षकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोग और अभिभावक यह भी सवाल उठा रहे हैं कि क्या विद्यालयों की नियमित निरीक्षण व्यवस्था पूरी तरह प्रभावी है या केवल कागजी ढांचा बनकर रह गई है। ग्रामीणों ने कहा कि अगर इसी तरह शिक्षकों की लापरवाही जारी रही तो बच्चों की पढ़ाई पर दीर्घकालिक असर पड़ेगा और शिक्षा के स्तर में गिरावट आएगी। निष्कर्षः जसरा उच्च प्राथमिक विद्यालय की यह घटना न केवल शिक्षा की गुणवत्ता पर सवाल खड़ा करती है बल्कि यह भी दर्शाती है कि नियमों और निरीक्षण व्यवस्था के बावजूद सरकारी शिक्षा में अब भी गंभीर खामियां मौजूद हैं।

मोपेड सवार पिता-पुत्री ट्रक की टक्कर से घायल

नैनी, प्रयागराज। मोपेड से शहर जा रहे पिता-पुत्री शुक्रवार बीतीरात नैनी-मिर्जापुर हाइवे पर अरैल मोड़ पर ट्रक की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में पिता का जबड़ा टूट गया और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। जबकि पुत्री का पैर टूट गया। जानकारी के अनुसार नैनी बाजार निवासी शिवप्रकाश अपनी पुत्री किट्ट के साथ टीवीएस लूना से शुक्रवार बीती रात करीब बारह बजे प्रयागराज शहर जाने के लिए निकले थे। अरैल मोड चौराहे के पास पहुँचे थे कि पीछे से ट्रक चालक ने तेजी एवं लापरवाही पूर्वक ट्रक चलाते हुए टीवीएस लूना टक्कर मार दिया जिससे शिवप्रकाश और उनकी पुत्री दोनो जमीन पर गिर गए और दोनो को गम्भीर चोटे आयी। मौके पर जेल चौकी के दो सिपाही पहुँच गये थे जिन्होंने दोनों को जहाँगीर हास्पिटल में एडमिट कराया। एक्सरे से पता चला कि पैर टूट गया है। जबकि पिता का पूरा जबडा टूट गया है और सिर पर गम्भीर चोटे आयी है जिसमें 10 टांके लगे हैं। घायल के भाई सत्यप्रकाश पुत्र स्व. शिवचन्द ने नैनी थाने में तहरीर देकर चालक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया है।

मंत्री नंदी के समर्थक बताने वाले ने दरोगा सिपाहियों को पीटा

● प्रयागराज में कार टकराने के बाद हंगामा हुआ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। मंत्री नरेंद्र गोलुप्त नदी के समर्थन में शुक्रवार को देर रात जमकर हंगामा के का टकरा जाने के बाद शांत करने पहुंची पुलिस से धक्का मुक्की की गई हाथापाई का मामला भी आया जिसमें एक सिपाही की कलर पकड़े हुए हैं और पुलिसकर्मी बीच बचाव करने लगे लेकिन दबंगों ने उसे भी थप्पड़ मारे मारपीट और हंगामा की सूचना पर मौके पर पहुंचे दरोगा या घटना चंद्रलोक चौराहे की है यहां व्यापारियों का गढ है यहां मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता का घर 200 मीटर दूर पर है मौके मौके पर भारी थाने की ओर पहुंच गई थी और 15 लोगों को हिरासत में ले लिया गया। यह मामला मुठठीगंज के रहने वाले कमलेश गुप्ता मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के समर्थक हैं कुछ लोग उन्हें नदी का रिश्तेदार भी बताते हैं। शुक्रवार की देर रात कार से कहीं जा रहे थे चंद्रलोक चौराहे पर कमलेश गुप्ता की कार से दूसरी गाड़ी में टक्कर हो गई इससे दोनों पक्ष में कहांसुनी होने लगी और दूसरी गाड़ी के लोगों ने 112 पर फोन करके पुलिस को बुला लिया नंदी समर्थक को डायल 112 पुलिसकर्मी के साथ बदसलूकी की इसके बाद चौकी प्रभारी बहादुरगंज विवेक कुमार पहुंचे तो उनसे कहा सुनी हो गई पुलिसकर्मी अधिकारी मौके पर पहुंच गए 13 मंत्री समर्थक सड़क पर उतारा है और लोग नाच चौराहे से लेकर सुलाफी चौराहा जहां नदी का घर है वहां तक भारी भीड़ जमा हो गई। और मौके पर 6 थाने की फोर्स में कोतवाली मुठीगंज कीडगंज करैली सिविल लाइन समेत अन्य थानों की पुलिस मौजूद रही

पुलिस से मारपीट करने के आरोप में कमलेश गुप्ता उर्फ लाल और उसके साथी को पुलिस ने हिरासत में लिया और 13 अन्य लोगों को पुलिस हिरासत में ले लिया सभी से पूछताछ जारी है। इस मामले में मंत्री नंदी जी के परिवार से जुड़े लोगों का कहना है कि क्षेत्र में रहने वाले समर्थक हो सकते हैं लेकिन कोई हंगामा करने वाला समर्थन नहीं हो सकता है यह अच्छी छवि खराब करने की कोशिश हो सकती है।

वार्षिकोत्सव मे युवा कलाकारों ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। प्रतिभावान छात्रों के शानदार प्रदर्शन और जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दिल्ली पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में चार चांद लग गए। शनिवार को आयोजित वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा और स्कूल अध्यक्ष सोनू सिंह उपस्थित रही। विद्यालय प्राचार्या डॉ. सुजाता सिंह ने शिक्षण के आधुनिक और पारंपरिक तरीकों के मेल से युवा पीढ़ी के सर्वांगीण विकास के महत्व पर भी जोर दिया। प्रारंभ में डीपीएस ऑर्केस्ट्रा ग्रुप ने वाद्य यंत्रों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे वातावरण संगीतमय हो उठा। इसके बाद सूफी गीत गाए गए, जिसने सूफी परंपराओं के आध्यात्मिक सार की अनुभूति कराई। प्री-नर्सरी से कक्षा दो तक के युवा कलाकारों ने 'स्ट्रेट फ्रॉम द हार्ट (भावनाएं)' से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसमें रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से भावनाओं की मार्मिक प्रस्तुति दी गई। ग्रैंड फिनाले में नृत्य नाटक 'धर्म रक्षति रक्षितः' प्रस्तुत किया गया, जिसमें कक्षा 3 से 12 तक के लगभग 450 छात्रों ने शाश्वत सिद्धांत को दर्शाया कि धर्म उनकी रक्षा करता है जो इसका पालन करते हैं। नृत्य नाटक में कलाकारों ने मंच पर महाभारत के पात्रों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जिसे देखकर अभिभावक दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे। ग्यारहवीं के छात्र एवं मुख्य अभिनेता कृशांग शर्मा के 'विश्वरूप दर्शन योग' में भगवान कृष्ण के भव्य अभिनय पर दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाई। डीपीएस. का पूरा प्रांगण द्रौपदी और अर्जुन की तपस्या भाव से ओतप्रोत हो उठा, जिसे क्रमशः ग्यारहवीं कक्षा की वान्या सिंह और अर्पण अग्रवाल ने प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि मनीष कुमार वर्मा ने छात्रों और पूरे डी.पी.एस. परिवार को उनके अतुलनीय प्रदर्शन और आतिथ्य के लिए बधाई दी।

रामदेव की मिर्ची खाने लायक नहीं

ब्यूरो प्रयागराज। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में बताया कि पतंजलि फूड्स की उत्तराखंड स्थित निर्माण इकाई द्वारा बनाए गए लाल मिर्च पाउडर का एक नमूना असुरक्षित घोषित किया गया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने एक लिखित उत्तर में कहा, '2024-25 में मसालों के नमूनाकरण अभियान के दौरान, पतंजलि फूड्स की उत्तराखंड स्थित निर्माण इकाई से एकत्र किए गए लाल मिर्च पाउडर का एक नमूना असुरक्षित घोषित किया गया, क्योंकि पाए गए कीटनाशक अवशेषों का स्तर निर्धारित अधिकतम अवशेष सीमा से अधिक था.' उन्होंने कहा कि परीक्षण के निष्कर्षों के आधार पर, संबंधित प्राधिकरण ने उत्पाद को वापस मंगाने का आदेश जारी किया, जिसके बाद खाद्य व्यापार संचालक ने प्रभावित उत्पाद को बाज़ार से हटाना शुरू कर दिया।

प्रयागराज में पार्किंग के नाम पर दबंगई

● माघ मेले से पहले 'पर्ची वाली वसूली' का खुला खेल, हर वाहन से 40

पर्ची काटने वालों का खुला चैलेंज– 'जिस चैनल में चलाना हो चलाओ, जिस अखबार में छपवाना हो छपवाओ '

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। माघ मेले से पहले शहर में पार्किंग व्यवस्था के नाम पर संगठित तरीके से वसूली का खेल शुरू हो चुका है। प्रमुख मार्गों, खाली मैदानों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पार्किंग के नाम पर हर वाहन से ?40 वसूले जा रहे हैं और इसके बदले पर्ची काटी जा रही है। पर्ची होने के बावजूद सवाल यह है कि यह वसूली किस आदेश, किस अनुमति और किस वैध ठेके के आधार पर की जा रही है। पर्ची काटने वाले खुद को अधिकृत बताते हुए खुलेआम कहते हैं कि 'जिस चैनल में चलाना हो चला दीजिए, जिस अखबार में छपवाना हो छपवा दीजिए, हमें किसी से डर नहीं।' यही नहीं, ये लोग यह दावा भी कर रहे हैं कि संबंधित जमीन आर्मी वालों की है, जिन्होंने इसे खरीद कर ठेके पर दे दिया है, लेकिन इस दावे के समर्थन में कोई स्पष्ट प्रशासनिक दस्तावेज मौके पर नहीं दिखाया जाता। माघ मेले जैसे बड़े आयोजन से पहले इस तरह की पर्ची-युक्त वसूली व्यवस्था का शुरू हो जाना प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े करता है। श्रद्धालु और पर्यटक पर्ची देखकर भुगतान करने को मजबूर हैं, जबकि न तो कहीं अधिकृत दर सूची लगी है और न ही किसी सक्षम अधिकारी या विभाग का नाम स्पष्ट रूप से अंकित है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब कोई व्यक्ति सवाल उठाता है तो उसे पर्ची दिखाकर चुप करा दिया जाता है और ऊपर तक सेटिंग होने का दावा किया जाता है। इस पूरे मामले में पर्यटक थाना प्रभारी ओमप्रकाश का नाम सामने आने के बाद अब प्रशासन की भूमिका और भी अहम हो जाती है। जनता जानना चाहती है कि क्या यह पार्किंग वास्तव में अधिकृत है, क्या ?40 की दर प्रशासन द्वारा तय की गई है और क्या पर्ची पर दर्ज विवरण वैधानिक हैं। यदि समय रहते जांच और सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो माघ मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के साथ यही पर्ची वाली वसूली बड़े पैमाने पर दोहराई जाएगी, जिससे प्रयागराज की छवि को नुकसान पहुंचेगा।

भारत में ऑनर किलिंग आज भी गंभीर समस्या

● मद्रास हाईकोर्ट ने कविन ऑनर किलिंग केस में पुलिसकर्मी को जमानत देने से इनकार किया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। मद्रास हाईकोर्ट ने तिरुनेलवेली जिले में टेक कर्मचारी कविन सेल्वगणेश की कथित ऑनर किलिंग के मामले में आरोपी सब-इंस्पेक्टर सरवनन को जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि यह मामला अत्यंत गंभीर प्रकृति का है और 'ऑनर किलिंग' जैसे जघन्य अपराधों में जमानत एक अपवादस्वरूप राहत होती है, जिसे अत्यंत सावधानीपूर्वक प्रदान किया जाना चाहिए। जस्टिस के. मुरली शंकर ने जिला एवं सत्र न्यायालय द्वारा जमानत याचिका खारिज किए जाने के आदेश को सही ठहराते हुए कहा कि समाज में अब भी सम्मान के नाम पर हत्या की घटनाएँ सामने आना चिंताजनक है, जबकि संविधान व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक विकल्प की रक्षा करता है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के उस सिद्धांत को दोहराया कि गंभीर एवं घृणित अपराधों में 'बेल, नॉट जेल' का सामान्य सिद्धांत लागू नहीं होता। कविन सेल्वगणेश, जो चेन्नई में टेकद्बद्र के रूप में कार्यरत थे और हिंदू देवेंद्र कुल वेल्लालार समुदाय से ताल्लुक रखते थे, की 27 जुलाई 2025 को हत्या कर दी गई थी। प्रोसिक्यूसन के अनुसार, जिस युवती से कविन के प्रेम-संबंध होने का आरोप था, उसके परिवार–जो हिंदू मरावर समुदाय से संबंधित है–ने जातिगत घृणा और 'परिवार की इज़्ज़त' के नाम पर यह अपराध किया। घटना वाले दिन कविन अपने परिवार के साथ उस क्लिनिक में गए थे, जहाँ युवती काम करती थी। बातचीत के दौरान युवती का भाई पहुँचा और कविन को 'कुछ बात करने' के बहाने बाहर ले गया। कुछ ही देर बाद, जब परिवार बाहर आया, तो उन्होंने युवती के भाई को कविन के साथ जातिसूचक गालियाँ देते हुए देखा और फिर उसने सिकली से वार कर कविन की हत्या कर दी।

कौंधियारा एसीपी अब्दूस सलाम खान ने सुनी फरियादियों की पीड़ा

● प्रभारियों को त्वरित निस्तारण के सख्त निर्देश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कौंधियारा, प्रयागराज। यमुनानगर जोन के अंतर्गत कौंधियारा क्षेत्र में आयोजित जनसुनवाई के दौरान एसीपी अब्दूस सलाम खान ने क्षेत्र से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई में भूमि विवाद, पारिवारिक झगड़े, मारपीट, धमकी, पुरानी विवेचनाओं में देरी सहित विभिन्न मामलों को लेकर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और अपनी बात रखी। एसीपी अब्दूस सलाम खान ने प्रत्येक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित थाना प्रभारी एवं पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का निष्पक्ष, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को बार-बार थाने के चक्कर न लगाने पड़ें, यह पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है।जनसुनवाई के दौरान एसीपी ने लंबित मामलों की समीक्षा भी की और चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने थाना प्रभारियों से कहा कि संवेदनशील मामलों में तुरंत मौके पर कार्रवाई कर पीड़ितों को राहत पहुंचाई जाए तथा हर शिकायत का फॉलोअप अनिवार्य रूप से किया जाए। एसीपी ने भरोसा दिलाया कि जनसुनवाई का उद्देश्य आम जनता और पुलिस के बीच विश्वास को मजबूत करना है। पुलिस जनता की सेवा के लिए है और हर फरियादी की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 227876 वादो का रिकार्ड निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार आज दिनांक 13.12.2025 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज के तत्वाधान में जनपद न्यायालय, प्रयागराज व समस्त तहसीलो में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन प्रातः 10 बजे माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति , प्रयागराज श्री शेखर बी.सर्राफ द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। माननीय जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,प्रयागराज श्री सत्य प्रकाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत का कार्य प्रारंभ किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत मे कुल 227876 वादो का निस्तारण किया गया। माननीय जनपद न्यायाधीश श्री सत्य प्रकाश त्रिपाठी द्वारा 02 सिविल बाद निस्तारित किए गए । राष्ट्रीय लोक अदालत में फौजदारी के कुल 11519 वादों का निस्तारण किया गया। पारिवारिक न्यायालय द्वारा कुल 72 वादो का निस्तारण आपसी सुलह-समझौते के आधार पर किया गया। माननीय जनपद न्यायाधीश प्रयागराज द्वारा 13 जोड़ो को आपसी सुलह समझौते के आधार पर एक साथ रहने के लिए समझौता किया गया और एक दूसरे को माला पहना कर मिठाई खिलाई गई। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण पीठासीन अधिकारी उत्तरी श्री पर्वेंद्र कुमार शर्मा द्वारा 310 वादो का निस्तारण किया गया। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण पीठासीन अधिकारी दक्षिणी श्री निकुंज मित्तल द्वारा 112 वादो का निस्तारण किया गया। श्री सुदामा प्रसाद पीठासीन अधिकारी, कमर्शियल कोर्ट द्वारा कुल 01 वाद का निस्तारण किया गया। पीठासीन अधिकारी भूमि अधिग्रहण श्री कृष्ण स्वरूप धर द्विवेदी द्वारा कुल 06 वादों का निस्तारण किया गया। श्री राहुल सिंह अपर जनपद न्यायाधीश, ई0 सी0 एक्ट के द्वारा विधुत के 602 मामलो का निस्तारण किया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्रीमती त्रिशा मिश्रा के द्वारा 5857 वाद, श्री विनय कुमार जायसवाल , रेलवे मजिस्ट्रेट के द्वारा 2180 वाद, अपर मुख्य नायक मजिस्ट्रेट : 2 श्री अरुण कुमार यादव द्वारा 1057 वाद निस्तारित किए गए। राजस्व न्यायालयो के द्वारा कुल 127064 वादो का निस्तारण किया गया, बैंक के प्री-लिटिगेशन के 1776 मामले निस्तारित किये गये। श्री रविकान्त-द्वितीय, नोडल अधिकारी/एडीजे, लोक अदालत के निर्देशन में समस्त विभागो से समन्वय स्थापित कर लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। यह जानकारी श्री दिनेश कुमार गौतम, सचिव/एडीजे, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज द्वारा दी गयी।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमरहवा में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले की तैयारियों का सीएमओ ने किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जनपद के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमरहवा पर रविवार को प्रस्तावित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले के सफल आयोजन को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमरहवा का निरीक्षण कर मेले से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने ओपीडी, दवा वितरण कक्ष, जांच कक्ष सहित स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के समय स्वास्थ्य केंद्र पर सभी चिकित्सक एवं कर्मचारी उपस्थित पाए गए, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन पर संतोष व्यक्त किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र पर 35 मरीजों का उपचार किया गया, जबकि 10 मरीजों की विभिन्न जांचें भी की गई। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि उपकेंद्र अमरहवा की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) इंदुबाला अपने केंद्र पर उपस्थित नहीं थीं। इस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. पूजा को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले के आयोजन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि मेले के प्रचार-प्रसार हेतु बैनर, पोस्टर एवं फ्लेक्स लगाए जाएं, जिससे अधिक से अधिक लोग स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकें। साथ ही मेले के दिन चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।इसके अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्वास्थ्य केंद्र परिसर में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। शौचालय, पेयजल व्यवस्था एवं प्रतीक्षालय की साफ-सफाई को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले आम नागरिकों को एक ही स्थान पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। निरीक्षण के दौरान संबंधित स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेले के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

स्क्रैप बेचकर उत्तर मध्य रेलवे ने रुपये 200.17 करोड़ का किया अर्जन

ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने जीरो स्क्रैप मिशन के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में दिनांक 11 दिसंबर 2025 तक स्क्रैप बेचकर (कबाड़) कुल 200.17 करोड़ रुपये का अर्जन कर लिया है। यह उपलब्धि पिछले वर्ष इसी अवधि की तुलना में 5.27 % अधिक है। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री नरेश पाल सिंह के निर्देशन में तीनों मंडलों एवं कारखानों में पड़े अनुपयोगी कबाड़ को एकत्र करके उसकी बिक्री का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस अभियान से कार्य स्थल को साफ सुथरा रखने में मदद मिल रही है। उत्तर मध्य रेलवे 'जीरो स्क्रैप' का दर्जा हासिल करने के लिए मिशन मोड में स्क्रैप का निपटान करने के लिए प्रतिबद्ध रहता है।

संक्षिप्त खबरें

सिवान जदयू जिला कार्यालय में जिला संगठन प्रभारी ने 2025-2028 के लिए जदयू सदस्यता अभियान का किया सुभारम्भ

सिवान- बिहार प्रदेश जनता दल यूथ प्रदेश अध्यक्ष श्री उमेश सिंह कुशवाहा जी के दिशा निर्देश में आज सिवान जिला जनता यूथ जिला कार्यलय में वर्ष 2025 से 2028 के लिए प्रदेश महासचिव सह जिला संगठन प्रभारी प्रामोद कुमार पटेल ने जदयू सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया ! श्री पटेल ने बताया की सिवान जिला में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के विकास पुरुष मुख्यमंत्री श्री नीतिश कुमार जी राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद श्री संजय कुमार झा जी,प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक श्री उमेश सिंह कुशवाहा जी ने पाँच लाख प्राथमिक सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है ! जिला संगठन प्रभारी ने जिला कार्यलय में आज जिन लोगों को प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कराया उसमें मुख्य रूप से जिला प्रवक्ता सुनील कुमार , जिला प्रवक्ता निकेश चन्द्र तिवारी, जिला उपाध्यक्ष अमोद प्रियदर्शी, डाश्र अजीत सिंह, मीडिया प्रभारी संतोष कुमार,नगर युवा अध्यक्ष विनोद बासफोर, प्रखण्ड अध्यक्ष अध्यक्ष सतयेंद्र भारती, कुंज बिहारी सिंह, जय प्रकाश कुशवाहा, कृष्ण सिंह पटेल, राजू राम, विजय ठाकुर , मनोज कुमार सिंह, प्रभु नाथ महतो, बबलु चौहान, रंजीत यादव, श्यामदेव सिंह पटेल, बैजनाथ महतो, विजय ठाकुर, विजय प्रसाद वर्मा, विधानसभा प्रभारी प्रामोद पासवान , राजकुमार गौतम ऊर्फ पप्पू चमार साहित सैकड़ों कार्यकर्ता अपस्थित थे और प्राथमिक सदस्यता ग्रहण किया !

जिला पदाधिकारी ने राजस्व वसूली की समीक्षा की, लक्ष्य पूरा करने के दिए निर्देश

गोपालगंज (बिहार)- गोपालगंज के जिला पदाधिकारी पवन कुमार सिन्हा ने वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के आंतरिक संसाधन से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कर की वसूली की प्रगति की गहन समीक्षा करना था। समीक्षा के दौरान, जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर कर वसूली का लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा करें। उन्होंने वसूली प्रक्रिया में तेजी लाने और किसी भी तरह की शिथिलता न बरतने पर जोर दिया। डीएम श्री सिन्हा ने कहा कि आंतरिक संसाधनों की प्रभावी वसूली विकास कार्यों को गति देने और सरकारी योजनाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। बैठक में अपर समाहर्ता राजेश्वरी पाण्डेय, विशेष कार्य पदाधिकारी संदीप कुमार, और जिले के सभी राजस्व वसूली अधिकारी उपस्थित रहे। जिला पदाधिकारी ने सभी अधिकारियों को समन्वय बनाकर कार्य करने और लक्ष्य प्राप्ति हेतु आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।

शिवराज पाटिल के निधन से कांग्रेस ने अपना एक सच्चा सिपाही खो दिया : जेपी पटेल

हजारीबाग, झारखंडः- जिला कांग्रेस कमिटी हजारीबाग के अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल व कांग्रेस के जिला मीडिया अध्यक्ष निसार खान ने पूर्व गृहमंत्री सह पूर्व लोकसभा के अध्यक्ष शिवराज पाटिल के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है । नेता द्वय ने अपने शोक संदेश में कहा कि शिवराज पाटिल के निधन से कांग्रेस ने अपना एक सच्चा सिपाही खो दिया है। उन्होंने कहा शिवराज पाटिल मृदुभाषी, मिलनसार और एक कुशल राजनीतिज्ञ थे । इनके निधन से कांग्रेस की बड़ी क्षति हुई है, जिसकी पूर्ति तत्काल संभव नही । नेता द्वय ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा इस कठीन घड़ी इनके परिजनों को धैर्य व सहन शक्ति प्रदान करने कि भी प्रार्थना की है।

हजारीबाग में राष्ट्रीय विजेता कराटे खिलाड़ियों का हुआ सम्मान, बेल्ट टेस्ट का भी हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग के ज़बरा रोड स्थित द कोबरा कराटे अकादमी में राष्ट्रीय स्तर के विजेता खिलाड़ियों के सम्मान समारोह के साथ-साथ बेल्ट टेस्ट का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शोतोकान कराटे-डो फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले कोबरा कराटे अकादमी द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजित बेल्ट टेस्ट में कुल 45 खिलाड़ियों ने भाग लिया। वहीं ऑल इंडिया इंटरजोनल कराटे चैंपियनशिप में कोबरा कराटे अकादमी के 11 खिलाड़ियों ने सहभागिता की, जिसमें शिवा यादव ने स्वर्ण पदक जीतकर अकादमी का नाम रोशन किया। चंद्र प्रकाश उपाध्याय, प्रमोद यादव, मनीष राज, संध्या कुमारी और अंजली कुमारी ने रजत पदक प्राप्त किया, जबकि मंदाकीनी यादव, शिवा कुमारी और प्रांजल कुमार ने कांस्य पदक जीता। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी करण जायसवाल रहे। वहीं अतिथि सह परीक्षक के रूप में एसकेएफआई के टेक्निकल डायरेक्टर क्योशी नरेंद्र सिन्हा, सिहान शशि पांडे, संरक्षक डॉ रबिन्द्र कुमार मिश्रा और सेन्सेई संजय सोनकर उपस्थित रहे। यह संपूर्ण कार्यक्रम अकादमी के संस्थापक सेम्पाई चंद्र प्रकाश उपाध्याय एवं को-फाउंडर सेम्पाई अभिषेक हरि शंकर उपाध्याय के नेतृत्व में संपन्न हुआ। चैंपियनशिप में विजेता खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी अकादमी द्वारा सम्मानित किया गया। बेल्ट टेस्ट में सभी खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मन्दाकिनी यादव का रहा, वहीं अपने वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में वैष्णवी सिन्हा, अर्णव कुमार, मनीष राज, प्रांजल कुमार, संतोष दास, शिवा कुमारी, दीवीका गुप्ता, संध्या कुमारी। करण जायसवाल ने सभी खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा की वे खेल प्रति शुरू से हज़ारीबाग़ और राज्य में जागरूक है और योगदान देते आ रहे है साथ ही उन्होंने कराटे में खिलाड़ियों की प्रतिभाग को देख करके सदैव उनका सहयोग करने और यहाँ से खिलाडी अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कैसे पदक जीते उसके लिए सहयोग बनाये रखने का वचन दिया। मौके पर प्रमोद यादव, संजय कुमार, छाया कुमारी, रीना यादव, संतोष गुप्ता, स्वेता गुप्ता, प्रियंका कुमारी, रिया राज, सुबी कुमारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रांची-चतरा एनएच-22 पर चोरझरिया रेलवे ब्रिज में बना खतरनाक गड्ढा, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

● ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से की त्वरित मरम्मत की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंडः- रांची-चतरा मुख्य मार्ग एनएच-22 पर चंदवा प्रखंड और बालूमाथ प्रखंड की सीमा के बीच स्थित चोरझरिया रेलवे ब्रिज इन दिनों गंभीर खतरे का केंद्र बन गया है। ब्रिज के मध्य भाग में पिछले कुछ दिनों से एक बड़ा गड्ढा बन गया है, जिसकी गहराई लगातार बढ़ती जा रही है। प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में बड़े ट्रक, बस, छोटी गाड़ियां और दोपहिया वाहन इस ब्रिज से गुजरते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका और भी बढ़ गई है। वाहन चालकों का कहना है कि यह गड्ढा अचानक सामने आ जाता है, जिससे कई बार तेज ब्रेक लगानी पड़ती है। ऐसी स्थिति में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ब्रिज के नीचे करीब 200 फीट से अधिक गहराई है, ऐसे में यदि किसी बाइक या छोटे वाहन का संतुलन बिगड़ गया तो वह सीधे नीचे जा सकता है, जिससे जानमाल की भारी क्षति की संभावना है। स्थानीय लोग बताते हैं कि कई वाहन प्रतिदिन इस गड्ढे की वजह से फंस रहे हैं और दुर्घटनाओं के करीब पहुंच जाते हैं। ग्रामीणों तथा रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले यात्रियों में जिला प्रशासन और राष्ट्रीय राजमार्ग के विभाग की लापरवाही को लेकर गहरा आक्रोश है। उनका कहना है कि इतने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग पर इस तरह का बड़ा गड्ढा मौजूद है, लेकिन न जिला प्रशासन की नजर इस पर पड़ रही है और न ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के अधिकारियों की। लोगों का कहना है कि जब कोई बड़ा हादसा हो जाएगा, तभी शायद जिम्मेदार अधिकारी सक्रिय होंगे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, सड़क निर्माण विभाग तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से अपील की है कि चोरझरिया रेलवे ब्रिज पर बने इस खतरनाक गड्ढे की तत्काल मरम्मत कराई जाए। उनका कहना है कि यह मार्ग चंदवा, बालूमाथ और आसपास के क्षेत्रों के लिए जीवन-रेखा है, इसलिए आवागमन में बाधा और दुर्घटना की आशंका को दूर करने हेतु जल्द से जल्द कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है। स्थानीय लोगों ने इसे जनसुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए शीघ्र समाधान की मांग की है।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय की ओर से आरएमएमएम प्लस टू उच्च विद्यालय में आयोजित शोध शिखर बाल विज्ञान पर्व में दिखी विद्यार्थियों की प्रतिभा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- आईसेक्ट विश्वविद्यालय हजारीबाग की ओर से आरएमएम प्लस टू उच्च विद्यालय, चंदवारा परिसर में शोध शिखर बाल विज्ञान पर्व का सफल आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने एक से बढ़कर एक वैज्ञानिक प्रोजेक्ट मॉडल प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विज्ञान पर्व का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और प्रयोगात्मक क्षमता को विकसित करना रहा। कार्यक्रम में कक्षा 9 से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और समाजोपयोगी विषयों पर आधारित अपने मॉडल प्रदर्शित किए। कक्षा 9 में विशाल कुमार एंड ग्रुप के मॉडल को प्रथम पुरस्कार मिला, जबकि राजीव, मधु, सुमन और संदीप ग्रुप को द्वितीय तथा दिपेश, अनुमान, अंशु और परी के ग्रुप को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। कक्षा 10वीं में सुनैना, ज्योति और नेहा ग्रुप को प्रथम पुरस्कार, जबकि प्रियांशी, निशि, श्रेया और आरुषि ग्रुप को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कक्षा 11वीं में अंशु कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, अमन और प्रेरणा ग्रुप ने प्रथम पुरस्कार हासिल किया, रोशन, श्रवण व राखी ग्रुप को द्वितीय तथा अमित यादव को तृतीय पुरस्कार मिला। कक्षा 12वीं में बबलू कुमार, सुमन कुमार ग्रुप को प्रथम तथा राखी कुमारी, आलोक कुमार और प्रिंस कुमार ग्रुप को द्वितीय पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक ने कहा कि ऐसे विज्ञान पर्व विद्यार्थियों को भविष्य का वैज्ञानिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने छात्रों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय स्तर पर नवाचार विकसित भारत की मजबूत नींव है। समकुलपति डॉ गौरव शुक्ला ने इसे स्कूल और विश्वविद्यालय के बीच ज्ञान सेतु बताया। वहीं आरएमएम प्लस टू उच्च विद्यालय के प्राचार्य राधेश्याम शुक्ला ने आयोजन को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में अहम कदम बताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ रितेश कुमार, राजेश रंजन, सहायक कुलसचिव अमित कुमार, डॉ अजय वर्णवाल, हिमांशु चौधरी, पंकज प्रज्ञा, नेहा सिन्हा, डॉ दीपा गोस्वामी, उदय रंजन, मुकेश कुमार, डॉ माधवी मेहता, रविकांत, डॉ विनय पंजियार, राहुल राजवार, रोहित राणा सहित आरएमएम प्लस टू उच्च विद्यालय प्रबंधन सहित अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

'SIR को लेकर ममता बनर्जी का दोहरा रवैया, अखिलेश के दौर में सिर्फ सैफई का विकास' बलिया में मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम का हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। उत्तर प्रदेश सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। बलिया के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचीं मंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी सार्वजनिक रूप से भले ही SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) फार्म न भरने की बात कर रही हों, लेकिन उन्हें जानकारी मिली है कि उन्होंने यह फार्म काफी पहले ही चोरी-छिपे भर दिया है। आने वाले दिनों में सच्चाई सबके सामने आ जाएगी। मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने कहा कि ममता बनर्जी एक अनुभवी और समझदार नेता हैं। वे अच्छी तरह जानती हैं कि जो स्ढ्ढक्रफार्म नहीं भरेगा, उसका नाम मतदाता सूची से हट सकता है और ऐसे में वह चुनाव भी नहीं लड़ पाएगा। इसलिए SIR फार्म न भरने की बात सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि SIR अभियान किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि निर्वाचन आयोग का कार्यक्रम है। ममता बनर्जी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए मंत्री ने कहा कि अब उनका जनाधार लगातार खिसक रहा है। इसी घबराहट में वे भाजपा पर आरोप मढ़ रही हैं, जबकि सच्चाई यह है कि बंगाल में बदलाव की हवा चल पड़ी है और आगामी चुनाव में वहां सत्ता परिवर्तन तय है। इस दौरान मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने लंबे समय तक प्रदेश पर शासन किया, लेकिन उनके कार्यकाल में विकास सिर्फ सैफई तक सीमित रहा। आज प्रदेश में हर जिले में सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। अब जब अखिलेश के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, तो वे अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। अखिलेश यादव द्वारा सरकार बनने पर गरीब महिलाओं के खाते में 40 हजार रुपये देने के ऐलान को मंत्री ने जुमला करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा का जनाधार लगातार मजबूत हो रहा है, इसलिए जनता को भ्रमित करने के लिए इस तरह के झूठे वादे किए जा रहे हैं।मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम बलिया में आयोजित राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के साथ-साथ खेल को भी समान रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। गांव-गांव में स्कूल, कॉलेज और स्टेडियम बनाए जा रहे हैं, ताकि हर प्रतिभावान खिलाड़ी और छात्र को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। समारोह के दौरान महिला खिलाड़ियों और छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मंत्री का स्वागत किया। मंत्री ने पूर्वांचल के विकास का जिक्र करते हुए कहा कि बलिया, आजमगढ़ और मऊ जैसे जिले, जो कभी पिछड़े माने जाते थे, आज विकास की नई कहानी लिख रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले चुनावों में जनता एक बार फिर सुशासन के पक्ष में अपना जनादेश देगी।

मनरेगा व पंचायतवार खर्च को लेकर प्रखंड सभागार में बीडीओ की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो की अध्यक्षता में सभी पंचायतों के मुखिया एवं पंचायत सेवकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पंचायतवार विकास कार्यों में होने वाले खर्च, मनरेगा योजना की प्रगति तथा सामग्री (मैटेरियल) भुगतान की समीक्षा करना था। बैठक के दौरान बीडीओ जयपाल महतो ने मनरेगा योजनाओं के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने बताया कि अब मनरेगा की राशि ट्रेजरी के माध्यम से भुगतान होगी, ऐसे में सभी पंचायतों को निर्धारित नियमों एवं प्रक्रिया का पालन करते हुए समय पर भुगतान सुनिश्चित करना होगा। विशेष रूप से सामग्री भुगतान को लेकर पारदर्शिता बरतने और किसी भी प्रकार की अनियमितता से बचने का निर्देश दिया गया। बीडीओ ने पंचायतवार खर्च की समीक्षा करते हुए मुखियाओं एवं पंचायत सेवकों से कहा कि योजनाओं का चयन जनहित को ध्यान में रखते हुए किया जाए तथा कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय पर पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजनाओं का लाभ सीधे ग्रामीणों तक पहुंचे, इसके लिए समन्वय के साथ कार्य करना आवश्यक है। बैठक में मुखिया संघ अध्यक्ष सह मलकोको मुखिया विजय यादव, धनवार मुखिया राजेंद्र प्रसाद, केदारुत मुखिया प्रतिनिधि विशेश्वर यादव, कोनरा मुखिया यास्मीन तब्बसुम, करियातपुर मुखिया मनोज कुमार, बेन्दगी मुखिया सिकंदर राणा, बरही पूर्वी मुखिया मीनू देवी, रसोइया धमना मुखिया गोविंद साव, डपोक मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन रविदास, बरसोत मुखिया मोतीलाल चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।इसके अलावा बैठक में बीपीओ धर्मेंद्र कुमार, पंचायत सेवक प्रियंका प्रकाश, सरोज कुमार, जोतेंद्र कुमार साव, लक्ष्मी कुमारी, संजू कुमारी, राजेंद्र मिश्रा, प्रभु दयाल, प्रविल राम, पोखराज यादव समेत अन्य संबंधित कर्मी भी मौजूद थे। बैठक के अंत में बीडीओ ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों से आपसी समन्वय के साथ विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने और सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की।

विधायक मनोज कुमार यादव ने किया शिलान्यास, 84 लाख की लागत से बनेगी 2 किलोमीटर लंबी सड़क

●तीन हजार से अधिक आबादी को मिलेगा लाभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत पंचमाधव एनएच-2 से धुरगड़गी की नदी तक पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव ने किया। इस अवसर पर विधिवत उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका संचालन भाजपा संयोजक प्रकाश ठाकुर ने किया। जानकारी के अनुसार लगभग 84 लाख रुपये की लागत से करीब 2 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा।इस सड़क के बन जाने से धुरगड़गी, कारीमाटी, सिंहपुर, माधवपुर होते हुए चोचरो पार्क तक आवागमन सुगम हो जाएगा। सड़क निर्माण से करीब तीन हजार की आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों में इस परियोजना को लेकर खासा उत्साह देखा गया।कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने विधायक मनोज कुमार यादव के समक्ष क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को रखा। विधायक ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, सड़कें बनेंगी तो गांव सीधे शहरी क्षेत्रों से जुड़ेंगे, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे। हमारी सरकार ग्रामीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और आने वाले समय में और भी सड़कें बनाई जाएंगी। जिला परिषद के जिला उपाध्यक्ष किशुन यादव ने कहा कि यह सड़क क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, इस सड़क के निर्माण से न सिर्फ आवागमन आसान होगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रही है।विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर ने कहा कि विधायक मनोज कुमार यादव लगातार क्षेत्र के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आज जिस सड़क का शिलान्यास हुआ है, वह वर्षों से ग्रामीणों की मांग थी। सड़क बनने से लोगों की परेशानियां दूर होंगी और क्षेत्र तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ेगा।उद्घाटन कार्यक्रम में विधायक मनोज कुमार यादव के साथ जिप जिला उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव, पंचमाधव मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप, धनवार मुखिया राजेंद्र प्रसाद, सुधीर यादव, बासुदेव यादव, ब्रह्मदेव यादव, राजकुमार यादव, बीरेंद्र ठाकुर, राजेश यादव, छोटन गोप, लक्ष्मण ठाकुर, अशोक कुमार, राजू रजक, नागेश्वर रजक, सिकंदर कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

45 दिन से अधिक लंबित विरासत मामलों पर डीएम सख्त, एसडीएम को चेतावनी; कारण बताओ नोटिस के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। जिले में लंबित विरासत और राजस्व मामलों को लेकर जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कर-करेत्तर राजस्व, राजस्व वादों और विरासत मामलों की समीक्षा बैठक में डीएम ने 45 दिन से अधिक समय से लंबित अविवादित विरासत मामलों पर गहरी नाराजगी जताई और संबंधित एसडीएम को तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए समीक्षा के दौरान धारा 34 के तहत 5 वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों पर डीएम ने सख्ती दिखाई। उन्होंने बताया कि तहसील सिकंदरपुर में 48, बांसडीह में 21 और बलिया सदर में 143 अविवादित मामले अब भी लंबित हैं। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित एसडीएम को कड़ी चेतावनी देते हुए पीठासीन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि जिले में 300 से अधिक बंटवारा संबंधी मुकदमों का तत्काल निस्तारण कराया जाए। इसके लिए कार्ययोजना बनाकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि 5 वर्ष से अधिक पुराने मामलों को किसी भी सूरत में लंबित न रखा जाए। बैठक में सभी एसडीएम को निर्देश दिए गए कि धारा 34 के तहत आमजन को जानकारी देने के उद्देश्य से सभी कोर्ट के बाहर एक तथा प्रत्येक तहसील में दो-दो सूचना बोर्ड लगाए जाएं। वहीं मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना की फाइलों के लंबित होने पर भी डीएम ने नाराजगी जताई और निर्देश दिया कि किसी भी तहसील में फाइलें रोकी न जाएं तथा उनका तत्काल निस्तारण किया जाए। इसके अलावा डीएम ने तहसील रसड़ा, सिकंदरपुर और बैरिया के एसडीएम को निर्देश दिए कि 20 दिसंबर तक हर हाल में लेखपालों की विरासत सूची उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी लेखपाल या कर्मचारी के स्थानांतरण की स्थिति में उसकी सेवा पुस्तिका व अन्य अभिलेख 10 दिन के भीतर नई तैनाती वाली तहसील को सौंपे जाएं, अन्यथा संबंधित पीठासीन अधिकारी का वेतन रोका जाएगा। जिलाधिकारी ने मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज सेवानिवृत्त कर्मचारियों के नाम तत्काल हटाने के निर्देश भी दिए। बैठक में एडीएम अनिल कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट आसाराम शर्मा, सभी एसडीएम तथा राजस्व विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमरपाड़ा डाक बंगला में संताल परगना बचाओ मोर्चा की केंद्रीय समिति की बैठक, पार्टी के नाम परिवर्तन पर बनी सहमति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़, झारखंडः- अमरपाड़ा डाक बंगला परिसर में संताल परगना बचाओ मोर्चा की केंद्रीय समिति की बैठक केंद्रीय अध्यक्ष सत्य शिक्षानंद मुर्मू की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पार्टी के नामकरण को लेकर विचार-विमर्श करना था। बैठक में यह प्रस्ताव रखा गया कि संताल परगना के साथ-साथ राज्य के अन्य प्रमंडलों के बेरोजगार युवक-युवतियों एवं शोषित-पीड़ित लोगों की मांग है कि शोषण के विरुद्ध जन-जागरण अभियान को और व्यापक रूप दिया जाए। इस अभियान के तहत जल, जंगल और जमीन की रक्षा के साथ-साथ अपने हक एवं अधिकार की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाया जाएगा। साथ ही विकास कार्यों को लेकर भी पुरजोर आवाज उठाने पर जोर दिया गया। केंद्रीय समिति ने निर्णय लिया कि पूरे झारखंड राज्य के सभी प्रखंडों एवं मुख्यालयों में आंदोलन किया जाएगा। सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया कि संताल परगना बचाओ मोर्चा का नाम बदलकर अब संगठन का नाम झारखंड बचाओ मोर्चा होगा। इसी नाम से पार्टी के पंजीयन का भी निर्णय लिया गया। केंद्रीय अध्यक्ष सत्य शिक्षानंद मुर्मू ने बताया कि आगामी 19 जनवरी 2026 (सोमवार) को अमरपाड़ा प्रखंड मुख्यालय में जनाक्रोश रैली का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर 16 दिसंबर 2025 (मंगलवार) को अमरपाड़ा डाक बंगला परिसर में एक तैयारी बैठक रखी गई है, जिसमें जिला समिति के सदस्यों के साथ-साथ सभी प्रखंड अध्यक्षों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। बैठक में महिला मोर्चा की केंद्रीय अध्यक्ष जोवान्ना हेंब्रम, केंद्रीय महासचिव नागेंद्र सोरेन एवं गोकुलानंद शुक्ला, पाकुड़ जिलाध्यक्ष राहुल हेंब्रम, अमरपाड़ा प्रखंड अध्यक्ष सुनील मरांडी, हिरणपुर प्रखंड अध्यक्ष राम सेन सहित अर्जुन टुडू, साधीन मड़ैया, महेश मरांडी, डेत बास्की, बिहारी मुर्मू, मदन मरांडी, संजय कुर्मी समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

पल्स पोलियो जागरूकता रैली को विधायक ने किया रवाना

ललितपुर। सघन पल्स पोलियो अभियान की जागरूकता रैली को पी.एन.इंटर कॉलेज से विधायक रामरतन कुशवाहा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विधायक ने कहा कि बच्चे को पोलियो वैक्सीन पिलाने से कोई नुकसान नहीं है बल्कि इससे फायदा है। पोलियो की वैक्सीन से हम बच्चों की जिंदगी को बेहतर और सुरक्षित बनाये रख सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को पोलियो वैक्सीन पिलाने की अपील की। सीएमओ ने बताया कि 14 दिसंबर 2025 को जिले में 0 से 5 साल तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी, जो बच्चे बूथ दिवस पर दवा पीने से छूट जायेंगे उन्हें स्वास्थ्य विभाग की टीमें 15 दिसंबर से 19 दिसम्बर (सोमवार से शुक्रवार) तक घर-घर जाकर दवा पिलाने का काम करेंगी। इसके बाद भी जो बच्चे छूट जायेंगे उन्हें 22 दिसम्बर को दवा पिलाई जायेगी। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपने 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने की अपील की। प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि इस कार्यक्रम हेतु आशा एवं एएनएम को प्रशिक्षित किया गया है। डिस्ट्रिक्ट पब्लिक हैल्थ स्पेशलिस्ट ने बताया कि रैली के माध्यम से आगामी सघन पल्स पोलियो अभियान हेतु जनसामान्य को जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एमआरएलबी म्युचुअल वैनीफिट निधि का डायरेक्टर बनकर लाखों रुपये हड़पने का आरोप

पुलिस ने नहीं लिखी शिकायत तो महिला ने ली न्यायालय की शरण, अब मुकदमा दर्ज

ललितपुर। वसुन्धरा कालोनी भैरो बाबा के पीछे सिविल लाइन निवासी राधा पत्नी रजनंदन ने एडीजे एस.सी.एस.टी. एक्ट न्यायालय में वाद दायर किया है। राधा ने कोर्ट को बताया कि 15 फरवरी 2024 को सुबह 9.30 बजे वह अपने पति रजनंदन, ससुर कमलदास, सास रामप्यारी व बच्चों के साथ घर पर थी। तभी नईबस्ती चिरागशाह के पास रहने वाले आशीष, शुभम पुत्रगण जगमोहन उर्फ बृजमोहन नामदेव आये और अपने आप को एमआरएलबी म्युचुअल वैनीफिट निधि का डायरेक्टर बताते हुये उसे व उसके पति को खाता खुलवाने के लिए प्रेरित किया। 15 फरवरी को उसके पति से 3 हजार रुपये, 29 फरवरी को उससे 7 हजार रुपये लिये व दोनों को एक फर्जी रिकरिंग डिपोजिट पासबुक बनाकर दी। इसके बाद 29 फरवरी को उसे विश्वास में लेकर एक लाख रुपये फिक्स डिपोजिट सर्टिफिकेट के लिए लिया और एक फर्जी फिक्स डिपोजिट सर्टिफिकेट बनाकर दिया। इसके बाद 3 अप्रैल 2024 को उसके पति से 3 हजार व उससे 7 हजार रुपये, 8 मई को उससे 7 हजार रुपये पति से 6 हजार रुपये, 6 जून, 24 जुलाई को उससे रुपये लिये गये। महिला के अनुसार कुल 1 लाख 53 हजार रुपये उससे व उसके पति से लिये गये। बचत पत्रों के अनुसार उक्त राशि 28 फरवरी 2025 को ब्याज सहित प्राप्त होनी थी। लेकिन समय बीतने के बाद उक्त लोगों ने रुपया नहीं दिया। वह अपने पति के साथ इलाइट चौराहा के पास परिवार पैलेस स्थित उसके कार्यालय पहुंचे तो पता चला कि कार्यालय बंद हो गया। उसने फोन कर रुपये देने की बात कही तो आशीष ने जल्द रुपये दिलाने का आश्वासन दिया, लेकिन कई बार रुपये मांगने पर रुपये नहीं लौटाये। आरोप है कि 31 जुलाई 2025 को सुबह करीब 9 बजे वह अपने पति, सास के साथ आशीष व शुभम के घर पहुंची, जहां दोनों ने अपने पिता जगमोहन उर्फ बृजमोहन, मां सुनीता के साथ रुपये मांगने पर गालियां दीं और रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। मामले की शिकायत करने वह कोतवाली जा रही थी तो उक्त लोगों ने रास्ता रोकते हुये जान से मारने की धमकी दी। 4 अगस्त को मामले की शिकायत एसपी से रजिस्टर्ड डाक से की गयी, लेकिन कार्यवाही न होने न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 352, 351(3) व एस.सी.एस.टी. एक्ट की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध) के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

भारत के विकास के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव : प्राचार्यविकसित भारत मिशन का औपचारिक शुभारंभ

● विकसित भारत युवा कनेक्ट-2047 कार्यशाला नेमवि में सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। नेहरू महाविद्यालय के तुलसी सभागार में युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में विकसित भारत युवा कनेक्ट-2047 कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। प्राचार्य ने कहा कि विकसित भारत मिशन का औपचारिक शुभारंभ भारत के विकास के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह मिशन भारत को अपनी पूरी क्षमता दिखाने और वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र का दर्जा प्राप्त करने का अवसर देता है, जो भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने का प्रतीक होगा। अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों में तेजी से हो रही प्रगति को देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि यह लक्ष्य निर्धारित समय में प्राप्त किया जा सकता है। विकसित भारत का सपना हर भारतीय के मन में बसता है। युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली से प्रतिनिधि के रूप में युवा आइकॉन अनिल कुमार ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत वह सपना है जिसे पूरा करने की चाह हर भारतीय के दिल में है। यह एक ऐसे समृद्ध राष्ट्र की कल्पना करता है, जहाँ लोगों को अच्छी शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षित माहौल मिले। इस दौरान एनएसएस लखनऊ से आये रोशन सिंह, शारीरिक शिक्षा विभाग प्रो.अनिल सूर्यवंशी, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा.सुधाकर उपाध्याय, नोडल अधिकारी डा.ओ.पी. चौधरी ने भी संबोधित किया। इस दौरान आरएमब्ली के कार्यक्रम अधिकारी अमित कुमार, साधना नांगल, डा.वंदना याज्ञिक, नरेन्द्र सिंह बुन्देला, गंगाराम, प्रो.अनिल सूर्यवंशी, हिमांश धर द्विवेदी, डा.हरीशचंद्र दीक्षित, डा.सुधाकर उपाध्याय, डा.संजीव कुमार शर्मा, डा.सुबेदार यादव, डा.दीपक पाठक, डा.राजेश तिवारी, डा.अवनीश त्रिपाठी, डा.बलराम द्विवेदी, डा.लक्ष्मीकांत मिश्रा, डा.जगत कौशिक, इं.सौरभ श्रीवास्तव, डा.राजीव निरंजन, इं.विपिन शुक्ला, डा.सुनील शुक्ला, डा.गौरेन्द्र सिंह, डा.संतोष सिंह, डा.सत्यदेव, सुकपाल, डा.वर्षा साहू, कविता पैजवार, श्वेता आनन्द, डा.प्रीति सिरौटिया, डा.रजनी चौबे, डा.जगवीर सिंह, रोहित वर्मा, संदीप श्रीवास्तव, डा.अनूप दीक्षित, डा.पराग कुमार, मनीष वर्मा, राहुल पस्तोर, विवेक पाराशर, फहीम बख्श, धुव्र किलेदार, जयंत चौबे, अंकित चौबे, रमेश पाल, कमलेश प्रजापति, राकेश प्रजापति, सुरेश, अनिल, रामसेवक, कामता प्रसाद शर्मा आदि उपस्थित रहें। छात्र-छात्राओं में सीता, गीता, राधा, मानसी पाटकर, नैन्सी पाटकर ने महत्वपूर्ण प्रस्तुतियां दी। संचालन डा.सुधाकर उपाध्याय ने व आभार कार्यक्रम अधिकारी मनीष कुमार ने किया।

बाल श्रम रोको अभियान तालबेहट में बाल श्रम रोकने हेतु चलाया गया विशेष जागरूकता अभियान

●गोष्ठी का आयोजन कर व्यापारियों को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। श्रम विभाग द्वारा नगर क्षेत्र तालबेहट में बाल श्रम रोकने हेतु विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने संयुक्त टीम सहित तालबेहट क्षेत्र के बाजारों का भ्रमण किया गया और व्यापारियों को जानकारी दी कि यदि उनके द्वारा प्रतिष्ठानों में बच्चों से काम कराये जाने की सूचना मिलती है तो तत्काल कानूनी कार्यवाही की जायेगी। आयुक्त झांसी मंडल एवं जिलाधिकारी के निर्देशन में बाल श्रम के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त द्वारा विशेष निर्देश दिये गये हैं कि झांसी मंडल में आवर्त सभी जनपदों को 26 जनवरी 2026 तक बाल श्रम मुक्त कराना है। प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में नगर क्षेत्र तालबेहट के व्यापारियों के साथ बैठक कर जागरूक किया गया। जहां बाल श्रम कराया जा रहा है वहां प्रत्येक माह बाल श्रम रोकने के उद्देश्य से निरीक्षण की कार्यवाही की जा रही है, जनपद को बाल श्रम मुक्त कराये जाने हेतु निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं एवं बाल श्रम कानून का उल्लंघन करने पर सम्बन्धित सेवायोजकों/दुकानदारों के विरूद्ध नोटिस भेजने के उपरान्त प्राभियोजन दायर करने की कार्यवाही की जा रही है, यह कार्य निरन्तर किया जायेगा और शासन के आदेशानुसार प्रत्येक माह कार्यवाही की जा रही है, जिसमें 20 से 70 हजार रुपये तक जुर्माना व 6 माह से 02 साल तक की सजा अथवा दोनो का प्रावधान है। निरीक्षण टीम द्वारा जनपद को बाल श्रम मुक्त कराने हेतु निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं जिससे जनपद में बाल/किशोर श्रमिकों की संख्या काफी कम रह गयी है। निरीक्षण के समय श्रम प्रवर्तन अधिकारी, मानव तस्कर रोधी थाना प्रभारी मंसूर अंसारी, महिला कां.कल्पना वाजपेयी, श्रम विभाग से कुल्दीप गुप्ता, रामप्रताप सिंह एवं जिला प्रोबेशन से जयराम, चाइल्ड लाइन से शुभम शुक्ला, शुभम अहिरवार, नगर व्यापार मण्डल तालबेहट से विशेष सहयोगी के रूप में संरक्षक कमल प्रकाश शिवहरे, विजय मिश्रा, राजेश सोनी, शिशिर जायसवाल, रविन्द्र जैन, रत्नेश जैन, अंकुर जड़िया, बृजेन्द्र शर्मा, फूलचन्द्र रैकवार, अशोक कुशवाहा, वीरन कुशवाहा, राजेन्द्र सूर्यश, नरेन्द्र नामदेव सहित कई व्यापारी उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर अमर सिंह यादव को किया याद, शब्दों से नहीं, कर्म से दी गई श्रद्धांजलि

●प्रगति रक्तदान समिति के दो रक्तदाताओं ने डायलिसिस मरीजों के लिए किया रक्तदान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। अमर सिंह यादव तेरा की पुण्यतिथि पर प्रगति रक्तदान समिति से जुड़े रक्तदाताओं ने मानव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर समिति के दो समर्पित सदस्यों ने जिला अस्पताल पहुंचकर डायलिसिस पर भर्ती दो गंभीर मरीजों के लिए रक्तदान किया। यह रक्तदान अमर सिंह यादव की स्मृति को सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में देखा जा रहा है, जिसने समाज में सेवा और संवेदनशीलता का संदेश दिया। प्रगति रक्तदान समिति से जुड़े महेंद्र सिंह ने दूसरी बार रक्तदान कर जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनरक्षक सहयोग प्रदान किया, जबकि रामनिवास कुशवाहा ने पहली बार रक्तदान करते हुए मानव सेवा के क्षेत्र में सराहनीय पहल की। दोनों रक्तदाताओं ने समय पर जिला अस्पताल पहुंचकर अपना रक्तदान किया, जिससे उपचाररत डायलिसिस मरीजों और उनके परिजनों को बड़ी राहत मिली। इस कार्य से यह स्पष्ट हुआ कि जब समाज के लोग आगे बढ़कर सहयोग करते हैं, तो कठिन परिस्थितियों में भी मरीजों की जान बचाई जा सकती है। जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को उपचार के दौरान रक्त की तत्काल आवश्यकता थी। सूचना मिलते ही प्रगति रक्तदान समिति ने सक्रियता दिखाते हुए तुरंत सहयोग सुनिश्चित किया। रक्तदान के दौरान संस्था के जिला अध्यक्ष प्रिंस राठौर, नगर अध्यक्ष नरेन्द्र चन्देल सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सभी ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और उनके इस सेवा भाव को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। अमर सिंह यादव की पुण्यतिथि पर किया गया यह रक्तदान न केवल एक सामाजिक दायित्व का निर्वहन था, बल्कि यह संदेश भी देता है कि किसी के जीवन की रक्षा से बड़ा कोई पुण्य नहीं होता। प्रगति रक्तदान समिति लगातार जरूरतमंद मरीजों के लिए सक्रिय भूमिका निभाती आ रही है और समय-समय पर ऐसे प्रयासों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश देती रही है। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि रक्तदान जैसे कार्य किसी विशेष अवसर के मोहताज नहीं होते, बल्कि जरूरत पड़ने पर तत्काल सहयोग ही सच्ची मानव सेवा है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने रक्तदाताओं के इस कार्य की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अमर सिंह यादव की स्मृति में किया गया यह सेवा कार्य समाज को यह प्रेरणा देता है कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

पावागिरि में पंचकल्याणक महामहोत्सव की तैयारियां तेज, 15 दिसंबर को होगा महापात्रों का चयन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालबेहट। बुंदेलखंड के प्रसिद्ध दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र पावागिरि में आगामी पंचकल्याणक महामहोत्सव को लेकर धार्मिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। आचार्य प्रवर विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य, बुंदेली संत वात्सल्य मूर्ति मुनि सुव्रत सागर महाराज का शुक्रवार को सायंकाल सिद्ध क्षेत्र पावागिरि में मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र प्रबंध समिति ने अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन के नेतृत्व में संत की भव्य आगवानी की।शनिवार को त्रिकाल चौबीसी के मूलनायक भगवान मुनिसुव्रतनाथ स्वामी का मस्तिकाभिषेक संपन्न हुआ। क्षेत्र प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष विशाल जैन पवा ने बताया कि मुनि सुव्रत सागर महाराज के मंगलमय सानिध्य में 12 से 17 जनवरी 2026 तक श्री मज्जिनेन्द्र जिनबिम्ब प्रतिष्ठा एवं पंचकल्याणक महामहोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत मुख्य महापात्रों का चयन 15 दिसंबर, सोमवार को प्रतिष्ठाचार्य बा. ब्र. संजय भैया (मुरैना) के निर्देशन में किया जाएगा। कार्यक्रम के अनुसार, सुबह भगवान पारसनाथ स्वामी एवं चौबीसी के मूलनायक भगवान चंद्रप्रभ स्वामी का जन्म-तप कल्याणक मनाया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर एक बजे से पात्र चयन कार्यक्रम आयोजित होगा। वहीं रविवार को प्रातः चमत्कारी बाबा मूलनायक भगवान पारसनाथ स्वामी का मस्तिकाभिषेक, शांतिधारा पूजन विधान तथा मुनि श्री के मंगल प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। महामहोत्सव की तैयारियों को लेकर क्षेत्र प्रबंध समिति के अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन, मंत्री जयकुमार जैन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद जैन, उपाध्यक्ष विशाल जैन पवा, संयुक्त मंत्री विकास भंडारी, उपमंत्री आकाश चौधरी, ऑडीटर पंकज भंडारी एवं अजय जैन सहित कार्यकारिणी समिति के सदस्य और निकटवर्ती दिगंबर जैन समाज के लोग सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

एंटी ह्यूमेन ट्रैफिकिंग की मासिक समवन्य गोष्ठी सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में एडीएम नोडल अधिकारी कालू सिंह के पर्यवेक्षण व उपस्थिति में थाना ए.एच.टी. व एस.जे.पी.यू., समस्त थानों के बाल कल्याण पुलिस अधिकारी के साथ मासिक गोष्ठी माह दिसम्बर 2025 की समीक्षा बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यशाला पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में आहुत की गयी, जिसमें महिला व बाल सुरक्षा संगठन उ.प्र.लखनऊ द्वारा जारी एसओपी, अनुसंधान एवं थानों पर नियुक्त बाल कल्याण पुलिस अधिकारी के समक्ष आ रही समस्या एवं बाल गुमशुदा, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम, लैंगिक समानता, साइबर क्राइम, एस.सी.एस.टी.एक्ट, नारी शक्ति किशोर न्याय अधिनियम 2015 में हुए नवीनतम संशोधन पोस्को एक्ट के अभियोग पंजीकृत होने के 24 घंटे के अंदर सीडब्ल्यूसी को सूचित करना, पॉक्सो के मामले में फार्म ए-बी व एसबीआर रिपोर्ट पुलिस द्वारा भरकर संबंधित को समय से भेजा जाना बाल कल्याण अधिकारी के कर्तव्य का पालन, जे.जे एक्ट के अंतर्गत सामाजिक पृष्ठभूमि आदि तथा पोक्सो एक्ट से संबंधित अभियुक्तों की उच्च न्यायालय से प्राप्त बेल नोटिस को बाल कल्याण समिति एवं वादी/पीड़िता को अंदर समय उपलब्ध कराना के संबंध में विस्तृत रूप से चर्चा की गई। साथ ही साथ जनपद मे गुमशुदा बच्चों के पंजीकृत व लंबित मामलों व पास्को एक्ट के अन्तर्गत पंजीकृत अभियोगों पर चर्चा व जेजे एक्ट से सम्बंधित आदेश निर्देश एवं जागरुकता के अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया। इस बैठक में सी.डब्लू.सी., श्रम विभाग, जिला प्रोबेशन, चाइल्ड लाइन, प्रधान किशोर न्याय बोर्ड, जिला अभियोजन, वन स्टाफ सेन्टर एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण व सभी थानो से सम्बन्धित बाल कल्याण अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

तालबेहट में सांसद खेल स्पर्धा का शुभारंभ

●विधायक और बीजेपी जिलाध्यक्ष ने किया उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालबेहट। मर्दन सिंह इंटर कॉलेज के खेल मैदान में शनिवार को सांसद खेल स्पर्धा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, भाजपा जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी, खेल प्रेमी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में मंडल अध्यक्ष नीरज पटैरिया, वरिष्ठ भाजपा नेता रामनारायण पाठक , नीलू पटैरिया सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों की भी सहभागिता रही, जिन्होंने आयोजन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का माध्यम हैं और ऐसे आयोजनों से ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं।आयोजकों ने बताया कि सांसद खेल स्पर्धा के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें क्षेत्र के युवा खिलाड़ी उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

● महराजगंज तराई के कार्यक्रम रहे विशेष आकर्षण, मिशन शक्ति टीम हुई सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के अंतर्गत बलरामपुर पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिनांक 13 दिसंबर 2025 को जनपद के समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा दल द्वारा स्कूलों, कॉलेजों, बाजारों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इस अभियान में थाना महराजगंज तराई क्षेत्र के लोहेपनिया गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में किए गए कार्यक्रम विशेष रूप से सराहनीय रहे। महराजगंज तराई मिशन शक्ति टीम द्वारा अब तक 100 से अधिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं सरकारी सुविधाओं की जानकारी दी जा चुकी है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान का व्यापक प्रभाव देखने को मिल रहा है। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को वूमेन पावर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 एवं साइबर हेल्पलाइन-1930 की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही गुड टच-बैड टच, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट, महिला अधिकारों एवं कानूनी प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा पंपलेट वितरण कर जागरूक किया गया। महराजगंज तराई क्षेत्र में आयोजित ग्राम चौपालों के माध्यम से महिला बीट अधिकारियों ने महिलाओं की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। साथ ही स्थानीय थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र की कार्यप्रणाली एवं उपलब्ध सेवाओं की जानकारी देकर महिलाओं को इन केंद्रों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। थाना महराजगंज तराई क्षेत्र में चलाए गए इस अभियान का नेतृत्व उप निरीक्षक आकांक्षा तिवारी ने किया। उनके साथ मुख्य आरक्षी तरस राम यादव, ओमप्रकाश, आरक्षी प्रमोद कुमार, पवनेश कुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी श्यामलाल, एएनएम सिद्धया तिवारी एवं साइबर अपराध के प्रति जागरूकता हेतु आरक्षी धीरज तिवारी की सक्रिय भूमिका रही। मिशन शक्ति टीम के निरंतर एवं प्रभावी कार्यों से प्रभावित होकर एडवोकेट महेंद्र तिवारी द्वारा टीम को अंगवस्त्र एवं डायरी भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान शिव कुमार सहित बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं, बालिकाएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना, उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना तथा समाज में नारी के सम्मान एवं गरिमा को और अधिक मजबूत करना है। महराजगंज तराई क्षेत्र में किए गए व्यापक कार्यक्रमों से यह स्पष्ट है कि बलरामपुर पुलिस के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों तक महिलाओं में जागरूकता बढ़ रही है और वे भयमुक्त एवं स्वाभिमानी जीवन की ओर अग्रसर हो रही हैं।

थाना लालिया में डीएम एवं एसपी की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार की अध्यक्षता में दिनांक 13 दिसंबर 2025 को थाना लालिया परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, जिनकी शिकायतों को डीएम एवं एसपी ने गंभीरता से सुना। थाना समाधान दिवस के दौरान अधिकारियों द्वारा कई शिकायतों का मौके पर ही आपसी समझौते के माध्यम से निस्तारण कराया गया, जबकि शेष प्रकरणों के लिए संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई के निर्देश दिए गए। डीएम एवं एसपी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने भूमि विवाद एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े संवेदनशील मामलों को प्राथमिकता पर लेते हुए पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ किया जाए, ताकि आमजन को समय पर न्याय मिल सके। पुलिस अधीक्षक ने भी अधिकारियों को निर्देशित किया कि थाना समाधान दिवस पर प्राप्त शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। थाना समाधान दिवस के अवसर पर राजस्व एवं पुलिस विभाग के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन की इस पहल से फरियादियों में संतोष देखने को मिला और लोगों ने जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन की सराहना की।

मंदिर से लौट रहे युवक पर एक राय होकर हमला

ललितपुर। थाना पूराकलां अंतर्गत बिरधा निवासी शिवकांत पुत्र हरीशंकर दुबे ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि 11 दिसंबर को शाम करीब 6 बजे उसका भाई रमाकांत दुबे मंदिर से आ रहा था। तभी रास्ते में गांव के सोहन, शेरसिंह, मुलायम सिंह, महाराज सिंह, प्रान सिंह पुत्र जशरथ, चन्दन पुत्र सोहन, जितेन्द्र पुत्र लाल सिंह लोधी ने उसके भाई को गालियां दीं। विरोध करने पर उक्त लोगों ने लाठी-डंडों से मारपीट कर दी। उसका भाई चिल्लाया तो गांव के तखत सिंह पुत्र गुलाब सिंह, रामनिलन पुत्र बेचैन सिंह लोधी दौड़कर आये और ललकारा तो उक्त लोग जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। आरोप है कि हमले में उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया तो वहीं उसकी मोटर साइकिल व मोबाइल भी क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 191(2), 115(2), 352, 351(3), 324(4) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

संक्षिप्त खबरें

सिद्धार्थनगरः चेतिया में यूरिया खाद को लेकर किसानों ने किया धरना/प्रदर्शन

सिद्धार्थनगर। जिले के बांसी विकास खंड के चेतिया क्षेत्र में यूरिया खाद की किल्लत से किसान परेशान हैं। कई दिनों से खाद न मिलने के कारण किसानों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। गेहूं और अन्य फसलों की बुवाई कर चुके किसानों की खेती प्रभावित हो रही है। इसी समस्या को लेकर शनिवार को चेतिया सहकारी समिति पर किसानों ने धरना/प्रदर्शन किया। धरना /प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में किसान और स्थानीय लोग मौजूद रहे। मौके पर पुलिस प्रशासन भी तैनात रहा। धरना स्थल पर कई जिम्मेदार अधिकारी भी उपस्थित थे।किसानों का आरोप है कि साधन सहकारी समिति के सचिव मनोज शुक्ला केवल समिति के सदस्यों को ही खाद दे रहे हैं। किसानों ने बताया कि सहकारी समिति पर खाद कम दामों में मिलती है, जबकि निजी दुकानों पर यूरिया खाद दोगुने दाम पर खरीदना पड़ रहा है। इसी कारण सभी किसान सहकारी समिति से खाद लेने पहुंचे थे।सहकारी समिति के सचिव मनोज शुक्ला ने बताया कि खाद सीमित मात्रा में उपलब्ध है। इसलिए, पहले उन किसानों को खाद दी जा रही है जो समिति के सदस्य हैं और जिनके पास पासबुक है। उन्होंने कहा कि खाद बचने के बाद ही किसी अन्य व्यक्ति को दिया जा सकता है।खाद वितरण की स्थिति का जायजा लेने के लिए बांसी से एडीओ सहकारिता सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारी मौके पर मौजूद थे। धरना /प्रदर्शन के दौरान सुनील यादव, लालमन, सुरेश यादव, शशि निषाद, राजन, प्रदीप और संजय निषाद सहित कई लोग उपस्थित रहे।इस मामले में जिला कृषि अधिकारी मोहम्मद मुजम्मिल ने बताया कि क्षेत्र में यूरिया खाद की किल्लत है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही इस समस्या का समाधान कर लोगों को राहत दिलाई जाएगी।

सलिल विश्नोई ने किया ओपेन जिम का लोकार्पण

कानपुर। कानपुर में आज दिनांक 13 दिसम्बर 2025 को कान्यकुब्ज पब्लिक स्कूल, माल रोड, के वार्षिक उत्सव के अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि विधायक सलिल विश्नोई द्वारा छात्र-छात्राओं को व्यायाम की सुविधा हेतु स्कूल में लगवाये गये ओपेन जिम का लोकार्पण किया गया। समारोह के विशिष्ट अतिथि कैण्ट बोर्ड के सदस्य लखन ओमर थे। इस अवसर पर सलिल विश्नोई जी के साथ स्कूल के प्रबन्धक ओंकार नाथ अवस्थी, ट्रस्ट के सचिव रमेश अवस्थी प्रधानाचार्या पूजा सहगल, रविन्द्र नाथ अवस्थी, एस.के.शुक्ला आदि की उपस्थिति प्रमुख रही।

बरीपाल सीएचसी में अनुपस्थित मिले दो डॉक्टरो का सीएमओ ने रोका वेतन

घाटमपुर। कानपुर नगर जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरीपाल में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सीएमओ, डॉ हरिदत्त नेमी ने सीएचसी का औचक निरीक्षण किया,इस दौरान उन्हें दो डॉक्टर अनुपस्थित मिले,जिनका वेतन रोकने का निर्देश दिया गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरीपाल में डॉक्टरो के नियमित रूप से उपस्थित न रहने की शिकायतें लगातार मिल रही थी,इन शिकायतों के कारण स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा था , मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ हरि दत्त नेमी के निरीक्षण में भी यह बात सामने आई,जब दो डॉक्टर ड्यूटी से नदारद पाए गए, सीएमओ डॉ हरिदत्त नेमी ने बताया कि अनुपस्थित पाए गए दोनों डॉक्टरों के खिलाफ वेतन रोकने की कार्रवाई की जाएगी, निरीक्षण के दौरान सीएचसी में अन्य स्टाफ मौजूद मिला, सीएमओ डॉ हरिदत्त नेमी ने बताया कि कि निरीक्षण के दिन एक डिलीवरी भी हुई थी, उन्होंने फार्मासिस्ट को ओपीडी नियमित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए, साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सीएचसी में सभी आवश्यक दवाएं और उपकरण उपलब्ध है,और जरुरत मद मरीजों को दिए जाएं, डॉ नेमी ने स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह से संचालित रखने के भी सख्त निर्देश दिए।

20 लाख की लालच में हाथ पैर तुड़वा कर, अस्पताल पहुंचा,

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर शहर में 20 लाख रूपए की लालच में किडनैप करने वाला खुद अस्पताल पहुंच गया,किडनैपर को पकड़ने जब पुलिस पहुंची, तों वह भागने के लिए छत से कूद गया, और हाथ पैर तुड़वा बैठा। आरोपी पर अपने साथियों के साथ मिलकर एक युवक को पिस्टल के बल पर अगवा करने और रात भर कमरे में बंद कर मारने पीटने का आरोप है, पीड़ित युवक की मां ने बताया कि किडनैपर उससे 40 लाख रुपए की डिमांड कर रहे थे,20 लाख रुपए वह दे चुका था, बाक़ी के पैसों के लिए वे उसे उठा ले गए, कमरे में बंद कर मारने के बाद पिस्तौल देकर सुसाइड करने को कह रहे थे, युवक किसी उनकी चंगुल से भागा, और घर आकर परिजनों को सारी बात बताई, मां ने पुलिस में नामजद तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ किडनैपिंग का केस दर्ज कराया था। घटना 7 दिसम्बर की बर्रा थाना क्षेत्र की हैं , आरोपी की पहचान मोनू सचान के रूप में हैं, गुजैनी के वैष्णवी विहार की सुनीता सचान ने बताया कि 7 दिसंबर की रात आठ बजे मेरा बेटा प्रियांशु सचान बर्रा में सुमित मैगी प्वाइंट पर चाय पी रहा था ,तभी 12से अधिक मुकदमे में नामजद घाटमपुर का रहने वाला अपराधी मोनू सचान वहां पहुंचा बेटे को पिस्टल लगाकर बाइक पर बैठा लिया,बाइक मोनू का साथी ऋतिक प्रजापति चला रहा था, जबकि दूसरी बाइकों में हर्षित बचाए, शिवम् सचान, कृष्णा सैनी,आयुष तिवारी,और अन्य लोग थे,मोनू बेटे को एक कमरे में ले गया, और रात भर पीटता रहा,मोनू ने बेटे से कहा कि तुमसे 40 लाख वसूल करने थे तुमने 20 लाख ही दिए बाकी की एक घंटे में व्यवस्था करो 20 लाख रूपए दुबारा देने में अस्मर्थता जताई, तों आरोपियों ने प्रियांशु के हाथ में पिस्तौल देते हुए कहा कि पैसे दो या फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर लो,इस दौरान प्रियांशु के गले में चाकू से हमला कर दिया चाकू चेहरे के बाई ओर लगा ,किसी तरह चंगुल से छूट कर घर आया, और परिजनों को आपबीती बताई, मां सुनीता सचान की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के मोनू सचान, ऋतिक प्रजापति, हर्षित सचान, कृष्णा सैनी आयुष तिवारी,समेत अन्य अज्ञात के खिलाफ,अपहरण समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है,बर्रा थाना प्रभारी रवीन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस मोनू के घाटमपुर स्थित घर पर पहुंची, मामले में नामजद आरोपी मोनू,के साथ शराब पीते मिलें, पुलिस की आहट मिलते ही सभी छत से कूद कर भागने लगे, मोनू भी कूदा उसके हाथ पैर टूट गए, जबकि भाग रहे कृष्णा सैनी को पुलिस ने दौड़ा कर पकड़ लिया, कृष्णा को जेल भेजा गया,और मोनू को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जिलाधिकारी ने बंद आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लिया संज्ञान, लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह आज स्वामी विवेकानंद विद्यालय, लोधर (मंधना) में आयोजित विद्यालयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करने जा रहे थे। इसी दौरान उनकी दृष्टि आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप-केंद्र), लोधर, विकास खण्ड कल्याणपुर पर पड़ी, जो प्रातः 11 बजे बंद पाया गया। जिलाधिकारी द्वारा स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत करने पर जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर पिछले लगभग दो माह से बंद है। ग्रामीणों ने बताया कि केंद्र पर तैनात सीएचओ (कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर) के पति का लगभग दो माह पूर्व निधन हो गया था, जिसके पश्चात वह ड्यूटी पर नहीं आ रही हैं और उसी समय से यह केंद्र बंद पड़ा है। इस गंभीर लापरवाही का तत्काल संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ. हरिदत्त नेमी को मौके पर तत्काल पहुंचने तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर को अविलंब संचालित कराने के निर्देश दिए। विद्यालय कार्यक्रम समाप्त होने के पश्चात जिलाधिकारी पुनः आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सचेत करते हुए कहा कि इतनी महत्वपूर्ण शासन की योजना के बंद रहने की जानकारी आपको क्यों नहीं है? जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद के समस्त आयुष्मान आरोग्य केंद्रों की पिछले दो माह की उपस्थिति का सत्यापन कराते हुए आख्या प्रस्तुत की जाए। संबंधित नोडल अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों द्वारा पर्यवेक्षण में हुई शिथिलता की जिम्मेदारी तय की जाए।

ऊंचाहार अमेठी रेल लाइन परियोजना को लेकर संसद में प्रमोद ने उठाया सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। ऊंचाहार अमेठी रेल लाइन परियोजना को पूरा कराये जाने को लेकर संसद में राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी की आवाज मजबूती से गूंजी है। जिले के सांगीपुर-अठेहा क्षेत्र के भी कई गांवों को जोड़ने वाली इस नई रेल लाइन परियोजना के अब पूरा होने की आस जगी है। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने तत्कालीन यूपीए सरकार द्वारा स्वीकृति हुई ऊंचाहार अमेठी रेल लाइन परियोजना को पूरा कराये जाने को लेकर शुक्रवार की देर शाम सदन में सवाल उठाया है।उन्होने कहा कि ऊंचाहार अमेठी रेल लाइन पड़ोसी रायबरेली और अमेठी सीवीके साथ प्रतापगढ़ जिले के अठेहा क्षेत्र को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण रेलवे परियोजना है। यह रेल मार्ग लगभग 67.17 किलोमीटर लम्बी प्रस्तावित है। सांसद प्रमोद तिवारी ने सरकार से कहा कि इस रेल परियोजना का उद्देश्य रायबरेली, अमेठी और प्रतापगढ़ जिले के 81 गांवों को जोड़ना है। उन्होने सरकार को बताया कि इस रेल लाइन पर इन जिलों के सात रेलवे स्टेशन भी प्रस्तावित हैं। सांसद प्रमोद तिवारी ने सदन में कहा कि ऊंचाहार अमेठी नई रेल लाइन परियोजना के अर्न्तगत सर्वे, भूमि चिन्हांकन तथा भूमि अधिग्रहण जैसे महत्वपूर्ण कार्य वर्षो पूर्व पूर्ण किये जा चुके हैं। उन्होने कहा कि परियोजना के प्रारंभिक चरण में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर निर्माण कार्य भी प्रारम्भ किया गया था। उन्होने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि सोनिया गांधी की पहल पर इस नई रेल लाइन परियोजना को लेकर विगत कई वर्षो से निर्माण की प्रगति अत्यन्त धीमी है। उन्होने कहा कि प्रशासनिक लापरवाही एवं तकनीकी खामियों के कारण यह महत्वपूर्ण परियोजना पूरी नहीं हो पा रही है।

समाधान दिवस में अचानक पहुंचे एसपी, शिकायतों के निस्तारण के दिये निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। थाना समाधान दिवस में अचानक एसपी के आ जाने से पुलिसकर्मियों में हडकंप मच गया। एसपी दीपक भूकर ने स्थानीय लालगंज कोतवाली में एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा के साथ शिकायतों की सुनवाई की। वहीं पुलिस अधीक्षक ने कोतवाली परिसर का औचक निरीक्षण भी किया। समाधान दिवस में पन्द्रह शिकायतों में दो का निस्तारण हुआ। एसपी दीपक भूकर ने शिकायतों की सुनवाई करते हुए निस्तारण के बाबत प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार को कड़े निर्देश दिये। उन्होने भूमि सम्बन्धी विवादों में पुलिस एवं राजस्व टीम का गठन कराते हुए समाधान की आख्या भी दिये जाने को लेकर मातहतो की पेंच कसी। इसके बाद एसपी ने कोतवाली परिसर का निरीक्षण भी किया। महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण करते हुए पुलिस अधीक्षक ने महिला अपराधो से जुडे प्रार्थना पत्रों पर हुई कार्रवाईयों की भी समीक्षा की। एसपी ने महिला हेल्प डेस्क को प्रभावी बनाये रखते हुए शिकायतो के निस्तारण में लापरवाही न बरतने की सख्त हिदायत भी दी। एसपी ने थाना परिसर का निरीक्षण करते हुए साफ सफाई के बेहतर प्रबन्ध को लेकर भी मातहतो को कर्रा किया। वही एसपी ने आगन्तुक पंजीकरण, अपराध रजिस्टर, शस्त्र रजिस्टर, मालखाना, सीसीटीएनएस पोर्टल के भी अभिलेखों का निरीक्षण किया। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार ने पुलिस अधीक्षक को वांछित जानकारियां प्रदान की।

घर में घुसकर महिला की पिटाई, नौ के खिलाफ केस दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने घर में घुसकर महिला की पिटाई व गालीगलौज तथा धमकी को लेकर नौ आरोपियो के खिलाफ गंभीर धाराओ मे केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के पूरे मुरली अमावां निवासी अशोक कोरी की पत्नी मालती ने दी गई तहरीर में कहा है कि बीती बारह दिसंबर को सुबह साढ़े आठ बजे उसका ट्रैक्टर गिट्टी लादकर आ रहा था। इसी समय घर के समीप गांव के आरोपी शैलेन्द्र सुत राम सुमेर, अनिल व ललित पुत्रगण शैलेन्द्र, ललई पुत्र जमुना, भोले व राज पुत्रगण ललई, कल्पना पत्नी भोले, मालती पत्नी शैलेन्द्र, बड़का पत्नी ललई लाठी डण्डे से लैस होकर ट्रैक्टर रोक दिया। पीड़िता ने आरोपियो से पूछा तब आरोपी उस पर हमलावर होते हुये गालीगलौज करने लगे।पीड़िता जान बचाने के लिए घर में घुस गयी तब आरोपियो ने पीछा करते हुए घर के अंदर घुसकर भी मारपीट किया। शोर मचाने पर आरोपी जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी शैलेन्द्र समेत नौ के खिलाफ बलवा समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है।

कानपुर के पतारा में लेबर इंस्पेक्टर बोला 5 हजार दो वरना जेल भेज दूंगा,

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर। पतारा में एक लेबर इंस्पेक्टर ने होटल संचालक से 5 हजार रुपए वसूल लिए, उसने होटल संचालक से कहा कि होटल में बाल-श्रम करवा रहे हो, तुम पर केस दर्ज कराकर जेल भिजवा दूंगा, बचना चाहते हो तो पैसे दे दो, वरना तुम्हारा जेल जाना तय है। होटल संचालक से पैसे लेने के बाद वह कार से वापस चला गया, इसके बाद होटल संचालक ने उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष के साथ घाटमपुर थाने पहुंचे और पुलिस को तहरीर दी, आपको बताते चलें कि घाटमपुर थाना क्षेत्र के पतारा कस्बे के निवासी राजवीर सैनी ने बताया कि मेरी कानपुर सागर हाइवे पर स्थित पतारा कस्बे पर बाला जी। स्वीट एंड नमकीन के नाम से दुकान हैं,मेरे पिता बिहारी लाल सैनी दुकान पर थे,तभी दुकान के सामने एक सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार आकर रूकी,कार से उतरकर एक युवक दुकान के अंदर आया , उसने पिता को अपना नाम हरिशंकर बताया,और कहा कि वह पत्रकार हैं, उसके पीछे एक दारोगा आया, उसके नेम प्लेट में उसका नाम जितेन्द्र प्रताप सिंह सेंगर लिखा था, इसके बाद एक युवक और आया, उसने बताया कि मैं लेबर इंस्पेक्टर हूं,मेरा नाम सुनील मौर्या हैं, फिर लेबर इंस्पेक्टर ने होटल में समोसा खा रहे बच्चों को बुलाया, उन्हें एक साथ खड़ा कर अपने मोबाइल से फोटो खींच ली, फिर मेरे पिता से बोलें, होटल में बाल-श्रम करवा रहे हो, तुम्हें जेल भिजवा दूंगा, इसके बाद वह सभी कार में बैठ कर चले गए, इसके बाद मेरे पिता ने मुझे फोन किया, मैं होटल पहुंचा, करीब 20। मिनट बाद फिर से वही कार होटल आई,,कार से उतर कर लेबर इंस्पेक्टर सुनील मौर्या,और हरिशंकर पत्रकार मेरे पास पहुंचे , उसने मुझे जेल भेजने की धमकी दी, फिर लेबर इंस्पेक्टर कार में जा कर बैठ गया, इसके बाद कथित पत्रकार हरिशंकर को मेरे पास भेजा, उसने मुझसे कहा कि लेबर इंस्पेक्टर बुला रहे हैं, जाकर उनसे मिल लो, मैं कार के पास और मुझे कार के अंदर बैठा लिया,उस उसने मुझे धमकीं दी,कहा कि पैसे दे दो बरना जिंदगी खराब हो जाएगी।उसने कहा कि बचना चाहते हो तो 5 हजार रुपए दो, मैंने डर के मारे दारोगा को 5 हजार रुपए दे दिए, इसके बाद जिला अध्यक्ष व्यापार मंडल महेश वर्मा के साथ घाटमपुर थाने गए, फिर पुलिस को तहरीर दी, घाटमपुर एसीपी कृष्ण कान्त यादव ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है, दारोगा के बारे में जानकारी की जा रही है, दुकान और आसपास के सीसीटीवी भी देखें जा रहें हैं, रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रतापगढ़ से सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता वोट चोर-गद्दी छोड़ महारैली के लिए रवाना हुए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे,नेता विपक्ष लोकसभा राहुल गांधी, राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी, राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय तथा विधानसभा दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' के आह्वान पर जनपद प्रतापगढ़ के कांग्रेसजन सैकड़ों की संख्या में रविवार को आयोजित होने वाली 'वोट-छोड़, गद्दी छोड़' महारैली में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना हुये।इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष का संकल्प लिया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी ने कहा कि देश और प्रदेश की जनता आज महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से परेशान है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज़ को मजबूती से उठा रही है। रविवार की यह महारैली भाजपा की जनविरोधी सरकार के खिलाफ निर्णायक संघर्ष की शुरुआत साबित होगी। प्रतापगढ़ के कांग्रेसजन पूरी ताकत के साथ इसमें भाग लेंगे। प्रतापगढ़ से जाने वाले में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष वेदांत तिवारी,कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला, कांग्रेस सेवादल के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम शंकर द्विवेदी, रामरतन तिवारी, भवानी शंकर दुबे, चंद्रनाथ शुक्ल,सुनीता सिंह पटेल, सुभाष तिवारी, राजेंद्र वर्मा, सुरेश कुमार सरोज, राहुल मिश्रा, अबू शमा,शहजाद सलमानी, रमेश बरनवाल, मोहम्मद दिलशाद, हजारीलाल पटेल, सानू पटेल, लाल बहादुर पटेल, पृथ्वीराज गौतम, मनीष सिंह पटेल, आशीष सिंह पटेल, मानसिंह पटेल, राम सिंह पटेल, मो. इदरीशी, पवन सिंह पटेल, मो.वसीम, रियाज सुल्तान आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

मारपीट की घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत, मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। मारपीट की घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान लखनऊ के एक अस्पताल में शुक्रवार की रात मौत हो गयी। युवक की मौत की सूचना घर पहुंचने पर परिजनो में कोहराम मच गया। सांगीपुर थाना क्षेत्र के लखनपुरसूर गांव में दो पक्षो में बीते रविवार को मारपीट हुई थी। मारपीट की घटना में कार्रवाई न होने पर मृतक पक्ष के परिजनो ने शुक्रवार को घायल को थाने के सामने चारपाई पर ले जाकर रोड पर हंगामा भी किया था। इसके बाद घायल को उपचार के लिए लखनऊ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। मारपीट की घटना में प्रदीप यादव समेत आठ लोगों के खिलाफ केस भी दर्ज हुआ है। मृतक पक्ष में आरोपियो की गिरफ्तारी न होने को लेकर शुक्रवार को आक्रोश फैल गया। थाने के सामने हंगामा कर परिजनों ने आरोपियो के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मारपीट की घटना में घायल शुक्रवार की रात जगदीश प्रसाद कोरी के पुत्र अनन्त बहादुर कोरी 28 की मौत हो गयी। मृतक पैर से दिव्यांग था। लखनऊ में ही शनिवार को उसका पीएम कराया गया। मृतक युवक के भाई पवन कुमार ने बताया कि शव देर रात तक घर पहुंचने की संभावना है। वहीं पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक मारपीट की घटना में घायल पूनम देवी पत्नी पवन कुमार, भगवानदीन व अयोध्या प्रसाद की भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घायलो का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक युवक की मौत को लेकर सांगीपुर पुलिस आरोपियो की गिरफ्तारी को लेकर मशक्कत में जुटी हुई है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 137335 वादों का किया गया निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जनपद न्यायालय परिसर, प्रतापगढ़ में राष्ट्रीय लोक अदालत का विधिवत उद्घाटन जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रतापगढ़ राजीव कमल पाण्डेय द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। जनपद न्यायाधीश द्वारा सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अधिक से अधिक संख्या में आपसी सुलह समझौते से मुकदमों का निस्तारण लोक अदालत में करें, जिससे अधिक से अधिक वादकारियों को लाभ मिल सके। कार्यक्रम का संयोजन/संचालन रामलाल द्वितीय अपर जिला जज/प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतापगढ़ ने किया। इस अवसर पर समस्त न्यायिक अधिकारीगण एवं अधिवक्ता संगठनों के पदाधिकारीगण, वरिष्ठ अधिवक्तागण, मध्यस्थगण, पैनल अधिवक्तागण, लीगल एड डिफेन्स काउन्सेल एवं पी0एल0वी0गण उपस्थित रहे। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 137335 वादों का निस्तारण किया गया। जिनमें 6006 फौजदारी वाद, 09 एन0आई0 एक्ट, 118 विद्युत वाद, 52 मोटर दुर्घटना वाद, 31 वैवाहिक वाद, 53 सिविल वाद, 921 बैंक ऋण, 11 बीएसएनएल वाद, 06 स्थायी लोक अदालत 04, उपभोक्ता फोरम कलेक्ट्रेट प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा 128720 मामले, एवं यातायात कार्यालय द्वारा 1404 वादों का निस्तारण किया गया। उपरोक्त प्रकरणों के अन्तर्गत फौजदारी वादों में 1625750 रूपये का अर्थदण्ड वसूल किया गया। मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति वादों में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के अधिकारी विजय पाल द्वारा कुल 52 मामलो में विपक्षी बीमा कम्पनियों से पीड़ित याचीगण को रू0 41224600 रूपये का प्रतिकर दिलाया गया। उत्तराधिकार वादों में 844914.74 रूपये का उत्तराधिकार प्रमाणपत्र जारी किया गया। बैंको के बकाया ऋण के 921 मामलों में बैंक एवं बकायेदारो के मध्य 5433535 रुपए एवं बीएसएनएल वादों में कुल रूपया 274485 रूपये का समझौता हुआ। परिवार न्यायालय द्वारा 31 वैवाहिक मामलों का निस्तारण कराया गया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में पीठासीन अधिकारीप परिवार न्यायालय श्रीमती रीता गुप्ता तथा परामर्शदाता श्रीमती ममता सिंह के सहयोग से 14 वर्षो से अलग-अलग रह रहे साफिया तथा रहमान के मध्य उत्पन्न विवाद को सुलह समझौते के माध्यम से समझाकर उनके बीच उत्पन्न विवाद को समाप्त कराकर विदायी करायी गयी।सफलतापूर्ण आयोजन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पराविधिक स्वयं सेवकों, पैनल अधिवक्तागण, मध्यस्थगण एलएडीसीएस कर्मचारीगण व बैंक अधिकारियों का सहयोग सराहनीय रहा।

लालगंज व सांगीपुर में सकुशल सम्पन्न हुई नवोदय प्रवेश परीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। केन्द्रीय जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा शनिवार को सकुशल सम्पन्न हुई। स्थानीय लालगंज ब्लाक के अर्न्तगत अवधेश विद्या निकेतन इण्टर कालेज तथा सांगीपुर में गांधी इण्टर कालेज में प्रवेश परीक्षा आयोजित हुई। प्रवेश परीक्षा में बड़ी संख्या में छात्रों को शामिल देखा गया। लालगंज अविनि इण्टर कालेज में 220 परीक्षार्थियो में 35 अनुपस्थित रहे। परीक्षा की देखरेख प्रधानाचार्य सुरेश सिंह, सीएलओ क्षिप्रा सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी सुरेश सिंह ने किया। वही सांगीपुर के गांधी इण्टर कालेज में 190 परीक्षार्थियो में 60 बच्चे अनुपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 अमिताभ शुक्ल ने बताया कि परीक्षा कक्षों की निगरानी सीसी कैमरे से भी की गयी। परीक्षा को लेकर नवोदय विद्यालय के पर्यवेक्षक भी विद्यालय में निगरानी करते दिखे। प्रवेश परीक्षा को लेकर दोनों विद्यालयो के बाहर फोर्स को भी एहतियातन तैनात देखा गया।

संक्षिप्त खबरें

आर्थिक सहयोग में पुनः स्थापित कुटीर उद्योग: पूर्व ADC के प्रति कृतज्ञता और धन्यवाद व्यक्त

श्रीभूमि जिले के सोनबिल क्षेत्र के फाकुआ गाँव के निवासी पल्टू दास पुरकायस्थ ने अपनी मेहनत से 2019 में डालमट फैक्ट्री का निर्माण किया था। लेकिन अचानक उनकी बीमारी और परिवार की जिम्मेदारी निभाने के कारण कुटीर उद्योग बंद हो जाने से पुत्र दीपक दास पुरकायस्थ निराश हो गए। हालांकि, सेवानिवृत्त ADC और समाजसेवी निलमनी दास के सान्निध्य और आर्थिक सहयोग से डालमट फैक्ट्री को पुनः जीवित किया गया। वर्तमान संवद्धधारी दीपक दास पुरकायस्थ ने बताया कि उनके सहयोग से शुरू किए गए डालमट फैक्ट्री से पांच प्रकार की सामग्री तैयार की जा रही हैं और जिले के विभिन्न हिस्सों में बाजार में उपलब्ध कराने की दिशा में प्रगति कर रहे हैं। इस प्रकार आर्थिक सहयोग के लिए आगे आए पूर्व ADC और समाजसेवी निलमनी दास के प्रति परिवार के सदस्य कृतज्ञता और धन्यवाद व्यक्त करते हैं।

इंडियन एयरफोर्स से रिटायर्ड अधिकारी कर रहा था पाकिस्तान के लिए जासूसी, असम से गिरफ्तार

नई दिल्ली। असम पुलिस ने शुक्रवार रात एक सेवानिवृत्त भारतीय वायुसेना (IAF) अधिकारी को पाकिस्तान से जुड़े जासूसी नेटवर्क के लिए काम करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी लंबे समय से निगरानी में था और शुरुआती जांच के बाद उसे हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहलान कुलेंद्र शर्मा के रूप में हुई है, जो असम के सोनितपुर जिल के तेजपुर स्थित पटिया इलाके का रहने वाला है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, लगातार निगरानी और प्रारंभिक जांच के बाद उसे हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने क्या दावा किया?

पुलिस का दावा है कि कुलेंद्र शर्मा कथित तौर पर पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी से जुड़े लोगों के संपर्क में था और उन्हें संवेदनशील जानकारियां दे रहा था। उसके मोबाइल फोन और लैपटॉप से कुछ संदिग्ध सामग्री बरामद की गई है। पुलिस को आशंका है कुछ डेटा डिलीट भी किया गया है। कुलेंद्र शर्मा भारतीय वायुसेना में जूनियर वारंट ऑफिसर के पद पर तैनात था। वह तेजपुर एयरफोर्स स्टेशन में पोस्टेड था, जहां सुखोई-30 लड़ाकू विमानों का स्क्वाड्रन मौजूद है। वह वर्ष 2002 में सेवानिवृत्त हुआ था। सेवानिवृत्ति के बाद कुलेंद्र ने कुछ समय के लिए तेजपुर यूनिवर्सिटी में भी काम किया था।

BNS की कई धाराओं में मामला दर्ज

सोनितपुर के डिप्टी एसपी हरिचरण भूमिज ने कहा कि आरोपी के पाकिस्तान से जुड़े होने का शक मजबूत है, लेकिन जांच पूरी होने के बाद ही इसकी पुष्टि की जा सकेगी। पुलिस ने कुलेंद्र शर्मा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल, पुलिस इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से मिले डेटा की जांच कर रही है और मामले से जुड़े सभी पहलुओं की गहराई से पड़ताल की जा रही है।

नोएडा में चिली पोटैटो खाने से महिला और बच्ची बीमार, फूड प्वाइजनिंग की आशंका

दनकौर। कोतवाली क्षेत्र के जुनेदपुर गांव निवासी एक महिला और उसकी दो वर्षीय बेटी चिली पोटेटो खाने से फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गई। दोनों की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें ग्रेटर नोएडा के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़िता का स्वजन का कहना है कि वह इसकी शिकायत खाद्य विभाग के अधिकारियों और पुलिस से करेंगे। पीड़ित सपना के पति सुमित ने बताया कि छह दिसंबर को वह कनारसी गांव के पास स्थित एक पिज्जा की दुकान से चिली पोटेटो लेकर आए थे, जिन्हें खाने के कुछ समय बाद ही उनकी पत्नी सपना और दो वर्षीय बेटी की तबीयत अचानक खराब हो गई। दोनों को उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत होने लगी। स्वजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। सुमित का आरोप है कि चिली पोटेटो बनाने में खराब और बासी सामग्री का इस्तेमाल किया गया था, जिस कारण यह फूड प्वाइजनिंग की घटना हुई है। उन्होंने बताया कि जब वह इस संबंध में शिकायत करने दुकान पर पहुंचे तो दुकानदार ने अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय उनके साथ अभद्रता की और मारपीट पर उतारू हो गया। अस्पताल में कई दिनों तक इलाज चलने के बाद शनिवार को महिला और बच्ची की हालत में कुछ सुधार हुआ है। सहायक खाद्य आयुक्त द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि अभी तक कोई शिकायत नहीं आई है, शिकायत मिलने पर जांच कराई जाएगी। विभाग की ओर से लगातार जांच अभियान चला कार्रवाई की जा रही है।

खाकी बनाम खादी :-55 दिनों बाद टूटा सियासी सस्पेंस, भाजपा नेता प्रीतम सिंह किसान लखनऊ से गिरफ्तार

● कई सवाल अब भी कायम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

डॉ. दीक्षा शर्मा, पुलिस अधीक्षक | प्रीतम सिंह किसान, पूर्व बीजेपी जिलाध्यक्ष

हमीरपुर :- खाकी और खादी के बीच चल रहा 55 दिनों का रहस्यमय खेल आखिरकार शुक्रवार को खत्म हो गया। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह किसान, जो बीते 55 दिनों से लापता बताए जा रहे थे, उन्हें पुलिस ने लखनऊ के दुबग्गा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। जिस नेता की तलाश में हमीरपुर से लखनऊ तक पुलिस की टीमें भटकती रहीं, वही नेता सूबे की राजधानी में एक मकान में छिपकर रह रहा था। इस खुलासे के साथ ही पुलिस की कार्यशैली और पूरे मामले की सच्चाई पर कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

पेट्रोल पंप से शुरू हुआ खेल

मामले की शुरुआत 18 अक्टूबर को राठ स्थित प्रीतम सिंह के पेट्रोल पंप पर हुए विवाद से हुई थी। विवाद के बाद पुलिस उन्हें थाने ले गई, लेकिन इसके बाद वे अचानक 'लापता' हो गए। पुलिस की ओर से पहले तो अनभिज्ञता जताई गई, फिर धीरे-धीरे मामला रहस्यमय होता चला गया। आखिर इतने बड़े राजनीतिक चेहरे का यूं गायब हो जाना, वह भी पुलिस कार्रवाई के बाद, आम लोगों की समझ से परे था।

लापता या भूमिगत?

प्रीतम सिंह के लापता होने की कहानी पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई। 31 अक्टूबर को पुलिस ने उनके पेट्रोल पंप पर ताले तोड़कर सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन वहां भी कुछ हाथ नहीं लगा। इसी बीच यह चर्चा तेज होती गई कि प्रीतम सिंह वास्तव में लापता नहीं थे, बल्कि जानबूझकर भूमिगत होकर पूरे घटनाक्रम को दिशा दे रहे थे।

हाईकोर्ट की दहलीज तक पहुंचा मामला

28 नवंबर को प्रीतम सिंह के भाई वीर सिंह ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल कर दी। कोर्ट के आदेश ने पुलिस महकमे में खलबली मचा दी। सवाल यह था कि यदि नेता पुलिस की हिरासत में नहीं थे, तो फिर इतने दिनों तक उनका कोई पता क्यों नहीं चल सका? कोर्ट के दबाव के बाद ही पुलिस ने तलाश तेज की और अंततः लखनऊ में उनकी मौजूदगी का खुलासा हुआ।

55वें दिन गिरफ्तारी, सवाल बरकरार

शुक्रवार को पुलिस ने लखनऊ के दुबग्गा थाना क्षेत्र स्थित एक मकान से प्रीतम सिंह किसान को हिरासत में लिया। इसके साथ ही

55 दिनों से चला आ रहा सियासी और प्रशासनिक सस्पेंस खत्म हुआ, लेकिन कई सवाल अब भी हवा में हैं। क्या यह केवल पुलिस की लापरवाही थी या किसी स्तर पर मिलीभगत? इतने दिनों तक राजधानी में छिपे रहना कैसे संभव हुआ? अब प्रीतम सिंह को हमीरपुर न्यायालय लाया गया है और पुलिस तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की बात कह रही है। लेकिन यह मामला अब सिर्फ एक गिरफ्तारी नहीं, बल्कि खाकी और खादी के रिश्तों पर उठे सवालों की कहानी बन चुका है।

गाली-गलौज व मारपीट के मामले में चार महिलाओं पर मुकदमा दर्ज

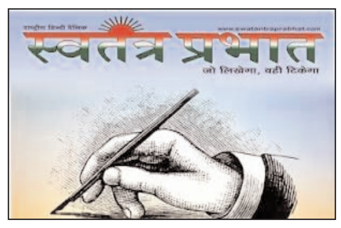

हमीरपुर :- कुरारा थाना क्षेत्र के इन्दपुरी गांव में गाली-गलौज और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने चार महिलाओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इन्दपुरी गांव निवासी आरती पत्नी सूरज प्रसाद ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि वह अपने घर के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान पड़ोस की रामश्री ने अकारण गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर रामश्री ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर रामश्री की परिजन उर्मिला, ज्योति और ममता भी मौके पर पहुंच गई और एक राय होकर पीड़िता के साथ मारपीट करने लगीं। पीड़िता के अनुसार, मारपीट में उसे गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद पीड़िता ने थाने पहुंचकर पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रामश्री, उर्मिला, ज्योति और ममता के खिलाफ मारपीट समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

चलती बोलेरो में शॉर्ट सर्किट से लगी आग ,अफरा-तफरी के बीच निकाली गईं सवारियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- बेतवा नदी के पुल पर शनिवार तड़के उस समय हड़कंप मच गया, जब चलती बोलेरो कार में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते कार आग के गोले में तब्दील होने लगी। बोलेरो में सवार दो लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए कार को पुल के बीचों-बीच खड़ा किया और जान बचाने के लिए बाहर कूद पड़े। कुछ ही पलों में आग इतनी भड़क गई कि पूरी बोलेरो धू-धूकर जलने लगी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बोलेरो पूरी तरह जल चुकी थी। आग बुझाने के बाद जली हुई कार को हाइड्रा मशीन की मदद से पुल से बाहर खींचा गया, ताकि यातायात बहाल किया जा सके।

पुल पर लगा लंबा जाम

बोलेरो में आग लगने के कारण बेतवा पुल पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। कुछ देर के लिए हाईवे पर आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को नियंत्रित किया और वाहनों को वैकल्पिक मार्गो से निकाला।

तड़के हुआ हादसा, बड़ा खतरा टला

सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक पवन

पटेल ने बताया कि तड़के बोलेरो कार में दो लोग सवार होकर कुछेछा की ओर जा रहे थे। जैसे ही वाहन बेतवा नदी के पुल पर पहुंचा, अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और इंजन से आग उठने लगी। आग लगते ही दोनों कार सवारों ने बिना देर किए वाहन रोक दिया और बाहर निकलकर अपनी जान बचाई।

कार सवार सुरक्षित

कार में सवार लोगों की पहचान शहर निवासी हरिओम शर्मा और झांसी निवासी उनके साथी पुष्पेंद्र शर्मा के रूप में हुई है। दोनों पूरी तरह सुरक्षित हैं और उन्हें कोई शारीरिक चोट नहीं आई है।

बड़ा हादसा टला

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यदि कार सवार कुछ सेकेंड की भी देरी करते, तो बड़ा हादसा हो सकता था। समय रहते कार से बाहर निकलने के कारण जान-माल का नुकसान टल गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बाइक चोरी करते रंगे हाथों पकड़ा, पिटाई के बाद पुलिस को सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- राठ कस्बा में बाइक चोरी की कोशिश करते एक युवक को लोगों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। गुस्साए लोगों ने उसकी पिटाई कर दी और बाद में कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। घटना रामलीला मैदान के पास बिजली विभाग के कार्यालय के निकट की है। जानकारी के अनुसार, बिजली विभाग में कार्यरत एक कर्मचारी की मोटरसाइकिल बिजली बिल कार्यालय के पास खड़ी थी। इसी दौरान शराब के नशे में धुत एक युवक चोरी की नीयत से मोटरसाइकिल को पैदल ही खींचकर ले जाने लगा। युवक की हरकत पर आसपास मौजूद लोगों की नजर पड़ गई। रामलीला मैदान क्षेत्र निवासी बबलू ने बताया कि जैसे ही लोगों को बाइक खींचे जाने की जानकारी मिली, उन्होंने युवक का पीछा किया और कुछ ही दूरी पर उसे पकड़ लिया। इसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई और लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर राठ कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को भीड़ से छुड़ाकर अपने कब्जे में ले लिया। बताया जा रहा है कि पकड़ा गया युवक उरई का निवासी है, जो राठ कस्बे के चरखारी रोड इलाके में अपनी रिश्तेदारी में आया हुआ था। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जाएगी।

नेतृत्व क्षमता प्रदान करने के लिए सुगमकर्ताओं को मिला प्रशिक्षण

चित्रकूट: स्पेशल प्रोजेक्ट फॉर इक्विटी के अन्तर्गत पावर एंजिल सशक्तिकरण एवं नेतृत्व क्षमता प्रदान करने के लिए सुगमकर्ताओं की दो दिवसीय ब्लाक स्तरीय कार्यशाला बीआरसी में आयोजित की गई। जिसमें खण्ड शिक्षा अधिकारी अतुल दत्त तिवारी ने प्रमाण पत्र वितरित कर सभी सुगमकर्ताओं से प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को विद्यालय में क्रियान्वयन का आवाहन किया। प्रशिक्षण में संदर्भदाता गिरीश कुमार मिश्र व कविता मिश्रा ने बताया कि राज्य परियोजना समग्र शिक्षा लखनऊ के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय स्थित बीआरसी में कुल 132 सुगमकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। 10 दिसम्बर से शुरु यह प्रशिक्षण तीन बैचों में 16 दिसम्बर तक चलेगा। प्रशिक्षण के माध्यम से मीना मंच के गठन, उद्देश्य, पावर एंजिल के चयन, पास्को एक्ट, बालिका सुरक्षा, परख माड्यूल, अरमान माड्यूल, वीरांगना पोर्टल तथा आधा फुल कॉमिक के माध्यम से तकनीकि का प्रयोग करते हुए विद्यार्थियों के समग्र कौशलों के विकास पर विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

चुनूबाद शिक्षा निकेतन में धूम-धाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

● संस्थान द्वारा गरीबों को बांटे गए कम्बल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर ब्यूरो :- मुस्करा विकासखण्ड के निवादा गांव स्तिथ चुनूबाद शिक्षा निकेतन में शनिवार के दिन संस्थान का 18वां वार्षिकोत्सव बड़ी ही धूम-धाम से मनाया गया।विद्यालय के बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री रहे दद्दू प्रसाद ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर व पुष्पांजलि देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।सुबह साढ़े दस बजे शुरू हुए कार्यक्रम में बच्चों ने नाटिकाएं एवं रिकॉर्डिंग पर भाव नृत्य आदि प्रस्तुत किये।वहीं संस्थान के प्रबंधक शिवप्रसाद कुशवाहा एवं उनकी पत्नी गुड्डो कुशवाहा (पूर्व प्रधान)ने गरीबों को कम्बल भी बांटे।विद्यालय प्रबंधक ने बताया कि कुल 8 सौ गरीबों को कम्बल वितरण किया गया। मुख्य अतिथि दद्दू प्रसाद ने अपने संबोधन में लोगों से कहा कि मनुष्य जीवन मे तीन सबसे बड़े दान होते हैं ,जीवन दान ,रक्त दान और शिक्षा दान हैं ,लेकिन इनमें सबसे बड़ा दान शिक्षा दान होता है।इसके बाद राजनीतिक समीकरण साधते हुए दलित और पिछड़ों की एक जुटता का राग अलापने लगे।कार्यक्रम के समापन पर सभी बच्चों को प्रोत्साहन पुरुष्कार दिए गए और

,प्रबंधक शिवप्रसाद कुशवाहा ने सभी आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।इस दौरान क्षेत्र के तमाम सम्भ्रान्त लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 18,626 वादों का निस्तारण, 11.48 करोड़ रुपये का हुआ समझौता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- जनपद न्यायालय परिसर में शनिवार को जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हमीरपुर मनोज कुमार राय द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लोक अदालतों का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को सरल, सुलभ एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है, जिससे अधिक से अधिक लोग न्याय व्यवस्था से लाभान्वित हो सकें। राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान जनपद के विभिन्न न्यायालयों में आपसी सुलह-समझौते के आधार पर कुल 18,626 वादों का निस्तारण किया गया। न्यायालयों, राजस्व विभाग एवं बैंकों के माध्यम से कुल 11 करोड़ 48 लाख 90 हजार 123 रुपये की धनराशि समझौते के रूप में प्राप्त हुई। न्यायालयों द्वारा निस्तारित वादों में लगभग 3.53 करोड़ रुपये, जबकि राजस्व विभाग एवं बैंकों के मामलों में लगभग 7.95 करोड़ रुपये की धनराशि का निस्तारण किया गया। बैंकों के कुल 22,621 मामलों में से 674 प्रकरणों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से हुआ। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सहित अनेक न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी एवं न्यायालय कर्मी उपस्थित रहे। लोक अदालत के दौरान उ0प्र0 ग्रामीण बैंक के सहयोग से दिव्यांगजनों की सुविधा हेतु जनपद न्यायालय में एक व्हीलचेयर समर्पित की गई, जो गेट नंबर-1 पर उपलब्ध रहेगी। इसके साथ ही न्यायालय परिसर में चिकित्सा विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया,

जिसमें लगभग 200 लोगों का परीक्षण कर दवाएं वितरित की गई। कार्यक्रम में जिला कारागार द्वारा निर्मित पर्यावरण अनुकूल कपड़े के थैलों, आरसेटी द्वारा तैयार उत्पादों तथा गैर सरकारी संगठनों के जागरूकता स्टॉल भी लगाए गए, जिन्हें लोगों ने सराहा।

जमीनी विवाद में स्टांप विक्रेता पर जानलेवा हमला, गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- राठ कोतवाली क्षेत्र में जमीनी विवाद के चलते एक स्टांप विक्रेता पर लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना उस समय हुई जब पीड़ित राठ तहसील से काम निपटाकर घर लौट रहा था। बहर गांव के पास रास्ते में घात लगाए बैठे दो हमलावरों ने उसे रोककर बेरहमी से पीट दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने किसी तरह घायल को बचाया और राठ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉ. माजिद ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत नाजुक देखते हुए उसे हमीरपुर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। सीएचसी में इलाज के दौरान घायल स्टांप विक्रेता परमलाल पुत्र उदयभान, निवासी बहर गांव, ने बताया कि गांव में खेत को लेकर उनका लंबे समय से विवाद चल रहा है। उन्होंने हदबंदी का मुकदमा दायर किया था, जिसकी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और पत्थरगड्डी भी कराई गई थी। इसके बावजूद विपक्षी उनके खेत पर अवैध कब्जा किए हुए हैं। परमलाल का आरोप है कि उन्होंने इस संबंध में कोतवाली, एसडीएम और तहसीलदार को कई बार शिकायतें दीं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी लापरवाही के चलते आरोपियों के हौसले बढ़े और उन्होंने उन पर हमला कर दिया। मारपीट में उनके शरीर पर कई गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित ने राठ कोतवाली में लिखित तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी ने बताया कि घायल का मेडिकल परीक्षण करा लिया गया है और तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नोएडा के ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा, एक दर्जन गाड़ियां आपस में टकराइ

दादरी। घने कोहरे के कारण ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर दो अलग-अलग जगहों पर सड़क हादसे हुए। जिसमें चक्रसेनपुर फ्लाईओवर पर तीन गाड़ियां और समाधिपुर फ्लाईओवर पर करीब एक दर्जन गाड़ियां आपस में टकरा गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी क्षतिग्रस्त गाड़ियों को सड़क से हटाकर सुरक्षित जगह पर खड़ा कर दिया। हादसों में किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ है। यातायात सामान्य रूप से चल रहा है। आगे की जरूरी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दर्जनों गाड़ियां आपस में टकराई

इस हादसे में वाहन क्षतिग्रस्त होने के साथ ही कई लोग घायल हो गए। कई वाहनों के आपस में टकराने के कारण रास्ते में लंबा जाम लग गया। क्षतिग्रस्त वाहनों को पुलिस ने टोल के माध्यम से हटवाकर जाम खुलवाने का काम किया जिसमें लंबा वक्त लग गया। हादसे की स्थान पर एक सफेद कार डिवाइडर पर चढ़ी हुई देखी जा सकती है, जिसका बोनट बुरी तरह दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इसी कार के बगल में ट्रक और ट्रक के नीचे फंसी एक कार भी देखी जा सकती है। यह हादसा घने कोहरे के चलते रास्ता साफ न दिखने से हुआ है।

ठेकेदार ने लाइसेंसी राइफल से खुद को मारी गोली

● पत्नी बोली कुछ दिनों से थे परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- बेलाताल निवासी हाल मुकाम मुस्करा के एक ठेकेदार ने अपनी लाइसेंसी राइफल से खुद को गोली मार ली।गोली मारने की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया गंभीर हालत में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया,गंभीर हालात होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। उसकी पत्नी ने बताया कि कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान थे। पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच करने में जुटी। मुस्करा कस्बा के राठ रोड पर बेलाताल निवासी अशोक राजपूत अपनी पत्नी के साथ रह रहा था। अशोक ने कांति नाम की महिला से प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद परिवार वालों ने अशोक से संबंध तोड़ लिए थे। जिसके बाद वह मुस्करा कस्बे में अपना घर बनाकर रहने लगा था। अशोक की पत्नी कांति सरकारी कंपोजिट स्कूल में टीचर हैं। जबकि अशोक ठेकेदारी का काम करता है शुक्रवार रात अशोक ने अचानक अपनी लाइसेंसी राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली उसके जबड़े को भेदती हुई निकल गई। गोली की आवाज सुनकर कमरे में पहुंची कांति ने अशोक को गंभीर हालत में देखकर मुस्करा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां से डॉक्टरों ने उसे गंभीर हालात होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पत्नी कांति ने बताया कि उनके पति पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव में थे। पूछने पर किसी से कुछ नहीं बताया करते थे। इसी तनाव के कारण अशोक ने खुद को गोली मारने का कदम उठाया। दंपती का एक 5 वर्षीय बेटा भी है। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बंकिम चंद्र चटर्जी के नाम पर होगा बंगाल के लोक भवन के एक द्वार का नाम, राज्यपाल ने लिया निर्णय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोलकाता। बंगाल के राज्यपाल डॉ सीवी आनंद बोस ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम की रचना के 150 साल पूरे होने उपलक्ष्य में एक साल तक चलने वाले जश्न कार्यक्रमों की घोषणा की है।

इसी के साथ राज्यपाल ने लोक भवन (पूर्व में राजभवन) के दक्षिण-पश्चिम द्वार का नाम बंकिम चंद्र चटर्जी के नाम पर रखने का निर्णय लिया है। लोक भवन के एक अधिकारी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल रविवार को लोक भवन में वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में होने वाले कार्यक्रम में दक्षिण-पश्चिम द्वार का नाम औपचारिक रूप से बंकिम चंद्र चटर्जी के नाम पर रखेंगे।

लोक भवन ने बयान किया जारी

लोक भवन द्वारा जारी एक बयान में बताया गया कि वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर एक साल तक चलने वाले कार्यक्रम की शुरुआत 10 नवंबर को राज्यपाल के नेतृत्व में वंदे मातरम् मार्च के साथ ही शुरू हो गया था, जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों, शिक्षकों और बंगाली समाज के हर तबके के लोग शामिल हुए थे। राज्यपाल ने वंदे मातरम के दूरगामी असर और रेलिवेंस पर काम करने, रिसर्च करने, पब्लिकेशन निकालने और वर्कशाप और सेमिनार करने के लिए लोक भवन में एक बंदे मातरम चेयर भी शुरू की है। इसके अलावा लोक भवन ने बांग्ला भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए वंदे मातरम पुरस्कार भी शुरू किए हैं। रविवार को राज्यपाल वंदे मातरम की लौ को बनाऐ रखने के लिए लोक भवन में नित्यशिखा जलायेंगे। बयान में बताया गया कि समारोह की शुरुआत हुगली जिले के चुंचुड़ा में एक कार्यक्रम से होगी, जहां बंकिम चंद्र ने वंदे मातरम गीत लिखा था।

150 जगहों पर आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम

बंडेल, चिनसुरा, हुगली से एक रंगारंग जुलूस निकाला जाएगा। वंदे मातरम थीम पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में 150 जगहों पर आयोजित किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में राज्यपाल स्वयं या लोक भवन के अधिकारी शामिल होंगे।